राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, शनिवार 6 जून, 2026

विचार बिन्दु

उपदेश के बजाय कहीं ज्यादा हम करके सीखते हैं। –बर्क

राजस्थान का पुनर्गठन - सुशासन, क्षेत्रीय आकांक्षाएं और तीव्र विकास की आवश्यकता

राजस्थान 3,42,239 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल के साथ भारत का सबसे बड़ा राज्य है। यह देश के कुल क्षेत्रफल का लगभग 10.41% हिस्सा साझा करता है। इतने विशाल भू-भाग को अकेले जयपुर में बैठे प्रशासनिक तंत्र से नियंत्रित करना अत्यंत कठिन है। सुदूर दक्षिण के बांसवाड़ा या धुर पश्चिम के जैसलमेर से राजधानी की दूरी 500 से 600 किलोमीटर है। इस अत्यधिक दूरी के कारण नीतियों का क्रियान्वयन धीमा होता है और आम जनता के लिए सुशासन महज़ एक कागजी नारा बनकर रह जाता है।

वर्ष 2000 में जब मध्य प्रदेश से छत्तीसगढ़, बिहार से झारखंड और उत्तर प्रदेश से उत्तराखंड को अलग किया गया, तो इसके परिणाम अभूतपूर्व रहे। विभाजन के समय छत्तीसगढ़ एक पिछड़ा इलाका था, लेकिन आज यह देश के शीर्ष बिजली उत्पादक राज्यों में 9वें स्थान पर है। यहाँ की प्रति व्यक्ति आय 12,240 से बढ़कर 1,40,000 से अधिक हो चुकी है, और गरीबी दर 49.4% से घटकर 17.9% पर आ गई है। ये ही स्थिति उतराखंड एवं झारखण्ड की है इन आंकड़ों से यह निष्कर्ष निकलता है कि छोटे राज्य संसाधनों का बेहतर दोहन करने और नीतिगत फैसलों को तेजी से लागू करने में अधिक सक्षम होते हैं।

इसी तर्ज पर दक्षिणी राजस्थान के आदिवासी अंचल (वागड़ और मेवाड़) में लंबे समय से एक अलग भील प्रदेश की मांग उठ रही है। भारत आदिवासी पार्टी BAP और विभिन्न जनजातीय संगठनों के नेतृत्व में यह आंदोलन वर्तमान में अत्यंत तीव्र हो चुका है। इस अलग राज्य की मांग की जड़ें मानगढ़ धाम से जुड़ी हैं, जहाँ 17 नवंबर 1913 को समाज सुधारक गोविंद गुरु के नेतृत्व में दमनकारी नीतियों के खिलाफ शांतिपूर्ण सभा कर रहे 1,500 से अधिक निर्दोष भील आदिवासियों को ब्रिटिश सेना ने गोलियों से भून दिया था। इस वीभत्स नरसंहार की उपेक्षा का दर्द आज भी स्थानीय जनता महसूस करती है, क्योंकि दशकों की मांग के बावजूद इसे राष्ट्रीय स्मारक का दर्जा नहीं मिला है। स्थानीय लोगों का मानना है कि यदि यह क्षेत्र जयपुर या दिल्ली की राजनीति से दूर एक अलग राज्य के अधीन होता, तो इस पावन भूमि को यह सम्मान और विकास बहुत पहले मिल चुका होता।

बुनियादी ढांचे की उपेक्षा का सबसे बड़ा उदाहरण रतलाम-बांसवाड़ा-डूंगरपुर रेल लाइन परियोजना है। वर्ष 2011 में इस परियोजना की घोषणा के बाद इसे वित्तीय अड़चनों के कारण ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था। यद्यपि रेल मंत्रालय ने हाल ही में नीमच-बांसवाड़ा-दाहोद-नंदुरबार (380 किमी) के नए रेल ट्रैक के फाइनल लोकेशन सर्वे के लिए बजट स्वीकृत किया है, लेकिन आजादी के सात दशकों बाद भी बांसवाड़ा जिला भारत के रेल मानचित्र पर अपनी मुख्य पहचान के लिए संघर्ष कर रहा है। यह देरी साबित करती है कि जयपुर की बड़ी राजनीति में सुदूर दक्षिण के इस खनिज, जल और वन संपदा से समृद्ध आदिवासी अंचल की आवाज हमेशा दब जाती है।

छत्तीसगढ़, झारखण्ड और उत्तराखंड की तर्ज पर यदि राजस्थान का भी वैज्ञानिक और प्रशासनिक आधार पर पुनर्गठन किया जाए, तो नए राज्यों को अपनी विशिष्ट समस्याओं के अनुसार बजट, नीतियां और न्यायिक प्रणाली बनाने की आजादी मिलेगी। अब समय आ गया है कि देश के सबसे बड़े राज्य की गरीब जनता के आर्थिक उत्थान, सुलभ न्याय और सुशासन की वास्तविक स्थापना के लिए इस पुनर्गठन पर राष्ट्रीय स्तर पर गंभीरता से विचार किया जाए।

इस प्रशासनिक उपेक्षा और भौगोलिक दूरी का सबसे बड़ा खामियाजा यहाँ की जनता को न्यायिक प्रणाली में भुगतना पड़ता है। उदयपुर में राजस्थान उच्च न्यायालय की स्थायी पीठ (High Court Bench) स्थापित करने की मांग पिछले साढ़े चार दशकों से लगातार की जा रही है। वर्तमान व्यवस्था के तहत मेवाड़ और वागड़ (उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़, राजसमंद) के गरीब आदिवासियों और आम नागरिकों को अपने छोटे-बड़े मुकदमों की पैरवी के लिए 500 से 550 किलोमीटर दूर जोधपुर स्थित मुख्य पीठ जाना पड़ता है। मेवाड़-वागड़ हाईकोर्ट बेंच संघर्ष समिति और बार एसोसिएशन के तत्वावधान में अधिवक्ता व स्थानीय जनता लंबे समय से आंदोलनरत हैं, भूख हड़तालें कर रहे हैं और हर महीने की 7 तारीख को न्यायिक कार्यों का बहिष्कार करते हैं। आजादी से पहले उदयपुर (मेवाड़ राज्य) का अपना स्वतंत्र उच्च न्यायालय था, लेकिन एकीकरण के बाद इस अधिकार को छीन लिया गया। एक ओर जहाँ राजधानी जयपुर में 1977 में पुनः पीठ स्थापित कर दी गई, वहीं देश के सबसे बड़े आदिवासी बहुल संभाग को सस्ता, सुलभ और त्वरित न्याय देने के नाम पर दशकों से केवल आश्वासन मिल रहे हैं। यह विडंबना दर्शाती है कि जब तक इस अंचल का अपना स्वतंत्र प्रशासनिक ढांचा नहीं होगा, तब तक न्याय और विकास दोनों आम जन की पहुँच से दूर रहेंगे।

ठीक इसी तरह, पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी राजस्थान को अलग कर मरु प्रदेश बनाने की मांग भी राजस्थान के एकीकरण (1956) के समय से ही समय-समय पर उठती रही है। प्रस्तावित मरु प्रदेश का क्षेत्रफल लगभग 2,13,887 वर्ग किलोमीटर होगा, जो कि वर्तमान राजस्थान के कुल क्षेत्रफल का लगभग 62% है और इसकी आबादी 2.81 करोड़ से अधिक है। इसमें राजस्थान के लगभग 13 से 20 जिले शामिल हैं। यह क्षेत्र अब देश का बड़ा पेट्रोलियम, क्रूड ऑयल, प्राकृतिक गैस (बाड़मेर-जैसलमेर बेसिन) और सौर ऊर्जा का हब बन चुका है। आंदोलनकारियों का आरोप है कि मरुस्थलीय क्षेत्र से भरपूर राजस्व लेने के बावजूद यहाँ की बुनियादी सुविधाओं के विकास पर ध्यान नहीं दिया जाता और विशाल आकार के कारण जयपुर में बैठे अधिकारियों को मरुस्थल की जमीनी विवशताओं का सही आकलन नहीं हो पाता है।

अंततः, राजस्थान का विभाजन कोई राजनीतिक बिखराव नहीं, बल्कि प्रशासनिक विकेंद्रीकरण (Administrative Decentralization) की एक तार्किक आवश्यकता है। जब तक सत्ता और न्याय का केंद्र (राजधानी और उच्च न्यायालय) जनता के भौगोलिक रूप से करीब नहीं होगा, तब तक अंतिम छोर पर बैठे गरीब और आदिवासी नागरिक को उसका हक नहीं मिल पाएगा। छत्तीसगढ़, झारखण्ड और उत्तराखंड की तर्ज पर यदि राजस्थान का भी वैज्ञानिक और प्रशासनिक आधार पर पुनर्गठन किया जाए, तो नए राज्यों को अपनी विशिष्ट समस्याओं के अनुसार बजट, नीतियां और न्यायिक प्रणाली बनाने की आजादी मिलेगी। अब समय आ गया है कि देश के सबसे बड़े राज्य की गरीब जनता के आर्थिक उत्थान, सुलभ न्याय और सुशासन की वास्तविक स्थापना के लिए इस पुनर्गठन पर राष्ट्रीय स्तर पर गंभीरता से विचार किया जाए।

–अतिथि सम्पादक,
डा. पी. सी. कंठालिया,
पूर्व प्रोफेसर एवं मुख्य मृदा वैज्ञानिक
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौ. विश्वविद्यालय, उदयपुर

राशिफल शनिवार 6 जून, 2026

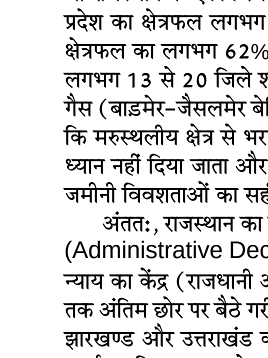

पंडित अनिल शर्मा

द्वितीय ज्येष्ठ मास (अधिक), कृष्ण पक्ष, षष्ठि तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2083, श्रवण नक्षत्र प्रातः 6:03 तक, ऐन्द्रयन योग दिन 10:04 तक, गर करण दिन 2:01 तक, चन्द्रमा आज सायं 7:04 से कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-वृष, चन्द्रमा-मकर, मंगल-मेष, बुध-मिथुन, गुरू-मिथुन, शुक्र-मिथुन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग प्रातः 6:03 तक है। रवियोग प्रातः 6:07 से आरम्भ होगा। द्विपुष्कर योग रात्रि 2:42 से आरम्भ होगा। आज भद्रा रात्रि 2:42 से आरम्भ होगी। पंचक सायं 7:04 से आरम्भ होंगे।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ 7:19 से 9:01तक, चर 12:25 से 2:08 तक, लाभ अमृत 2:08 से 5:32 तक।

राहूकालः 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:36, सूर्यास्त 7:14

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक परेशानियां दूर होने लगेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

वृष
व्यावसायिक/आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

कर्क
परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

सिंह
अस्त-व्यस्त दिनचर्या एवं स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कन्या
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

तुला
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है।

वृश्चिक
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

धनु
व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। आज घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

मीन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

जरूरी है जल-संकट से मुक्ति

डॉ. अरुणा व्यास

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा ''वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान'' धीरे-धीरे जन आंदोलन बनता जा रहा है। यह महत्वपूर्ण है कि इस अभियान के तहत मुख्यमंत्री की पहल पर 2 लाख 67 हजार 837 जल संचयन कार्यों को प्रारंभ किया गया और निंरतर मोनिटरिंग करते हुए इन्हें पूरा किया जा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र सघ ने हाल ही अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि पानी की बर्बादी को समय रहते नहीं रोका गया तो विश्व गंभीर जल संकट के दौर से गुजरेगा। कृषि की बढ़ती जरूरतों, खाद्यान उत्पादन, ऊर्जा उपभोग, प्रदूषण और जल प्रबंधन की कमजोरियों की वजह से स्वच्छ जल पर निरंतर दबाव बढ़ रहा है। राजस्थान वैसे भी बहुत कम वर्षा और जल क्षेत्र में अभावों से जूझता प्रदेश रहा है। इस दृष्टि से 'वंदे गंगा जल संरक्षण' अभियान दीर्घकालीन रूप में राजस्थान को जल संकट से जूझने के साथ जल संरक्षा में अग्रणी करेगा।

हमारे देश का जल प्रबंधन रिकॉर्ड भी खास कोई अच्छा नहीं है। खासकर जलवायु परिवर्तन के इस दौर में भी जल प्रबंधन की दिशा में हमारे यहां अभी भी खास कोई काम हो नहीं रहा है। उलटे जल, जंगल, जमीन, हवा और जैव विविधता का जितना नुकसान पिछले कुछ वर्षों में हुआ है, उतना पहले कभी नहीं हुआ। देश में उपलब्ध जल संसाधनों का बड़ा हिस्सा आज भी खेती में जाता है, पीने के पानी का ही जब संकट है तो समझा जा सकता है कि खेती के लिये पानी की स्थिति आने वाले समय में क्या रहने वाली है।

जल संकट कोई नई समस्या नहीं है परन्तु तमाम विकास के बावजूद जल प्रबंधन की दिशा में देश अभी भी बेहद पिछड़ा हुआ है। ऐसा भी नहीं है कि प्रबंध की दक्षता का हमारे यहां अभाव है परन्तु सुलझी हुई सोच से न जाने क्यों जल प्रबंधन को हमने अपनी प्राथमिकता में रखा ही नहीं है। सुप्रसिद्ध पर्यावरणविद्, लेखक अनुपम मिश्र की पुस्तक 'आज भी खरे हैं तालाब' बहुत अधिक लोकप्रिय हुई है। इसे उन्होंने जल संरक्षण प्रेरणा के आलोक में कॉपीराईट मुक्त कर दिया था। जल संकट के इस दौर में इस पुस्तक को हर आम और खास को एक बार जरूर पढ़ना चाहिए।

इसलिये कि इसमें जल संस्कृति संरक्षण की हमारी समृद्ध परम्परा का ही आख्यान नहीं है बल्कि ऐसे दृश्यालेख हैं जिनसे पानी बचाने, संग्रहित करने के लिये स्वयमेव प्रेरित हुआ जा सकता है। अनुपम मिश्र अपने लिखे में आंकड़ों, तथ्यों और महत्वपूर्ण शोध निष्कर्ष तो रखते हैं परन्तु किस्सागोई में। पुस्तक में तालाबों की हमारी संस्कृति का जो लेखा-जोखा है, वह वर्तमान समय के जल संकट का हल सुझाता नये सिरे से इस संस्कृति पर फिर से विचार करने पर मजबूर करता है।

पुस्तक की एक इकाई का आरंभ इस प्रश्न से है, 'कौन थे अनाम लोग?' पाठक चौंकेंगे परन्तु फिर लेखक इसका उत्तर खुद ही अगली पंक्ति में देते हुए कहता है, ''सैकड़ो, हजारों तालाब अचानक शून्य से प्रकट नहीं हुए थे। इनके पीछे एक इकाई थी बनवाने वालों की तो दहाई थी बनाने वालों की। यह इकाई, दहाई मिलकर सैकड़ा, हजार बनती थी। लेकिन पिछले 200 बरसों में नए किस्म की थोड़ी सी पढ़ाई पढ गए समाज ने इस इकाई, दहाई, सैकड़ा, हजार को शून्य ही बना दिया। इस नये समाज के मन में इतनी भी उत्सुकता नहीं बची कि उससे पहले के दौर में इतने सारे तालाब भला कौन बनाता था।'' सोचिए! जिस देश में पानी सहेजने के लिये तालाबों की लूंठी-अलूंठी परम्परा रही है, वहां आज तालाब बनना तो दूर पहले के जो तालाब बने थे, उन्हें मिटाकर जल संरक्षण की हमारी संस्कृति का ही विलोप किया जा रहा है। परम्परा से बने बहुत से तालाब अभी भी अपना वजूद रखे हुए हैं परन्तु विडम्बना यह भी है कि वहां पानी आने की कोई व्यवस्था नहीं है। उनकी आगोर भूमि पर आबादी बस गयी है या फिर तमाम जल आवागमन के रास्ते अवरूद्ध कर दिये गये हैं।

जल संरक्षण के लिये तालाबों के निर्माण, बावड़ियों के विकास और उसमे समाज की भूमिका पर देशभर में घुम-फिर कर आख्यान संजोते लेखक ने जल प्रबंधन की सोच के साथ ही तालाबों की संस्कृति से विमुख होते जा रहे समाज की नब्ज को भी टटोला है। जल संरक्षण के प्रतीक तालाबों से कैसे हुआ समाज विमुख? इसकी रोचक दास्तां अनुपम मिश्र के शब्दों में, '...राज बदला। अंग्रेज आए। सबसे पहले उन्होंने इस फिजूलखर्ची को रोका और सन् 1831 में राज की ओर से तालाबों के लिए दी जाने वाली राशि को काटकर एकदम आधा कर दिया। अगले 32 बरस तक नए राज की कंजूसी को समाज अपनी उदारता से ढककर रखे रहा। तालाब लोगों के थे, सो राज से मिलने वाली मदद के कम हो जाने, कहीं कहीं बंद हो जाने के बाद भी समाज तालाबों को संभाले रहा। बरसों पुरानी स्मृति ऐसे ही नहीं मिट जाती।....उसी दौर में दिल्ली में नल लगने लगे थे। इसके विरोध की एक हल्की सुरीली सी आवाज सन् 1900 के आस-पास विवाहों के अवसर पर गाई जाने वाली 'गारियों, विवाह-गीतों' में दिखी थी। बारात जब पंगत में बैठती तो स्त्रियां ''फिरंगी नल मत लगवाय दियो' गीत गाती। लेकिन नल लगते गए और जगह-जगह बने तालाब, कुंए और बावड़ियों के बदले अंग्रेज द्वारा नियंत्रित 'वाटर वर्क्स' से पानी आने लगा।''

कभी हमारे यहां अच्छे कार्य करने का मापदंड तालाब बनाने से था। इसीलिये पुस्तक के आरंभ के एक किस्से में कुड़न किसान की कहानी मन को छू लेती है।' पाटन क्षेत्र के चार बहुत बड़े तालाबों को इस कहानी से जोड़ते मिश्र तालाबों की संस्कृति को आगे बढ़ाते हैं। किस्से दर किस्सों में वह बताते जाते हैं कि किसी तालाब को राजा ने बनाया तो किसी को रानी ने, किसी को साधारण गृहस्थ ने, विधवा ने बनाया तो किसी को किसी असाधारण साधु-संत ने-जिस किसी ने भी तालाब बनाया, वह महाराज या महात्मा कहलाया। एक कृतज्ञ समाज तालाब बनाने वालों को अमर बनाता था और लोग भी तालाब बनाकर समाज के प्रति अपनी कृतज्ञता ज्ञापित करते थे।

तब तालाब बनते थे, वर्षा के समय उनमें पानी आता था...लबालब जब तालाब भरते तो बाकायदा वह उत्सव बन जाता। तालाब का पूरा भरना, सिर्फ एक घटना नहीं आनंद होता, मंगलसूचक होता, उत्सव होता। महोत्सव होता। यह प्रजा और राजा को घाट तक ले आता। तालाब नहीं वह पानी का महत्व था। पानी संरक्षण की सोच के ऐसे उत्सव से ही तो बना हमारा यह समाज। इसलिये कि तब लोग अच्छे अच्छे काम करते जाते थे। लेखक के अनुसार इस सदी के प्रारंभ तक आषाढ़ के पहले दिन से भादो के अंतिम दिन तक कोई 11 या 12 लाख तालाब भर जाते थे-और अगले जेठ तक वरूण देवता का कुछ न कुछ प्रसाद बांटते रहते थे। और अब हाल यह है कि इनमें से चौथाई तालाब ही बचे नहीं है। जब तालाब ही नहीं है तो वर्षा से जो जल बरसता है, उसके संरक्षण की तो बात ही कहां की जा सकती है!

तालाबों की हमारी संस्कृति सभ्यता के वजूद से जुड़ी रही है। आज सभ्यता जल संकट से ही जूझ रही है। इस दौर में हमारी तालाब संस्कृति के जरिये जल संरक्षण को फिर से जीवंत कर हम जल समस्या का बड़े स्तर पर निदान कर सकते हैं। कल नहीं, आज ही इस पर विचारने की जरूरत है। मानसून से पहले तालाबों के हमारे अतीत में जाकर हम यदि जल संरक्षण के लिए प्रयास करते हैं तो बरखा के पानी को ही सहेज नहीं पाएंगे बल्कि भविष्य के जल-संकट से मुक्ति में भी अपना सहयोग दे सकेंगें।

-डॉ. अरुणा व्यास,
पर्यावरण एवं संस्कृति अध्येता
स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक

स्वधर्म, स्वभाषा और स्वराज्य : शिव राज्याभिषेक का वैश्विक संदेश

डॉ. विशाला शर्मा

शिवराज्याभिषेक दिवस भारतीय इतिहास का वह स्वर्णिम अध्याय है, जो मात्र एक सम्राट के राजतिलक का उत्सव नहीं, अपितु विदेशी पराधीनता की कटीली जंजीरों के विरुद्ध राष्ट्र के स्वाभिमान, शाश्वत न्याय और लोक-कल्याणकारी सुशासन के उदय का पावन शंखनाद है। सन् 1674 की वह ऐतिहासिक ज्येष्ठ शुक्ल त्रयोदशी, जब दुर्गराज रायगढ़ की प्राचीरें छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्यारोहण की साक्षी बनीं, वास्तव में काल के कपाल पर अंकित एक युगपरिवर्तनीय क्षण था। इसी पावन बेला में हिंदवी स्वराज्य की दिव्य संकल्पना ने एक संप्रभु और अखंड राष्ट्र के रूप में आकार लिया, जिसने सदियों की अंधियारी दासता को चीरकर स्वतंत्रता के एक नए स्वर्णिम युग का सूत्रपात किया। न्याय और धर्म की स्थापना और अपने राज्य को एक स्वतंत्र राष्ट्र का दर्जा दिलाने हेतु छत्रपति शिवाजी महाराज ने संपूर्ण जीवन पर्यन्त प्रयास किया। आपका अवतरण उस युग की महती आवश्यकता था, जब विदेशी आक्रांताओं और आदिलशाही कुतुबशाही सुल्तानों के अत्याचारों से त्रस्त होकर संपूर्ण वसुंधरा कराह रही थी।

उन्होंने मुगलों की क्रूर नीतियों और धार्मिक कट्टरता को पराजित कर सनातन संस्कृति, संतों और मंदिरों की रक्षा की और सांस्कृतिक पुनरुत्थान का शंखनाद किया। उनके स्वराज्य में न्याय केवल शक्तिशालियों के लिए नहीं, बल्कि समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के लिए भी सुलभ था। युगप्रवर्तक छत्रपति शिवाजी महाराज के हृदय में अपनी प्रजा के प्रति शासक का नहीं, अपितु एक वात्सल्यमयी पिता का भाव था। उनके साम्राज्य में रैयत केवल जनमानस नहीं, बल्कि उनकी अपनी संतान थी; जहाँ कृषकों का पसीना, व्यापारियों की समृद्धि और महिलाओं का स्वाभिमान राज्य की संप्रभुता के सर्वोच्च स्तंभ थे। जन-कल्याण और लोक-हित के प्रति उनकी यही निष्ठा आज भी संपूर्ण विश्व में एक आदर्श शासक के रूप में वंदनीय है।

उनका अनुशासन ऐसा था कि रणचंडी के आव्हान पर भी सैनिकों को नीति का पाठ स्मरण रहता था युद्ध की विभीषिका में भी हरी-भरी फसलें अक्षुण्ण रहती थीं। और शत्रु पक्ष की भी महिलाएँ व बालक पूर्णतः सुरक्षित और सम्मानित थे। नर्तकी या दासी को ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध थे। युद्ध के दौरान धार्मिक स्थलों को हाथ भी नहीं लगाया जाता था। जब प्रकृति ने सूखे और अकाल का वज्रपात किया, महाराज ने प्रजा पर करों का बोझ लादने के बजाय उनके आँसू पोंछे, किसानों को लगान मुक्त किए और उन्हें नव-जीवन देने के लिए बीज व बैल निःशुल्क उपलब्ध कराए। वे केवल भूमि के विजेता नहीं, अपितु कोटि-कोटि हृदयों के अधिपति थे।

छत्रपति शिवाजी महाराज का जीवन केवल युद्धों और विजयों की गाथा नहीं है, बल्कि यह एक लोक-कल्याणकारी, न्यायप्रिय और दूरदर्शी शासन व्यवस्था का स्वर्णिम दस्तावेज है। उनका हिंदवी स्वराज्य केवल एक राजनीतिक सत्ता नहीं, बल्कि स्वाभिमान, राष्ट्रीयता और सांस्कृतिक पुनरुत्थान का एक जीवंत महाकाव्य था। उनकी इस गौरवशाली प्रशासनिक और रणनीतिक यात्रा में कार्यकुशलता के लिए उन्होंने आठ मंत्रियों की एक परिषद बनाई, जिसे अष्टप्रधान मंडल कहा जाता था। यह आधुनिक कैबिनेट व्यवस्था का शुरुआती रूप था।

जागीरदारी प्रथा को समाप्त कर अधिकारियों को नकद वेतन देने की शुरुआत की, जिससे भ्रष्टाचार पर लगाम लगी। उन्होंने न केवल अभेद्य किलों का निर्माण किया, बल्कि भारत की पहली आधुनिक नौसेना भी खड़ी की, जिसके कारण उन्हें भारतीय नौसेना का जनक कहा जाता है। महाराज का लक्ष्य किसी एक संप्रदाय का राज्य स्थापित करना नहीं, बल्कि इस भूमि के मूल निवासियों को अपनी नियति खुद तय करने का अधिकार देना था।अपने फारसी भाषा के स्थान पर राज्य व्यवहार कोष बनवा कर संस्कृत और स्थानीय भाषाओं एवं मराठी को प्रशासनिक बढ़ावा दिया। मुगलों की विशाल सेना के सामने गुरिल्ला युद्ध नीति का उपयोग कर उन्होंने यह सिद्ध किया कि संकल्प और रणनीति से किसी भी बड़ी शक्ति को झुकाया जा सकता है।

छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा स्थापित सुशासन, राष्ट्रभक्ति और जनकल्याण के आदर्श आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। यह दिन हमें याद दिलाता है कि जब नेतृत्व निःस्वार्थ, पराक्रमी और न्यायप्रिय हो, तो विपरीत से विपरीत परिस्थितियों में भी एक अजेय और कल्याणकारी राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है।

छत्रपति शिवाजी महाराज का शासनकाल महिला अधिकारों और उनकी गरिमा की रक्षा के लिए इतिहास में मील का पत्थर माना जाता है। उनके राज्य में महिलाओं की सुरक्षा केवल एक कानून नहीं, बल्कि एक सर्वोच्च संस्कार था। महिला उत्पीड़न, शीलभंग या उनके अपहरण के खिलाफ शून्य-सहनशीलता की नीति अपनाई थी। दोषी पाए जाने पर अपराधियों को मृत्युदंड या हाथ-पैर काटने जैसे अत्यंत कठोर दंड दिए जाते थे, चाहे वह अपराधी कितना भी बड़ा अधिकारी या सैनिक क्यों न हो। इसका सबसे बड़ा उदाहरण गाँव के मुखिया का मामला है। जब उसने एक असहाय महिला के साथ दुर्व्यवहार किया, तो महाराज ने बिना किसी देरी के उसके दोनों हाथ और पैर काटने का आदेश दिया था। इस एक फैसले ने पूरे राज्य में अपराधियों के भीतर खौफ पैदा कर दिया था। युद्ध के मैदान में भी महाराज का नैतिकता का नियम लागू रहता था। कल्याण के सूबेदार की बहू का प्रसंग जगप्रसिद्ध है। जब मराठा सेना ने कल्याण पर विजय प्राप्त की और सूबेदार की सुंदर बहू को महाराज के सामने उपहार के रूप में पेश किया, तो महाराज ने उसे अपनी माता के समान बताते हुए ससम्मान और आभूषणों के साथ उसके परिवार के पास वापस भेज दिया।

शिवाजी महाराज भली-भांति जानते थे कि स्वराज्य की असली ताकत खेतों में काम करने वाला किसान है। उन्होंने मुगलों की उस दमनकारी व्यवस्था को उखाड़ फेंका जो किसानों का खून चूसती थी। महाराज का अपनी सेना को स्पष्ट और लिखित निर्देश था कि युद्ध के दौरान किसी भी किसान की खड़ी फसल को नुकसान नहीं पहुँचना चाहिए। यहाँ तक कि सैनिकों को अपने घोड़ों के लिए चारा भी किसानों से उचित मूल्य देकर खरीदने का आदेश था, वे जबरन कुछ नहीं ले सकते थे। पारदर्शी और उदार कर प्रणाली उन्होंने जागीरदारी और जमींदारी प्रथा को समाप्त कर दिया, जो किसानों का शोषण करती थी। सरकार सीधे किसानों से संपर्क करती थी। यदि किसी वर्ष अकाल पड़ता या फसल नष्ट हो जाती, तो महाराज उस क्षेत्र का पूरा लगान माफ कर देते थे। अकाल या युद्ध से प्रभावित किसानों को दोबारा खेती शुरू करने के लिए स्वराज्य की ओर से मुफ्त में बीज, बैल और कृषि उपकरण दिए जाते थे। इसके लिए दिए जाने वाले ऋण पर कोई ब्याज नहीं लिया जाता था और किसान इसे अपनी सुविधा के अनुसार आसान किस्तों में चुका सकते थे।

महाराज ने हर किले और प्रशासनिक केंद्र पर अनाज के बड़े भंडार बनवाए थे। संकट के समय इन भंडारों को आम जनता और किसानों के लिए खोल दिया जाता था ताकि राज्य में कोई भी भूखा न सोए। यह दिन हमें याद दिलाता है कि जब नेतृत्व निःस्वार्थ, पराक्रमी और न्यायप्रिय हो, तो विपरीत से विपरीत परिस्थितियों में भी एक अजेय और कल्याणकारी राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। हिंदवी स्वराज्य का अर्थ केवल भौगोलिक स्वतंत्रता नहीं, बल्कि सुशासन, महिला सम्मान, धार्मिक सहिष्णुता और किसान कल्याण का एक आदर्श मॉडल था। आज सदियों बाद भी, शिवराय के स्वराज्य के मूल्य हमारे राष्ट्र के लिए एक मार्गदर्शक प्रकाश स्तंभ हैं। उनका यह गौरवशाली इतिहास हमें याद दिलाता है कि जब दृढ़ संकल्प और न्याय की शक्ति साथ मिलती है, तो इतिहास बदला जा सकता है। इसलिए आज का दिन केवल एक तिथि नहीं, भारतीय स्वाभिमान के पुनरुत्थान का दिवस है।

–डॉ. विशाला शर्मा,
प्रोफेसर विभागाध्यक्ष एवं शोध निर्देशिका, हिंदी विभाग,
चेतना महाविद्यालय छत्रपति संभाजी नगर

अमरसागर गेट को मिला नया साथी, वर्षों पुराने ट्रैफिक जाम से शहरवासियों को मिली राहत

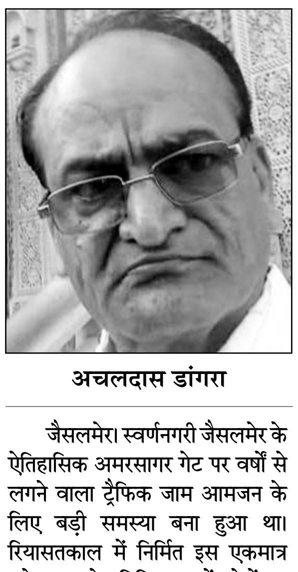

अचलदास डांगरा

जैसलमेर। स्वर्णनगरी जैसलमेर के ऐतिहासिक अमरसागर गेट पर वर्षों से लगने वाला ट्रैफिक जाम आमजन के लिए बड़ी समस्या बना हुआ था। रियासतकाल में निर्मित इस एकमात्र प्रवेश द्वार से प्रतिदिन हजारों लोगों का आवागमन होता था। शहर में आने वाले देशी-विदेशी सैलानियों के अलावा कचहरी, जिला अस्पताल और विभिन्न सरकारी कार्यालयों में आने-जाने वाले लोगों को अक्सर लंबे समय तक जाम में फंसना पड़ता था। सुबह और शाम सैर के लिए निकलने वाले नागरिकों को भी इस परेशानी का सामना करना पड़ता था।

शहर की बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या के कारण अमरसागर गेट पर स्थिति दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही थी। कई बार जाम इतना लंबा लग जाता था कि लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में काफी देरी होती थी। इससे आमजन के साथ-साथ पर्यटकों को भी असुविधा का सामना करना पड़ता था, जिससे शहर की यातायात व्यवस्था पर सवाल खड़े होने लगे थे। इसी समस्या के स्थायी समाधान के लिए वर्ष 2011 में तत्कालीन जिला कलेक्टर गिरिराज सिंह कुशवाहा के निर्देश पर तत्कालीन नगर परिषद सभापति अशोक तंवर ने नगर परिषद के सभी पार्षदों की एक विशेष बैठक बुलाई। बैठक में शहर के प्रमुख मार्गों पर बढ़ते यातायात दबाव और अमरसागर गेट पर लगने वाले जाम पर विस्तार से चर्चा की गई।

विचार-विमर्श के बाद सर्वसम्मति से यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया कि ऐतिहासिक अमरसागर गेट के समानांतर एक और प्रवेश द्वार का निर्माण कराया जाए, ताकि शहर में आने-जाने वाले वाहनों का दबाव विभाजित हो सके और यातायात व्यवस्था सुचारू बनाई जा सके। इस दूरदर्शी निर्णय के परिणामस्वरूप शहर को एक वैकल्पिक मार्ग मिला, जिससे अमरसागर गेट पर वर्षों से बनी हुई जाम की समस्या में काफी हद तक राहत मिली। नए प्रवेश द्वार के निर्माण के बाद वाहनों की आवाजाही अधिक व्यवस्थित हुई और आमजन, पर्यटकों तथा विभिन्न सरकारी कार्यालयों में आने-जाने वाले लोगों को सुविधा मिलने लगी।

स्थानीय नागरिकों का मानना है कि उस समय लिया गया यह निर्णय जैसलमेर की यातायात व्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। इससे न केवल लोगों का समय बचा, बल्कि शहर की पहचान बने ऐतिहासिक क्षेत्र में यातायात का दबाव भी कम हुआ। स्वर्णनगरी के विकास की इस कहानी में अमरसागर गेट के समानांतर बने नए प्रवेश द्वार को आज भी एक दूरदर्शी और जनहितकारी पहल के रूप में याद किया जाता है, जिसने हजारों लोगों को रोजाना की परेशानी से राहत दिलाई।

–अचलदास डांगरा,
वरिष्ठ पत्रकार।

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Not Much Protects You And Your Personality! Fame is earned, not public property. Being well-known does not mean the world gets to use you

The Times of Firuz Shah Tughlaq

A Stone To Protect And Cure Scrapings from the ball were ingested as an antidote to poison and melancholy, as well as to prevent illness

प.बंगाल में भाजपा ने अपनी पूर्ण विजय को "सील" किया

कलकत्ता नगर निगम को भी टीएमसी के नियंत्रण से मुक्त कराया

- फिरहाद हाकिम ने मेयर के पद से इस्तीफा दे दिया है और कमिश्नर नगर निगम को भंग करने जा रहे हैं।
- कलकत्ता के लोगों ने फिरहाद हाकिम के इस्तीफे पर खुशी जताई और उनकी कई शिकायतें कीं। बताया जाता है कि फिरहाद हाकिम ने एक बार कहा था कि हिंदुओं का दुर्भाग्य है कि वे मुस्लिम परिवार में पैदा नहीं हुए हैं।
- पूर्ण बंगाल विजय का दूसरा चरण नई दिल्ली में चल रहा है। टीएमसी के कुल 28 लोकसभा सांसदों में से 20 सांसद लोकसभा स्पीकर से मिलकर अलग गुट के रूप में मान्यता दिए जाने की मांग कर रहे हैं।
- चर्चा है कि सांसद शुभेन्दु सेखर रॉय को इस गुट का नेता बनाया जा सकता है। ज्ञातव्य है कि सेखर के पिता श्यामा प्रसाद मुखर्जी के साथ काम कर चुके हैं और प्र.मंत्री मोदी ने माल्दा में एक रैली में उनकी तारीफ भी की थी।
- अगर तृणमूल सांसद अलग गुट बना लेते हैं तो इससे भविष्य में महत्वपूर्ण बिल पारित कराने में भाजपा को भारी मदद मिलेगी।

- अंजन रॉय -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली 5 जून। द्वितीय विश्व युद्ध का अंत तब हुआ था, जब मित्र देशों की सेनाएं 1945-46 में जर्मनी की राजधानी बर्लिन पहुँचीं।

बंगाल में भाजपा की पूर्ण जीत पर उस समय मुहर लग गई जब उसने एक तरह से कलकत्ता पर कब्जा कर लिया। कलकत्ता कॉरपोरेशन के मेयर फिरहाद हकीम ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने उस ऐतिहासिक कक्ष में अपना पद छोड़ा, जहां कभी सुभाष चंद्र बोस मेयर की प्रतिष्ठित कुर्सी पर बैठे थे।

"देशबंधु" के नाम से प्रसिद्ध चितरंजन दास भी इसी मेयर की कुर्सी पर बैठे थे। एस्प्लनेड स्थित कलकत्ता कॉरपोरेशन का मुख्यालय, जिसे "बड़ा लालबाड़ी," यानी "राइटर्स बिल्डिंग" की तुलना में "छोटा लालबाड़ी" कहा जाता है, अब भाजपा के हाथों में जा रहा है।

हकीम द्वारा मेयर पद से इस्तीफा देने के साथ ही नगर निगम ने निगम बोर्ड को भंग करने की तैयारी शुरू कर दी है। कलकत्ता कॉरपोरेशन के आयुक्त अब निगम बोर्ड को भंग कर प्रशासन अपने हाथ में लेने की तैयारी कर रहे हैं।

कट्टर कलकत्ता प्रेमी अब सामने आकर मेयर के कार्यकाल के दौरान उनके आचरण की तीखी आलोचना कर रहे हैं। आलोचकों का कहना है कि अपने प्रभावशाली दौर में फिरहाद हकीम ने कलकत्ता कॉरपोरेशन की परंपराओं का सम्मान नहीं किया।

उनके विरोधियों का आरोप है कि पद पर रहते हुए उन्होंने यह टिप्पणी की थी कि बहुसंख्यक हिंदुओं का दुर्भाग्य है कि उनका जन्म मुस्लिम परिवार में नहीं हुआ। इस टिप्पणी से बहुसंख्यक समुदाय में व्यापक नाराजगी पैदा हुई थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

साइबर अपराध मामलों में ईडी ने राजस्थान-पंजाब में छापे मारे

जयपुर। साइबर ठगी के जरिए अर्जित काली कमाई और फर्जी सिम कार्ड नेटवर्क के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को राजस्थान और पंजाब में बड़ी कार्रवाई की। ईडी की टीमों ने राजस्थान के जोधपुर, नागौर और किशनगढ़ सहित पंजाब के लुधियाना में कुल सात ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की।

- जोधपुर में तीन, नागौर में दो तथा किशनगढ़ में एक स्थान पर छापों में अपराध से जुड़े दस्तावेजों, उपकरणों आदि की जाँच की गई।

ईडी सूत्रों के अनुसार कार्रवाई जोधपुर के बासनी स्थित साइबर क्राइम शाखा में दर्ज एक मामले के आधार पर की गई। जांच में सामने आया कि बड़ी संख्या में मोबाइल सिम कार्ड खरीदे जा रहे थे और बाद में उन्हें साइबर अपराधियों को बेचा जा रहा था। इन सिम कार्डों का उपयोग ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉलिंग और अन्य साइबर अपराधों में किया जा रहा था।

जानकारी के अनुसार जोधपुर में तीन, नागौर में दो तथा किशनगढ़ और पंजाब के लुधियाना में एक-एक स्थान पर ईडी की टीमों ने दबिश दी।

प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि इस नेटवर्क के तार विदेशों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

15 दिन पुराने सीजेपी मूवमैंट को नामचीन हस्तियों का समर्थन मिला

इनमें सोनम वांगचुक, एक्टर प्रकाश राज व शिव सेना के आदित्य ठाकरे आदि नाम शामिल हैं

- वांगचुक ने 6 जून के जंतर-मंतर विरोध प्रदर्शन में शामिल होने की घोषणा कर दी है और एक्टर प्रकाश राज भी प्रदर्शन में शामिल हो सकते हैं।
- इसके अलावा टीएमसी की महुआ मोईत्रा और कीर्ति आज़ाद ने भी सीजेपी को समर्थन दिया है। यह भी कहा जा रहा है कि संविधान क्लब में सीजेपी की प्रेस कान्फ्रेंस के लिए आरजेडी के मनोज झा ने आर्थिक सहायता दी थी। हालांकि झा ने इससे इन्कार किया और कहा कि उन्होंने सिर्फ सिफारिशी चिट्ठी लिखी थी।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 जून। पंद्रह दिन पुराना ऑनलाइन आंदोलन, कॉक्रोच जनता पार्टी (सीजेपी) कई प्रमुख समर्थकों को आकर्षित कर चुका है। इनमें जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक, अभिनेता प्रकाश राज और शिव सेना यूबीटी नेता आदित्य ठाकरे शामिल हैं।

सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके शनिवार को नई दिल्ली पहुंच रहे हैं, और उनका इरादा शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन आयोजित करने का है। यह विरोध नीट-यूजी 2026 पेपर लीक के कारण 3 मई को परीक्षा रद्द होने और 21 जून को पुनः परीक्षा की घोषणा के बाद किया जा रहा है। ऐसी संभावना कम है कि केन्द्र सरकार दिपके और उनके तेजी से बढ़ते समर्थकों को शनिवार को प्रदर्शन की अनुमति देगी।

यूएस से उड़ान भरने से पहले दिपके ने समर्थकों से अपील की कि वे दिल्ली एयरपोर्ट पर उनका स्वागत करने न आएं। उन्होंने कहा कि वे संविधान पर भरोसा रख रहे हैं और संभावित गिरफ्तारी के लिए तैयार हैं। उल्लेखनीय है कि सरकार ने पिछले महीने सैटायरिकल डिजिटल आंदोलन के आधिकारिक एक्स अकाउंट को आईटी एक्ट की धारा 69 के तहत ब्लॉक कर दिया था। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने यह कदम इंटेलिजेंस ब्यूरो की रिपोर्ट के आधार पर उठाया, जिसमें कहा गया कि यह अकाउंट राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता के लिए खतरा पैदा करता है।

इस बीच, वांगचुक ने घोषणा की है कि अगर धर्मेन्द्र प्रधान उस तारीख तक इस्तीफा नहीं देते हैं, तो वे जंतर मंतर में सीजेपी के विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगे। अभिनेता प्रकाश राज ने कहा कि वे 6 जून से पहले दिल्ली पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने इस अभियान को "सबसे प्रासंगिक कॉक्रोच आंदोलन" बताया। शिव सेना यूबीटी नेता आदित्य ठाकरे ने भी इसका समर्थन व्यक्त किया।

सीजेपी को समर्थन देने वाले अन्य प्रमुख व्यक्तियों में तृणमूल कांग्रेस के नेता महुआ मोइत्रा और कीर्ति आज़ाद शामिल हैं। इसके अलावा, यह भी अटकलें हैं कि आरजेडी सांसद मनोज झा ने बुधवार को संविधान क्लब में आयोजित सीजेपी प्रेस कॉन्फ्रेंस को वित्तीय सहयोग दिया। लेकिन झा ने इसे नकारते हुए कहा कि उन्होंने केवल प्रेस मीट के लिए संविधान क्लब में जगह बुक कराने हेतु सिफारिश पत्र भेजा था।

क्या संवर्धित यूरेनियम को ईरान से बाहर ले जाने की शर्त छोड़ दी है ट्रंप ने?

"पल में तोला पल में माशा" कहावत को चरितार्थ करने वाले ट्रंप ने यह कहकर सभी को हैरान कर दिया कि संवर्धित यूरेनियम को ईरान से बाहर ले जाने का मुद्दा "दफन" हो चुका है

- अपने ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना द्वारा संवर्धित यूरेनियम ईरान से बाहर जाने का विचार उन्हें पसंद नहीं है। ट्रंप की इस टिप्पणी ने सभी को हतप्रभ कर दिया, क्योंकि पूर्व में कई बार ट्रंप ने कहा था, अगर ईरान ने यूरेनियम नहीं ले जाने दिया तो वे उसका नामोनिशान मिटा देंगे।
- ट्रंप ने यह भी कहा कि अगर दोनों देशों के बीच डील हो गई तो वे ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा से मिलना चाहेंगे और यह उनके लिए सम्मान की बात होगी।

- डॉ. सतीश मिश्रा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली 5 जून। एक और हैरान करने वाले बयान में अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि वाशिंगटन को ईरान के साथ ऐसे शांति समझौते की जरूरत नहीं है, जिसमें इस्लामी गणराज्य के संवर्धित यूरेनियम (एनरिच्ड यूरेनियम) को देश से बाहर ले जाने की शर्त हो। उन्होंने यह भी कहा कि यदि दोनों देशों के बीच समझौता हो जाता है, तो ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई से मिलना उनके लिए "सम्मान की बात" होगी। अपने हमेशा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाई कोर्ट ने जल जीवन मिशन की सुनवाई एसीबी-2 को भेजी

जयपुर, 5 जून। जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार से जुड़े मामले में अब एसीबी मामलों की विशेष अदालत क्रम-2 सुनवाई करेगी। एसीबी कोर्ट-1 के पीठासीन अधिकारी की ओर से इस संबंध में हाईकोर्ट को पत्र लिखकर केस ट्रांसफर करने की गुहार की गई थी। इसके बाद, हाईकोर्ट प्रशासन की ओर से मामले को लेकर एसीबी कोर्ट में लंबित मामलों को क्रम-2 कोर्ट में सुनवाई के लिए भेज दिया है, जहां अदालत मामले की सुनवाई 8 जून से करेगी। वहीं तत्कालीन अतिरिक्त मुख्य पीएचईडी सचिव और रिटायर आईएएस सुबोध अग्रवाल की जमानत अर्जी पर भी अब 8 जून को सुनवाई होगी।

- एसीबी कोर्ट-1 के पीठासीन अधिकारी ने हाई कोर्ट को पत्र लिखकर केस ट्रांसफर करने की प्रार्थना की थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सरकार बनाने के साथ ही मुश्किल शुरु हुई शिवकुमार की

शपथ लेने के दो दिन बाद ही एक वरिष्ठ मंत्री ने इस्तीफा दिया व कई अन्य ने विभाग के प्रति असंतोष जताया

- वरिष्ठ मंत्री रामलिंगा रेड्डी को खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग मिला है, उन्होंने कहा कि वरिष्ठतम नेता होने के नाते उन्हें बेहतर विभाग मिलना चाहिए। रेड्डी ने कहा, उन्हें बेंगलुरु विकास विभाग देने का वादा किया गया था।
- एक अन्य मंत्री, के.एच. मुनिपप्पा, जो सात बार कोलार सीट से सांसद रहे हैं और वर्तमान में देवन हल्ली से विधायक हैं, ने विभाग के प्रति नाराज़गी जताई। एक अन्य विधायक के.जे. जॉर्ज अपने विभाग में किए जा रहे तबादलों से नाराज़ हैं।
- वहीं सतीश जारकीहोली को हालांकि उनका सार्वजनिक निर्माण विभाग पुनः मिल गया, पर, उनकी इच्छा प्रदेश अध्यक्ष बनने की भी है।

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 5 जून। कर्नाटक के एक मंत्री ने इस्तीफा दे दिया है तो कई अन्य मंत्री बेहतर विभाग की मांग कर रहे हैं, एक वरिष्ठ नेता उपेक्षा से नाराज़ हैं, मुस्लिम नेताओं ने मंत्रिमंडल में बेहतर प्रतिनिधित्व की मांग उठाई है, और महिलाओं को प्रतिनिधित्व न मिलने पर भी आलोचना हो रही है। तीन दिन पुरानी डीके शिवकुमार सरकार आंतरिक राजनीतिक संकट में घिर गई है।

अब तक चार मंत्रियों ने हालात को लेकर अपनी नाराज़गी जताई है। पहला झटका शुक्रवार सुबह तब लगा, जब मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने यह कहते हुए इस्तीफा भेज दिया कि उन्हें आवंटित विभाग से वे असंतुष्ट हैं। इसके तुरंत बाद नई सरकार के दूसरे मंत्री के.एच. मुनियप्पा ने भी अपने मंत्रालय को लेकर असंतोष व्यक्त किया। इसके बाद असंतोष का स्वर और तेज हो गया। मंत्री के.जे. जॉर्ज अपने विभाग में कथित "हस्तक्षेप" से नाराज़ बताए जा रहे हैं, जबकि सतीश जारकीहोली ने स्पष्ट कर दिया है कि उनकी महत्वाकांक्षा केवल मंत्री पद तक सीमित नहीं थी।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग पाने वाले मुनियप्पा ने कहा कि पार्टी के "सबसे वरिष्ठ" नेताओं में से एक होने के नाते, वे इससे बेहतर विभाग के हकदार थे।

उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने अपनी अपेक्षाओं के बारे में राहुल गांधी सहित, पार्टी नेतृत्व को पहले ही अवगत करा दिया था।

जब उनसे पूछा गया कि क्या वे दिए गए विभाग से नाराज़ हैं, तो मुनियप्पा ने कहा कि उन्हें ऐसा "महत्वपूर्ण विभाग" दिया जाना चाहिए जहाँ वे जनता के लिए बेहतर ढंग से काम कर सकें।

के.एच. मुनियप्पा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं और कोलार लोकसभा सीट से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

खड़गे ने राज्यसभा का नामांकन भरा

बेंगलुरु, 05 जून (हि.स.)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के अध्यक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कर्नाटक से राज्यसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है।

- राहुल गांधी, वेणुगोपाल, डीके शिवकुमार, सिद्धारमैया, सुरजेवाला आदि नामांकन के समय मौजूद थे।

राज्यसभा चुनाव 18 जून को होना है। नामांकन दाखिल करने के दौरान, केसी वेणुगोपाल, राहुल गांधी, मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, रणदीप सिंह सुरजेवाला तथा कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष बी.के. हरिप्रसाद सहित, अनेक प्रमुख नेता उपस्थित थे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सरकारी बॉण्ड में निवेश करने वाले विदेशी निवेशकों को वित्त मंत्रालय ने दी भारी टैक्स छूट

ईरान युद्ध, महंगा तेल, रूपये की गिरती कीमत और तीन दिन में विदेशी निवेशकों द्वारा 34,000 करोड़ रुपये निकाला जाना है इस फैसले की बुनियाद

- उल्लेखनीय है इस वर्ष अब तक स्थानीय शेयर बाजार से 2.6 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई है, जो 2025 में निकाले गए 1.66 लाख करोड़ रुपये से कहीं अधिक है।
- वहीं ईरान युद्ध और उससे जुड़े आर्थिक संकटों के कारण रुपया 20 मई, 2026 को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.86 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था।

-कार्यालय संवाददाता-

नई दिल्ली, 5 जून। वैश्विक पूंजी को आकर्षित करते हुए, सरकार ने सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश करने वाले विदेशी निवेश संस्थानों (एफपीआई) द्वारा किए गए निवेशों पर लागू कर व्यवस्था को युक्ति संगत बनाने का निर्णय लिया है। इसके तहत, ऐसे निवेशों को ब्याज या पूंजीगत लाभ पर आयकर से छूट दी जाएगी। इस कदम से सरकारी प्रतिभूतियों पर कराधान व्यवस्था कई तुलनीय देशों के अनुरूप हो जाएगी।

यह छूट 01 अप्रैल 2026 से प्रभावी होगी। इसका अर्थ है कि जी-सेक (गवरमैंट सैक्टर बॉण्ड) में निवेश से जुड़े मामलों में एफपीआई को 01 अप्रैल 2026 या उसके बाद प्राप्त होने वाले किसी भी तरह के ब्याज या पूंजीगत लाभ पर यह छूट लागू होगी।

सरकार ने दीर्घकालिक एवं स्थिर पूंजी आकर्षित करने के लिए सरकारी प्रतिभूतियों पर पूंजीगत लाभ कर हटाने का फैसला किया है, क्योंकि इन माध्यमों की अवधि लंबी होती है। यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब विदेशी निवेशकों ने इस वर्ष अब तक स्थानीय शेयर बाजार से 2.6 लाख करोड़ रुपये निकाले हैं, जो 2025 में निकाले गए 1.66 लाख करोड़ रुपये से कहीं अधिक है। इसकी वजह वैश्विक अनिश्चितता रही है। केवल जून के पहले तीन दिन में ही विदेशी निवेशकों ने शेयरों से करीब 34,000 करोड़ रुपये निकाले, जिससे रुपये पर अतिरिक्त दबाव पड़ा।

सरकार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ती के अनुसार इन प्रयासों का उद्देश्य भारतीय इक्विटी बाजार और सरकारी प्रतिभूतियों में निवेशकों का दायरा बढ़ाना है, साथ ही दुनिया की सबसे तेजी से विकसित हो रही प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक में निवेश करने के इच्छुक वैश्विक निवेशकों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करना है। इससे टिकाऊ और निरंतर विदेशी पूंजी का प्रवाह सुनिश्चित होगा, जो दीर्घकालिक निवेशकों जैसे पेंशन फंड, बीमा कंपनियों और संप्रभु धन कोष (एसडब्ल्यूएफ) के रूप में स्थिर और व्यवस्थित तरीके से आएगा।

वित्त मंत्रालय के अनुसार इन उपायों से एक सुचारू उपज वक्र के विकास में मदद मिलेगी और पेंशन फंड, बीमा कंपनियां और संप्रभु धन कोष जैसे दीर्घकालिक निवेशकों सहित दीर्घकालिक, विदेशी पूंजी का स्थिर व्यवस्थित प्रवाह आकर्षित होगा। इससे देश में विदेशी मुद्रा प्रवाह को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

वित्त मंत्रालय का कहना है कि सरकारी प्रतिभूतियों में विदेशी निवेश निवेशकों (एफपीआई) की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से, सरकार ने पूर्णतः सुलभ मार्ग (एफएआर) के अंतर्गत निर्दिष्ट प्रतिभूतियों की सूची का विस्तार करने का निर्णय लिया है। इसमें 15,30 और 40 वर्षों की अवधि के सरकारी प्रतिभूतियों के नए निर्गमों के साथ-साथ एफएआर-पात्र प्रतिभूतियों की अवधि के संप्रभु हरित बाँड (एसजीआरबी) को भी शामिल किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, सामान्य मार्ग के अंतर्गत एफपीआई निवेशों के संबंध में, विदेशी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चर्चित शिक्षक खान सर के खिलाफ एफआईआर दर्ज

पटना, 05 जून। राजधानी पटना में चर्चित शिक्षक और कोचिंग संचालक खान सर की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। कदमकुआं थाना में उनके खिलाफ हत्या की कोशिश और शस्त्र अधिनियम (आर्म्स एक्ट) से संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस द्वारा दर्ज मामले के बाद पूरे घटनाक्रम ने नया मोड़ ले लिया है और जांच एजेंसियां मामले की विस्तृत पड़ताल में जुट गई हैं।

- कदमकुआं थाने में हत्या की कोशिश तथा आर्म्स एक्ट में भी धाराओं में मामला दर्ज हुआ।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह मामला खान सर के सुरक्षा गार्डों के बयान के आधार पर दर्ज किया गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

टोंक में विश्व पर्यावरण दिवस पर जलदाय मंत्री ने प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया

टोंक। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मालपुरा के घाटी रोड स्थित नगर वन में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने कहा कि हम सभी को विकास के साथ प्रकृति के संरक्षण के लिए लगातार कार्य करना होगा।

इस मौके पर मंत्री चौधरी ने आमजन से जैविक खेती अपनाने तथा पर्यावरण एवं जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने का आहान किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ पर्यावरण केवल सरकारी प्रयासों से नही बल्कि आमजन के सक्रिय सहयोग से बनेगा। प्रदेश को स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए समाज के हर वर्ग को मिलकर इस दिशा में कार्य करने की

मालपुरा के घाटी रोड स्थित नगर वन में स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने पक्षियों के लिए परिंडे बांधे।

आवश्यकता है। जलदाय मंत्री ने मालपुरा क्षेत्र में बम्ब तालाब के

- **जलदाय मंत्री ने मालपुरा क्षेत्र में बम्ब तालाब के जीर्णोद्धार, नगर वन को पर्यटन स्थल के रुप में विकसित करने, मालपुरा में घर-घर कचरा संग्रहण, जिला अस्पताल एवं पशु चिकित्सालय के विकास को गति देने की बात कही**

जीर्णोद्धार, नगर वन को पर्यटन स्थल के रुप में विकसित करने, मालपुरा में घर-घर कचरा संग्रहण, जिला अस्पताल एवं पशु चिकित्सालय के विकास को गति देने की बात कही।

इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर विनोद कुमार मीना ने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक मानव जीवन पर दुष्प्रभाव डाल रहा है। साथ ही प्रकृति को भी नुकसान पहुंचा रहा है। उन्होने सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नही करने की अपील की। केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर के निदेशक डॉ. अरुण कुमार तोमर ने रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध उपयोग के प्रति लोगों को सचेत किया। उन्होंने कहा कि हमें प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। इससे न केवल भूमि की सेहत सुधरेगी, बल्कि फसलों की उत्पादन लागत में भी कमी आएगी और किसानों का मुनाफा भी बढ़ेगा। इस अवसर पर उप वन संरक्षक वीरेन्द्र कृष्णियां, उपखंड अधिकारी कपिल शर्मा, सहायक वन संरक्षक अनुराग महर्षि समेत जिला व ब्लॉक स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त

5 वर्ष से फरार अभियुक्त गिरफ्तार

कोटपूतली, (निस.)। निकटवर्ती पनियाला थाना पुलिस ने 05 वर्ष से फरार 05 हजार रूपये के ईनामी डकैती के अभियुक्त को गिरफ्तार किया हैं। थानाधिकारी रणवीर सिंह ने जानकारी देते हुये बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह के सम्पत्ती संबंधी अपराधों में वांछित व ईनामी अपराधियों की धरपकड़ हेतु दिये गये निर्देष पर एएसपी नाजिम अली व डीएसपी राजेन्द्र कुमार बुरडक के सुपरविजन में तथा थानाधिकारी रणवीर सिंह मील के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने तकनीकी सहायता एवं आसूचना संकलन कर 05 हजार रूपये के ईनामी स्थाई वारन्टी जमील (38) पुत्र नूर मोहम्मद जाति मेव निवासी सहसन थाना पुन्हाना जिला नूंह हरियाणा जो न्यायालय एडीजे क्र.सं. 03 के एक प्रकरण में 05 वर्ष से फरार चल रहा था को गिरफ्तार किया हैं। उल्लेखनीय है कि विगत 15 सितम्बर 2013 को परिवादी सौरभ पुत्र रामेष्वर निवासी कानपुरा, बानसूर ने दर्ज कराया था कि अज्ञात 07 डकैतो ने परिवादी के हाथ पैर बांध कर खेत में पटक गये व महिन्द्रा ट्रेक्टर को लूट कर ले गये।

1151 पेड़ लगाने का संकल्प

चाकसू, (निसं)। ग्राम पंचायत बापू गांव में विश्व पर्यावरण दिवस पर शुक्रवार को पीपल, बरगद, नीम, आदि के पेड़ लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। ग्राम पंचायत प्रशासक पूरा देवी की अध्यक्षता में वंदे गंगाजल संरक्षण जन अभियान एवं हरियालो राजस्थान कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को ग्राम पंचायत परिसर में पौधे लगवाकर मिशन की शुरुआत की गई। तथा लगाए गए पेड़ों के संरक्षण की जिम्मेदारी ली। कनिष्ठ सहायक रामनरेश शर्मा ने बताया कि ग्राम पंचायत परिक्षेत्र में 1151 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए पूरी तैयारी की जा रही है। कार्यक्रम के दौरान ग्यारसी लाल रैगर, कनिष्ठ सहायक रामनरेश शर्मा, भवानी सिंह, भंवरलाल, संपत शर्मा, घनश्याम शर्मा आदि मौजूद रहे।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

भरतपुर, (निस)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर लोहागढ किले में साफ-सफाई एवं बिहारी जी परिक्रमा मार्ग व उद्यान में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, शहर के गणमान्य नागरिकों, सामाजिक व नागरिक संगठनों ने शुक्रवार को पौधे रोपकर हरियालो राजस्थान का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि अनुसूचित जाति, जनजाति वित्त एवं विकास आयोग के अध्यक्ष राजेन्द्र नायक ने कहा कि प्रदेश सरकार ने वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान चलाकर जलस्त्रोतों की सफाई एवं आमजन को पर्यावरण व जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि आमजन वर्षा ऋतु में अधिक से अधिक पौधे लगाकर मिशन हरियालो राजस्थान में भागीदार बनेगें तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में ठोस पहल होगी।

पौधारोपण किया

भरतपुर, (निस.)। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में देशभर में चल रहे एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत आज भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय भरतपुर पर जिला अध्यक्ष शिवानी दायमा के नेतृत्व में सघन पौधारोपण किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि राजस्थान राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष राजेंद्र नायक तथा विशिष्ट अतिथि पूर्व प्रदेश मंत्री गिरधारी तिवारी व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भानु प्रताप राजावत एवं पूर्व जिला अध्यक्ष सत्येंद्र गोयल रहे। मुख्य अतिथि राजेन्द्र नायक ने कहा कि लोगों को पौधों की केवल सुरक्षा ही नहीं, बल्कि उनके बड़े होने तक नियमित खाद-पानी और देखभाल करने की जिम्मेदारी रखनी चाहिए इस अवसर पर नीम, पीपल, बरगद, आम और जामुन जैसे औषधीय और पर्यावरण के अनुकूल पौधे लगाए गए ताकि स्थानीय जैव विविधता को बढ़ावा मिल सके।

भू-खंडों के आवंटन को लेकर बैठक 12 को

निवाई। कृषि उपज मंडी में रिक्त गोदाम भू-खंडों के आवंटन के लिए 12 जून को मंडी कार्यालय में बैठक आयोजित होगी। मंडी सचिव कमलकिशोर सोनी ने बताया कि 12 जनू को सुबह 11 बजे मंडी प्रशासक की अध्यक्षता में आवंटन समिति की बैठक आयोजित होगी। बैठक में मंडी परिसर में स्थित रिक्त गोदाम भू-खंडों के आवंटन किया जाएगा। जिसमें सभी आवेदक भाग लेंगे।

रोडवेज बस सेवा बंद होने से ग्रामीणों में रोष

पावटा। क्षेत्र के कई गांवों को कोटपुतली से जोड़ने वाली राजस्थान रोडवेज की बस सेवा बंद होने के बाद ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। ग्रामीणों के अनुसार यह बस दो प्रमुख मार्गों पर संचालित होती थी। पहला मार्ग दांतिल, सुदरपुरा, ढाढ़ा फार्म, बेरी, शुक्लावास, नाहरेड़ा होते हुए कोटपुतली तक जाता था, जबकि दूसरा मार्ग दांतिल, द्वारिकापुरा, रामपुरा, टोरडा, टसकोला और पावटा से होकर संचालित होता था। ग्रामीणों का कहना है कि रोजाना पढ़ाई के लिए जाने वाले विद्यार्थियों, रोजगार और मजदूरी के लिए यात्रा करने वाले श्रमिकों तथा विभिन्न सरकारी और निजी कार्यों से आने-जाने वाले लोगों को अब भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई लोगों को निजी वाहनों या महंगे वैकल्पिक साधनों का सहारा लेना पड़ रहा है, जिससे समय और धन दोनों की अतिरिक्त हानि हो रही है।

कोटपूतली में विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण एवं पौधे वितरित किये

कोटपूतली, (निस.)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार संचालित वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान का जिला स्तरीय समापन समारोह शुक्रवार को जिला कलेक्ट्रेट परिसर में गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। समारोह में राज्यमंत्री, राजस्व, उपनिवेशन एवं सैनिक कल्याण विभाग तथा जिला प्रभारी मंत्री विजय सिंह चौधरी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए अभियान के दौरान जिले भर में किए गए जल संरक्षण कार्यों की सराहना की।

समारोह को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री विजय सिंह चौधरी ने कहा कि जल संरक्षण केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि बढ़ती जल चुनौतियों के बीच वर्षा जल संचयन, जल स्त्रोतों का संरक्षण तथा जल

प्रभारी मंत्री विजय सिंह चौधरी ने अधिकारीयों को स्वच्छता एवं जल संरक्षण का संकल्प दिलाया।

के विवेकपूर्ण उपयोग को जीवनशैली का हिस्सा बनाना आवश्यक है। उन्होंने आमजन से जल बचाने और भावी पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों को सुरक्षित रखने का संकल्प लेने का अव्हान किया। अभियान के दौरान जोहड़ों, तालाबों, नहरों एवं अन्य जल स्त्रोतों की साफ-सफाई, श्रमदान, पौधरोपण, जल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम, शपथ ग्रहण समारोह, रात्रि चौपालों तथा विद्यालयों एवं ग्राम पंचायतों में विशेष गतिविधियों का आयोजन कर जल संरक्षण के प्रति व्यापक जनजागरूकता उत्पन्न की गई।

- **प्रभारी मंत्री विजय सिंह चौधरी ने की समापन समारोह में शिरकत, उत्कृष्ठ कार्य करने वालों को मिला ''जल गौरव सम्मान''**

इस अवसर पर जिला कलक्टर अपर्णा गुप्ता, जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह, एसीईओ जिला परिषद जगदीश प्रसाद बैरवा, एसडीएम योगेश सिंह देवल, नगर परिषद आयुक्त अरुण शर्मा, एक्सईएन वॉटरशेड हरिमोहन बैरवा, क्षेत्रीय अधिकारी पोल्युशन कंट्रोल बोर्ड राजकुमार सेहरा सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

'पर्यावरण संरक्षण सामाजिक दायित्व ही नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व की आवश्यकता'

टोंक, (निसं)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, टोंक द्वारा प्रकृति परिवर्तन अभियान के अंतर्गत नेहरू पार्क में सामूहिक पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के संकल्प के साथ आयोजित इस कार्यक्रम में शहर के गणमान्य नागरिकों, प्रशासनिक अधिकारियों तथा बड़ी संख्या में आमजन ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शहर कोतवाल बी.एल. वैष्णव तथा विशिष्ट अतिथियों नगर परिषद के एईएन भंवर लाल, राजस्व अधिकारी बहन निरमा एवं कनिष्ठ अभियंता बहन शिवानी ने पौधारोपण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर राजयोगी बीके प्रहलाद भाई एवं ओमप्रकाश गुप्ता सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्थानीय सेवा केंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी अपर्णा दीदी ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व की आवश्यकता बन गया है।

टोंक में ब्रह्माकुमारीज़ का पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित हुआ।

बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, जल संकट और प्राकृतिक संसाधनों के निरंतर दोहन के कारण प्रकृति का संतुलन प्रभावित हो रहा है। ऐसे समय में प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा लगाने तथा उसकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक वृक्ष केवल ऑक्सीजन ही नहीं देता, बल्कि पर्यावरण को शुद्ध करने, जैव विविधता को संरक्षित रखने और आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य प्रदान करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मुख्य अतिथि शहर कोतवाल बी.एल. वैष्णव ने अपने संबोधन में कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्थान समाज में नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों के जागरण के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी निरंतर जन-जागरूकता का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रकृति और मानव का संबंध एक-दूसरे का पूरक है तथा प्रकृति की सुरक्षा करना हम सभी का कर्तव्य है।

विशिष्ट अतिथि एईएन भंवर लाल, राजस्व अधिकारी बहन निरमा एवं कनिष्ठ अभियंता बहन शिवानी ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा चलाए जा रहे सामाजिक एवं पर्यावरणीय अभियानों की सराहना की। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधारोपण करने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक रहने का आह्वान किया।

पावटा में पप्पू ब्लाइंड मर्डर का आरोपी सोहिल खान गिरफ्तार

पावटा। मनोहरपुर थाना पुलिस ने बहुचर्चित रामावतार असवाल उर्फ पप्पू हत्याकांड का महज तीन दिन में खुलासा करते हुए हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने मामले में सोहिल खान नामक युवक को गिरफ्तार किया है, जिसने पूछताछ में हत्या करना स्वीकार कर लिया है। जिला पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण हनुमान प्रसाद (आईपीएस) ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा रणवीर सिंह एवं वृत्ताधिकारी शाहपुरा रामवतार सिंह ताखर के निर्देशन में मनोहरपुर, शाहपुरा, अमरसर थाना पुलिस तथा डीएसटी टीम की संयुक्त कार्रवाई में इस ब्लाइंड मर्डर की गुत्थी सुलझाई गई। गौरतलब है कि 2 जून को गुलाब असवाल ने अपने भाई रामावतार असवाल उर्फ पप्पू की हत्या का मामला दर्ज कराया था।

रामावतार श्याम मार्केट स्थित अपनी कबाड़ की दुकान पर थे। देर शाम परिजनों द्वारा संपर्क नहीं होने पर भतीजे को दुकान पर भेजा गया, जहां रामावतार मृत अवस्था में पड़े मिले। अज्ञात बदमाशों ने धारदार हथियार से गर्दन और सिर पर वार कर उनकी हत्या कर दी थी। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और खुफिया जानकारी के आधार पर करीब 150 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। लगातार जांच और कड़ी से कड़ी जोड़ते

- **पप्पू असवाल की हत्या कूलर खरीदने के विवाद में हुई थी**

हुए पुलिस आरोपी तक पहुंचने में सफल रही। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी सोहिल खान 1 जून की शाम कबूतरों के लिए पुराना कूलर खरीदने रामावतार की दुकान पर आया था। इसी दौरान दोनों के बीच खरीद-फरोख्त को लेकर विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने पहले लोहे की एंगल से रामावतार के सिर पर वार किया, जिससे वह नीचे गिर गए। इसके बाद आरोपी ने चाकू से गर्दन और हाथ पर कई वार कर उनकी हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी सोहिल पुत्र कुतुबुद्दीन लुहार (20 वर्ष), निवासी लुहार मंडी, मनोहरपुर को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या में प्रयुक्त हथियार की बरामदगी के प्रयास जारी हैं। इस कार्रवाई में मनोहरपुर थानाधिकारी सुरेन्द्र सिंह, कांस्टेबल दारा सिंह, सुरज्ञान सिंह, नीरज कुमार एवं आशीष कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस के अनुसार ब्लाइंड मर्डर के खुलासे में कांस्टेबल दारा सिंह की विशेष भूमिका रही, जिनकी मेहनत और तकनीकी जांच से आरोपी तक पहुंचने में सफलता मिली।

'पौधे ऑक्सीजन की फैक्ट्री हैं' लगाना ही नहीं, पालना भी जरूरी'

किशनगढ़ बास, (निसं)। विश्व पर्यावरण दिवस पर किशनगढ़ बास उपकारागार की ऊंची दीवारों के भीतर उम्मीद के नए पौधे रोपे गए। खैरथल-तिजारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला न्यायाधीश शैलेंद्र व्यास की अगुवाई में जेल परिसर हरियाली की कसम खाता नजर आया। न्याय के मंदिर से जुड़े लोगों ने पेड़ लगाकर यह संदेश दिया कि पर्यावरण बचाना सिर्फ सरकार की नहीं, हर नागरिक की जिम्मेदारी है।

शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर किशनगढ़ बास उपकारागार परिसर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से विशेष पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला जज शैलेंद्र व्यास मुख्य अतिथि रहे। उनके साथ न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं एवं न्यायिक कर्मचारियों ने छायादार और फलदार पौधे लगाए।

कार्यक्रम में तालुका विधिक सेवा समिति किशनगढबास के अध्यक्ष एवं

किशनगढ़ बास उपकारागार में जिला जज शैलेंद्र व्यास सहित न्यायिक अधिकारी एवं अधिवक्ता व जेल प्रभारी ने पौधारोपण किया।

अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश संख्या 02 जगदीश प्रसाद मीणा, अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश संख्या 01 दीपेंद्र माथुर तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खैरथल के सचिव अजीत कुडी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सीमा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट खुशबू , मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट डॉक्टर रिमझिम, ने पौधरोपण कर आमजन को प्रकृति से जुडने का संदेश दिया।

इस मौके पर न्यायिक अधिकारियों ने कहा कि वर्षा ऋतु का मौसम पौधारोपण के लिए सबसे उपयुक्त है। इस समय लगाए गए पौधों के बचने की संभावना ज्यादा होती है। इसलिए हर व्यक्ति को इस मौसम का फायदा उठाकर कम से कम एक पौधा जरूर लगाना चाहिए।

मीडिया से बात करते हुए जिला न्यायाधीश शैलेंद्र व्यास ने कहा, पौधे

- **जेल में लगे पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी लेगा प्राधिकरण, जिले में और जगह चिन्हित कर होंगे बड़े पौधारोपण कार्यक्रम**

हमारे जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं। ये हमें सिर्फ स्वच्छ हवा और ऑक्सीजन ही नहीं देते, बल्कि तापमान को भी नियंत्रित रखते हैं। लेकिन सिर्फ पौधे लगा देना काफी नहीं है। प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह पौधों की बच्चों की तरह देखभाल करे।

जिला जज ने भरोसा दिलाया कि जेल परिसर में लगाए गए पौधे सुरक्षित रहें और उनका ठीक से पालन-पोषण हो, इसकी पूरी व्यवस्था जिला विधिक सेवा प्राधिकरण समय-समय पर करेगा। इसके लिए जेल प्रशासन के साथ मिलकर मॉनिटरिंग सिस्टम बनाया जाएगा।

गंगापुर रोड पर दो बसों की भीषण भिड़ंत, 6 घायल

लालसोट। सड़क पर आवारा गोवंश की मौजूदगी एक बार फिर गंभीर हादसे का कारण बन गई। गंगापुर रोड स्थित नगरियावास गांव के पास गुरुवार देर रात दो यात्री बसों में भीषण टक्कर हो गई, जिसमें चालक-परिचालक सहित 6 लोग घायल हो गए। चार घायलों की हालत गंभीर होने पर उन्हें जयपुर रेफर करना पड़ा।

लालसोट थाने के एएसआई रमेश चंद के अनुसार रात करीब 1 बजे जयपुर से मध्य प्रदेश के ग्वालियर जा रही दो बसें नगरियावास स्थित पीर बाबा के पास से गुजर रही थीं। तभी आगे चल रही बस के सामने अचानक गोवंश आ गया। गोवंश को बचाने के प्रयास में चालक ने अचानक ब्रेक लगाए, जिससे पीछे से आ रही तेज रफ्तार बस नियंत्रण नहीं रख सकी और आगे वाली बस में जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पीछे वाली बस के चालक, परिचालक और चार यात्री घायल हो गए। सूचना मिलते ही लालसोट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की सहायता से घायलों को लालसोट जिला अस्पताल पहुंचाया गया।

सार-समाचार

चौमूं विधायक डॉ. शिखा ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की

चौमूं / कालाडेरा , (निस.)। चौमूं विधायक डॉ. शिखा मील बराला ने शुक्रवार को जयपुर में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से शिष्टाचार मुलाकात कर चौमूं विधानसभा क्षेत्र की जनता से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों एवं जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया तथा उनके शीघ्र समाधान का आग्रह किया।विधायक डॉ. शिखा मील बराला ने मुख्यमंत्री को सौंपे ज्ञापन में चौमूं विधानसभा क्षेत्र के अनेक ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में व्याप्त पेयजल संकट की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को सुचारू, नियमित एवं प्रभावी बनाने की मांग की, ताकि आमजन को स्वच्छ एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध हो सके। उन्होंने वर्ष 2018 में बांसा टोल आंदोलन के दौरान स्थानीय निवासियों पर दर्ज किए गए मुकदमों को जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए वापस लेने का आग्रह भी किया, जिससे प्रभावित लोगों को राहत मिल सके। बरसात के मौसम को देखते हुए विधायक ने क्षेत्र में स्वीकृत विकास कार्यों को शीघ्र पूरा करवाने की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विधायक द्वारा उठाए गए विषयों को गंभीरता से सुना तथा संबंधित मुद्दों पर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस अवसर पर विधायक डॉ. शिखा मील बराला ने कहा कि चौमूं विधानसभा क्षेत्र की जनता की समस्याओं का समाधान, क्षेत्र का सर्वांगीण विकास तथा जनहित से जुड़े मुद्दों का निराकरण उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जनता ने जो विश्वास उन्हें दिया है, उस विश्वास पर खरा उतरने के लिए वे निरंतर संघर्ष और प्रयास करती रहेंगी तथा क्षेत्र के विकास के लिए हर स्तर पर अपनी आवाज बुलंद करती रहेंगी।

न्यायिक अधिकारियों ने पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण किया

सांभरझील, (निसं)। पर्यावरण दिवस के मौके पर शुक्रवार को न्यायालय परिसर सांभर में पर्यावरण का संदेश देते हुए न्यायिक अधिकारियों जिनके साथ अच्छी खासी वकीलों की संख्या मौजूद थी ने पौधारोपण कर इनके वृक्ष बनने तक उचित सार संभल करने को कहा। न्यायिक अधिकारी अरविंद कुमार जांगिड़ व डॉ नीलम जैन ने सभी वकीलों, मुंशीयों, मौजूद स्टाफ को निर्देश प्रदान किये कि पर्यावरण की सुरक्षा के लिए सभी एक-एक पौधा लगाने का संकल्प ले और इस संकल्प को पूरा कर जनहित में अपनी भागीदारी निभाएं। पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष शमीम उल हक, रूपनारायण कुमावत, पूर्व सचिव भागचंद सांभरिया, तेजपाल प्रजापत, नितेश जांगिड़, रमेश सरस्वा, मुकेश अजमेरा, मुंशी मंडल के सदस्यगण भगवती प्रसाद, देवेंद्र सोनी, न्यायालय स्टाफ, पैरा लीगल वोलेंटियर शंकर लाल छंदवाल उपस्थित रहे।

ग्रामीणों ने लगायें पौधे

चौमूं / कालाडेरा , (निस.)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को कस्बे में स्थित धूलेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में ग्रामीणों ने आम, बेल, सीताफल, वटवृक्ष, पीपल आदि फलदार एवं छायादार वृक्षों का पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित वातावरण के संकल्प के साथ वृक्षों की नियमित देखभाल का भी संकल्प लिया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने अधिक से अधिक पेड़ लगाने तथा प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया।

पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

जयपुर, (निसं)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान जयपुर में जागरूकता एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्थान के अधिष्ठाता प्रो.धर्म सिंह मीना की अगुवाई में संकाय सदस्यों तथा कर्मचारियों ने संस्थान परिसर में वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर अधिष्ठाता महोदय ने सभी से आग्रह किया कि विश्व पर्यावरण दिवस के पावन अवसर पर आइए, पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लें,अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें व इन वृक्षों की देखभाल करें तथा नियमित रूप से इनमें पानी की व्यवस्था करें। उन्होंने बताया कि पर्यावरण असंतुलन का प्रमुख कारण वनों की निरंतर कटाई है व दैनिक जीवन में मनुष्य दृवारा भोग विलासिता के लिये उजा आदि का दुरउपयोग है, जिसे व्यापक स्तर पर पौधारोपण एवं पौधों के संरक्षण के माध्यम से ही नियंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हमारे छोटे-छोटे प्रयासों से ही पर्यावरण के संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान होगा तथाप्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करें तथा हरित जीवनशैली को अपनाकर धरती माँ के संरक्षण में अपना योगदान दें तभी हम उज्ज्वल भविष्य की कामना कर सकेंगे।

निवाई अस्पताल में एलर्जी रोग विशेषज्ञ नहीं होने से मरीज परेशान

निवाई। स्थानीय उप जिला अस्पताल में चिकित्सा व्यवस्थाओं को लेकर एक बड़ी कमी सामने आ रही है, जिसके कारण क्षेत्र के मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल में वर्तमान समय में कोई भी एलर्जी रोग विशेषज्ञ नहीं है। जिससे क्षेत्र में एलर्जी की बीमारियों से पीड़ित मरीजों को उचित और समय पर इलाज नहीं मिल पा रहा है। एलर्जी की समस्या से लंबे समय से परेशान चल रहे गिर्राज चौधरी, कैलाश बोहरा, राजेन्द्र शर्मा, सुदामा भांवता, कमल शर्मा, विकास बोकण, बाबूलाल मीणा व मुकेश मीणा ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए बताया कि निवाई के इस मुख्य अस्पताल में एलर्जी रोग विशेषज्ञ का पद रिक्त होने या उपलब्धता न होने से मरीजों की सुध लेने वाला कोई नहीं है। मरीजों की इस परेशानी को देखते हुए नागरिकों ने विधायक रामसहाय वर्मा से मुलाकात करके अस्पताल की इस समस्या से अवगत कराया।

ढ़ाई साल से फरार आरोपी गिरफ्तार

कोटपूतली। स्थानीय थाना पुलिस ने कस्बे से एटीएम उखाड़ कर ले जाने वाली अन्तर्राज्यीय गैंग के ढ़ाई साल से फरार शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया हैं। जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह द्वारा लम्बे समय से फरार चले रहे वांछित अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था। । 10 दिसम्बर 2023 की रात्रि को पंजाब नेशनल बैंक का एटीएम उखाड़कर ले जाने वाली अन्तर्राज्यीय गैंग के पिछले करीब ढ़ाई साल से फरार चल रहे आरोपी जाबिर (24) पुत्र खालिद जाति मुसलमान निवासी शाहपुर थाना गंगोह जिला सहारनपुर उत्तरप्रदेश को गिरफ्तार किया है।

फर्जी एफ.एम.जी.ई. सर्टिफिकेट को सही बताने वाला मेडिकल काउंसिल का सत्यापन अधिकारी गिरफ्तार

एसओजी की जांच में आया कि आरोपी फरहान हसन 2 से 5 लाख रुपए रिश्वत लेकर फर्जी प्रमाण पत्रों को मंजूरी देता था

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । फर्जी ''फॉरैन मेडिकल ग्रेजुएट एक्जामिनेशन'' (एफएमजीई) प्रमाण पत्रों के आधार पर राजस्थान मेडिकल काउंसिल में पंजीकरण कराने के बहुचर्चित रैकेट का एसओजी ने पर्दाफाश किया है। एसओजी ने राजस्थान मेडिकल काउंसिल के सत्यापन अधिकारी (कनिष्ठ सहायक) फरहान हसन उर्फ फरहान नकवी निवासी मालपुरा जिला टोंक को गिरफ्तार किया है। आरोपित पर रिश्वत लेकर बिना दस्तावेजों का सत्यापन किए फर्जी प्रमाण-पत्रों को सही बताकर रिपोर्ट देने का आरोप है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पुलिस (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि इस मामले की जांच में सामने आया है कि इस पूरे फर्जीवाड़े का मास्टरमाइंड भानाराम माली है। वह विदेश से एमबीबीएस की पढ़ाई कर लौटे उन छात्रों से संपर्क करता था, जो भारत में चिकित्सा अभ्यास के लिए अनिवार्य एफएमजीई परीक्षा पास नहीं कर पाए थे। भानाराम ऐसे छात्रों के लिए कूटरचित प्रमाण-पत्र तैयार करवाता था और इसके बदले प्रति छात्र 20 से 30 लाख रुपए तक वसूलता था। इसके अलावा इस रकम में से प्रति मामले 2 से 5 लाख रुपए राजस्थान मेडिकल काउंसिल के तत्कालीन वेरीफाइंग ऑफिसर (सत्यापन अधिकारी) फरहान हसन को दिए जाते थे। आरोपित फरहान हसन उर्फ फरहान नकवी वर्ष 2023-24 के दौरान आरएमसी के पंजीकरण अनुभाग में कनिष्ठ सहायक एवं वेरीफाइंग ऑफिसर के पद पर कार्यरत था।

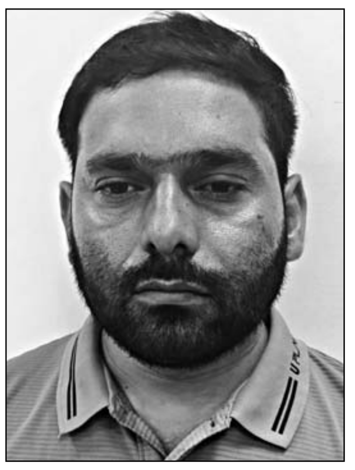

आरोपी फरहान हसन उर्फ फरहान नकवी

- जांच में सामने आया है कि इस पूरे फर्जीवाड़े का मास्टरमाइंड भानाराम माली है। वह विदेश से एमबीबीएस की पढ़ाई कर लौटे उन छात्रों से संपर्क करता था, जो भारत में चिकित्सा अभ्यास के लिए अनिवार्य एफएमजीई परीक्षा पास नहीं कर पाए थे।
- भानाराम ऐसे छात्रों के लिए कूटरचित प्रमाण-पत्र तैयार करवाता था और इसके बदले प्रति छात्र 20 से 30 लाख रुपए तक वसूलता था। इस रकम में से प्रति मामले 2 से 5 लाख रुपए राजस्थान मेडिकल काउंसिल के तत्कालीन वेरीफाइंग ऑफिसर (सत्यापन अधिकारी) फरहान हसन को दिए जाते थे।

आरोपित फरहान हसन उर्फ फरहान नकवी का मुख्य दायित्व विदेश से मेडिकल शिक्षा प्राप्त कर लौटे अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का संबंधित राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान संस्थानों एवं अन्य एजेंसियों से सत्यापन कर रजिस्ट्रार को रिपोर्ट भेजना था। परंतु आरोपित ने वित्तीय लाभ के लिए काउंसिल के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ मिलीभगत कर बिना किसी जांच-पड़ताल के फर्जी प्रमाण-पत्रों को सही बताते हुए सकारात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी। इसके आधार पर अपात्र अभ्यर्थियों को राजस्थान के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में इंटर्नशिप करने और अस्थायी पंजीकरण प्राप्त करने का अवसर मिल गया। एसओजी ने अपराध प्रमाणित होने पर आरोपित फरहान हसन को गिरफ्तार कर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, जयपुर महानगर द्वितीय के समक्ष पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है। मामले में उससे गहन पूछताछ की जा रही है। फिलहाल एसओजी आरोपित फरहान हसन से पूछताछ के आधार पर यह पता लगाया जा रहा है कि उसके कार्यकाल में कितने और फर्जी पंजीकरण किए गए तथा इस रैकेट में काउंसिल के अन्य कौन-कौन से अधिकारी और कर्मचारी शामिल थे। जांच एजेंसी को इस मामले में आने वाले दिनों में और बड़े खुलासों की उम्मीद है।

गौरतलब है कि एसओजी थाना जयपुर में 4 फरवरी 2026 को प्रकरण दर्ज किया गया था। अब तक की कार्रवाई में फर्जी प्रमाण-पत्रों के आधार पर इंटर्नशिप और पंजीकरण कराने वाले 17 विदेशी स्नातक डॉक्टरों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। इसके अलावा राजस्थान मेडिकल काउंसिल के तत्कालीन रजिस्ट्रार डॉ. राजेश शर्मा, यूडीसी अखिलेश माथुर, मुख्य आरोपी भानाराम माली तथा एक दलाल को भी गिरफ्तार किया जा चुका है।

सोमनाथ यात्रा पर जा रहे वृद्धजनों की ट्रेन को हरी झंडी दिखाई मुख्यमंत्री ने

'वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना' के जरिए अब तक 1 लाख से ज्यादा बुजुर्गों की तीर्थाटन मनोकामना पूरी की राज्य सरकार ने

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार वृद्धजनों के कल्याण एवं धार्मिक पर्यटन को विकसित करने के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है। इसी कड़ी में वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना बुजुर्गों की तीर्थाटन की मनोकामना को पूरा करने का माध्यम बन रही है। इस योजना के माध्यम से एक लाख से अधिक वरिष्ठ नागरिकों की विभिन्न तीर्थस्थलों के दर्शन की अभिलाषा पूरी हो चुकी है। मुख्यमंत्री शुक्रवार को दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन पर सोमनाथ यात्रा शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन से सोमनाथ तीर्थ स्थल के लिए ट्रेन को रवाना किया। इस दौरान वृद्धजनों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जताया।

उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में माता-पिता और बुजुर्गों का सम्मान सर्वोपरि है। प्रत्येक व्यक्ति की यह इच्छा होती है कि जीवन में पवित्र तीर्थस्थलों के दर्शन करे। राज्य सरकार का प्रयास है कि कोई भी वरिष्ठ नागरिक अपनी तीर्थ यात्रा की इच्छा से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति अटल, अमिट और अद्वितीय है तथा सोमनाथ मंदिर देश की इसी आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है। इस मंदिर को कई बार तोड़ा और लूटा गया, लेकिन शक्ति, स्वाभिमान के साथ यह पुनः स्थापित हुआ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमनाथ स्वाभिमान पर्व की पहल की है, जो हमारी सांस्कृतिक चेतना का महापर्व है। इसके अन्तर्गत 1 हजार दिनों के लिए विशेष पूजा की जा रही है। इस यात्रा के माध्यम से प्रदेश के तीर्थयात्रियों को भी इस पुण्य कार्य में शामिल होने का अवसर मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बुजुर्गों के गरिमापूर्ण जीवन और सुरक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण पहल की गई है। अस्पतालों में वृद्धजन मरीजों की समुचित देखभाल के लिए रामाश्रय वार्ड स्थापित किए गए हैं। वहीं, राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत 8 लाख से अधिक पेंशनर्स को लाभान्वित किया है। मुख्यमंत्री वृद्धजन सम्मान पेंशन योजना के माध्यम से 50 लाख से अधिक पेंशनर्स को 18 हजार करोड़ रुपये से अधिक की सम्मान राशि सीधे उनके खातों में भी जमा की गई।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में काजल चौधरी का उल्लेख करते हुए कहा कि अधिकमास में वे अपनी 90 वर्षीय सास को सिर पर टोकरी में बैठाकर चौरासी कोस की ब्रज परिक्रमा करवा रही है, जो 260 किलोमीटर की यात्रा है। उन्होंने कहा कि यह भारतीय संस्कृति के जीवंत संस्कारों का दर्शन है। इस अवसर पर देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के अंतर्गत तीर्थ यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी करने के साथ ही एसी ट्रेन की सुविधा शुरू की गई है। इस दौरान संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, सांसद मंजू शर्मा, शासन सचिव देवस्थान शुचि त्यागी सहित देवस्थान विभाग एवं रेलवे के अधिकारीगण तथा बडी संख्या में तीर्थयात्री मौजूद रहे।

राज्यसभा चुनाव के लिए नीरज डांगी ने भरा नामांकन

जयपुर । राजस्थान की तीन रिक्त राज्यसभा सीटों के लिए चुनावी सरगर्मियों के बीच कांग्रेस प्रत्याशी नीरज डांगी ने शुक्रवार को विधानसभा में अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, मुख्य सचेतक रफीक खान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस विधायक और वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

नामांकन से पहले विधानसभा परिसर में कांग्रेस विधायकों और नेताओं ने नीरज डांगी का स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने चुनाव अधिकारी के समक्ष तीन सेटों में नामांकन पत्र दाखिल किए। नामांकन के दौरान कांग्रेस ने अपनी संगठनात्मक एकजुटता और संख्याबल का प्रदर्शन भी किया। नामांकन के बाद मीडिया से बातचीत में नीरज डांगी ने राज्यसभा चुनाव में हॉर्स ट्रेडिंग की संभावनाओं को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास 67 विधायक और 4 समर्थित विधायकों सहित कुल 71 वोट हैं, जबकि जीत के लिए केवल 51 वोटों की आवश्यकता है। ऐसे में कांग्रेस की जीत तय है और किसी प्रकार की चिंता नहीं है। डांगी ने कहा कि यदि राज्यसभा चुनाव में कोई अतिरिक्त उम्मीदवार मैदान में आता है तो वह भाजपा की ओर से आएगा, कांग्रेस की तरफ से नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने और सरकारें गिराने की राजनीति भाजपा की कार्यशैली का हिस्सा रही है। उन्होंने 2020 के राज्यसभा चुनाव का उल्लेख करते हुए कहा कि तब भी कांग्रेस को सभी समर्थक विधायकों के वोट मिले थे।

बदमाश ने फर्जी आर.बी.आई. अफसर बनकर जयपुर के दुकानदारों से हजारों रु. ठगे

- नए नोटों की गड्डियां देने का झांसा देकर वारदातें की

जयपुर । राजधानी में खुद को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का अधिकारी बताकर दुकानदारों से ठगी करने वाले एक शातिर जालसाज का मामला सामने आया है। आरोपी नए नोटों की गड्डी उपलब्ध कराने का झांसा देकर दुकानदारों को आरबीआई कार्यालय के बाहर बुलाता था और रुपए लेकर बैंक से नोट लाने का बहाना बनाकर फरार हो जाता था। इस तरह की शिकायतें माणक चौक, गांधी नगर और कोतवाली थाना क्षेत्रों में दर्ज कराई गई हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश में जुटी है।

पुलिस के अनुसार माणक चौक थाना क्षेत्र के त्रिपोलिया बाजार स्थित एक दुकान संचालक सावन गुप्ता ने शिकायत दी है कि कुछ दिन पहले एक व्यक्ति उनकी दुकान पर डिस्पोजल गिलास खरीदने आया। उसने अपना नाम विवेक गुप्ता बताते हुए खुद को आरबीआई का अधिकारी बताया। आरोपी ने गर्मी के मौसम में छाछ-राबड़ी वितरण के लिए 4000 डिस्पोजल गिलास की मांग की और बैंक से ऑनलाइन भुगतान कराने का भरोसा दिलाया। इसके बाद आरोपी ने फोन कर नए नोटों की गड्डियां उपलब्ध कराने की बात कही। घर में शादी कार्यक्रम होने के कारण सावन गुप्ता ने नए नोटों की आवश्यकता बताई तो आरोपी ने उन्हें आरबीआई कार्यालय के बाहर रुपए भेजने को कहा। दुकानदार ने अपने कर्मचारी गोविंद को 40 हजार रुपए देकर भेजा। आरोपी ने पेट्रोल पंप के पास मिलकर रुपए ले लिए और बैंक के अंदर से नए नोट लाने का कहकर चला गया, लेकिन वापस नहीं लौटा, बाद में उसका मोबाइल भी बंद मिला। आरबीआई अधिकारियों से जानकारी लेने पर पता चला कि आरोपी का बैंक से कोई संबंध नहीं है।

इसी प्रकार गांधी नगर थाना क्षेत्र के दुकानदार आकाश पाराशर ने भी 50 हजार रुपए की ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। आकाश ने बताया कि आरोपी उनकी दुकान पर खरीदारी के बहाने आया और खुद को आरबीआई अधिकारी बताते हुए 10, 20 और 50 रुपए के नए नोटों की गड्डियां दिलाने का भरोसा दिया। शादी समारोह में नए नोटों की जरूरत होने पर वह 18 मई को आरबीआई कार्यालय पहुंचा। वहां आरोपी ने उसे पेट्रोल पंप के पास बुलाकर 50 हजार रुपए ले लिए और नए नोट लेकर आने की बात कहकर बैंक की ओर चला गया। काफी इंतजार के बाद भी वह वापस नहीं आया और उसका मोबाइल फोन बंद हो गया। पुलिस का कहना है कि तीनों मामलों में एक ही व्यक्ति के शामिल होने की आशंका है। पीड़ितों द्वारा उपलब्ध कराए गए सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि नए नोटों या किसी अन्य सुविधा के नाम पर अज्ञात व्यक्तियों के झांसे में न आएं और किसी भी प्रकार का लेन-देन करने से पहले संबंधित व्यक्ति की पहचान की पुष्टि अवश्य करें।

जयपुर घूमने आई युगांडा की युवती में मिले इबोला जैसे लक्षण, हड़कंप मचा

युवती को आरयूएचएस के आईसोलेशन वार्ड में भर्ती कराया

- हालांकि युवती में संक्रमण की पुष्टि जांच रिपोर्ट आने के बाद होगी
- मरीज की निगरानी के लिए 24 घंटे डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ व कर्मचारियों की विशेष ड्यूटी लगाई गई है।

जयपुर (कासं)। युगांडा से जयपुर घूमने आई 19 वर्षीय विदेशी युवती में इबोला वायरस से मिलते-जुलते लक्षण पाए गए हैं। उसे राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (आरयूएचएस) अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में भर्ती किया गया है। फिलहाल संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है और जांच रिपोर्ट आने का इंतजार किया जा रहा है, लेकिन राजस्थान का चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर आ गया है।

यह युवती शुक्रवार सुबह एयर अरेबिया की फ्लाइट से शारजाह होते हुए जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंची थी। एयरपोर्ट पर अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की नियमित मेडिकल स्क्रीनिंग के दौरान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा निदेशालय की टीम ने उसे संदिग्ध श्रेणी में रखा। युवती की ट्रैवल हिस्ट्री युगांडा से जुड़ी होने और स्वास्थ्य संबंधी लक्षण मिलने पर उसे तत्काल विशेष प्रोटोकॉल के तहत आरयूएचएस अस्पताल भेजा गया।

आरयूएचएस अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अनिल गुप्ता ने बताया कि युवती को बुखार, सिरदर्द, पेट दर्द और भूख नहीं लगने जैसी शिकायतें थीं। प्रारंभिक जांच में इबोला संक्रमण जैसे कुछ लक्षण मिले हैं, लेकिन केवल लक्षणों के आधार पर इसे इबोला नहीं माना जा सकता। संक्रमण की पुष्टि लैब रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी। इलाज के लिए मेडिसिन, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, सर्जरी, रेस्पिरेटरी मेडिसिन, बायोकेमेस्ट्री सहित विभिन्न विभागों के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम गठित की गई है। मरीज की निगरानी के लिए 24 घंटे डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ और अन्य कर्मचारियों की विशेष ड्यूटी लगाई गई है।

आरयूएचएस के प्रिंसिपल डॉ. मोहनीश ग्रोवर ने बताया कि युवती का एक सैंपल जांच के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी), पुणे भेज दिया गया है, जबकि दूसरा सैंपल 48 घंटे बाद भेजा जाएगा। दोनों जांच रिपोर्ट आने तक मरीज को क्वारंटाइन और आइसोलेशन में रखा जाएगा। यदि रिपोर्ट पॉजिटिव आती है तो निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार 21 दिन तक निगरानी में रखकर उपचार किया जाएगा। डॉ. ग्रोवर ने बताया कि युवती को एयरपोर्ट से अस्पताल तक पूरी सुरक्षा व्यवस्था के साथ लाया गया। किसी भी प्रकार के संक्रमण के खतरे को रोकने के लिए विशेष बैरिकेडिंग और अलग कॉरिडोर का उपयोग किया गया। मरीज को आरयूएचएस के क्रिटिकल केयर ब्लॉक के इमरजेंसी आइसोलेशन क्षेत्र में भर्ती किया है।

स्वास्थ्य विभाग ने युवती के साथ यात्रा करने वाले अन्य यात्रियों की पहचान कर उन्हें भी एहतियातन स्वास्थ्य संबंधी दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अधिकारियों ने कहा है कि यदि किसी यात्री में बुखार, सिरदर्द, उल्टी, दस्त या अन्य संदिग्ध लक्षण दिखाई दें तो तत्काल स्वास्थ्य विभाग से संपर्क करें। इबोला को लेकर लोगों में फैल रही आशंकाओं के बीच आरयूएचएस के प्रिंसिपल डॉ. मोहनीश ग्रोवर ने स्पष्ट किया कि यह बीमारी हवा के माध्यम से नहीं फैलती है। उन्होंने कहा कि आमजन में यह गलत धारणा बन रही है कि संक्रमण वातावरण में फैल रहा है, जबकि वैज्ञानिक रूप से ऐसा नहीं है।

डॉ. ग्रोवर के अनुसार संक्रमण का खतरा संक्रमित व्यक्ति के सीधे संपर्क में आने, उसकी शारीरिक तरल पदार्थों, त्वचा, घाव या छींक-खांसी के दौरान निकलने वाली बूंदों के संपर्क में आने से होता है। इसलिए सामान्य परिस्थितियों में घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन सावधानी और सतर्कता जरूरी है।

पुणे स्थित एनआईवी की जांच रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि युवती इबोला वायरस से संक्रमित है या नहीं।

14 सटोरिये पकड़े

जयपुर । सिंधी कैंप पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक बंद कमरे में जुआ खेल रहे 14 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से 64530 नकद जुआ राशि तथा तीन जोड़ी ताश पत्ती बरामद की है। पुलिस ने कन्हैया लाल, संजय कुमार कानखेडिया, घनश्याम सिंह, लोकेश काननी, शुभम सोनी, सतीश कुमार वर्मा, प्रभुदयाल मीणा, गजेंद्र सिंह, परमानंद, दीपक गोयल, राकेश कुमार रैगर, पंकज खातवानी, शशिकांत व महेश कुमार को गिरफ्तार किया है।

भाजपा संगठन महामंत्री अजेय कुमार आज आएंगे जयपुर

जयपुर । भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री अजेय कुमार शनिवार को जयपुर पहुंचेंगे। कार्यक्रम के अनुसार संगठन महामंत्री अजेय कुमार दोपहर 1.15 बजे जयपुर पहुंचेंगे, इसके बाद 1:30 बजे मोती डूंगरी गणेश मंदिर में दर्शन एवं पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद वे दोपहर 2 बजे भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचेंगे, जहां कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों द्वारा उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया जाएगा। प्रदेश कार्यालय में भाजपा महिला मोर्चा द्वारा राजस्थानी संस्कृति एवं परंपरा के अनुरूप संगठन महामंत्री अजेय कुमार का स्वागत किया जाएगा। इसके पश्चात शाम 3.30 बजे वे प्रदेश कार्यालय में प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक लेकर चर्चा करेंगे।

फ्लैट के नाम पर लाखों रुपए ठगने वाला इनामी जालसाज गिरफ्तार

जयपुर। वैशाली नगर पुलिस ने वांछित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए फ्लैट बेचने के नाम पर करीब 17 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने वाले 5 हजार रुपए के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपित पिछले करीब 10 वर्षों से फरार चल रहा था। पुलिस उपायुक्त प्रशांत किरण ने बताया कि वैशाली नगर पुलिस ने फ्लैट बेचने के नाम पर करीब 17 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने वाले इनामी आरोपित गोपाल यादव (47) निवासी हीरापुरा जयपुर को गिरफ्तार किया गया है।

आरोपी गोपाल यादव

वैशाली नगर थानाधिकारी आरती सिंह तंवर ने बताया कि वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत गठित विशेष टीम ने आसूचना संकलन, तकनीकी विश्लेषण और लगातार निगरानी के बाद आरोपित गोपाल यादव को जयपुर ग्रामीण के कालाडेरा थाना क्षेत्र स्थित आल्डी कलां गांव से गिरफ्तार किया।पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपित गोपाल यादव 16 फरवरी 2016 से फरार घोषित था। उसकी गिरफ्तारी पर 5 हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया गया था। लंबे समय से फरार आरोपी की तलाश की जा रही थी। पुलिस टीम ने आरोपित के संभावित ठिकानों पर लगातार निगरानी रखी। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की सहायता से आरोपी की लोकेशन ट्रेस कर उसे कालाडेरा क्षेत्र से दस्तयाब किया गया। आरोपित से मामले में पूछताछ की जा रही है तथा अन्य तथ्यों की जांच जारी है। गौरतलब है कि आरोपित ने सुनियोजित तरीके से आपराधिक षड्यंत्र रचते हुए कूटरचित दस्तावेज तैयार किए और फ्लैट बेचने का झांसा देकर परिवादी से करीब 17 लाख रुपए हड़प लिए। इस मामले में वैशाली नगर थाने में वर्ष 2016 में दर्ज किया गया था। कार्रवाई करने वाली टीम में उपनिरीक्षक रतन लाल, हेड कांस्टेबल सुरेंद्र सिंह, तकनीकी शाखा के हेड कांस्टेबल दिनेश कुमार, कांस्टेबल विनोद कुमार, अशोक कुमार, देवी सिंह, मोहन तथा विजय कुमार शामिल रहे। साथ ही हेड कांस्टेबल सुरेंद्र सिंह, कांस्टेबल देवी सिंह और कांस्टेबल मोहन की भूमिका विशेष रूप से सराहनीय रही।

सार-समाचार

प्रमुख शासन सचिव ने किया पौधारोपण

जयपुर। विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रमुख शासन सचिव पशुपालन, मत्स्य, डेयरी एवं गोपालन विकास सीतारामजी भाले ने विभागीय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने पशुपालन और गोपालन विभाग में पौधारोपण किया। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अधिकाधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आव्हान किया। भाले ने कहा कि स्वच्छ पर्यावरण और इसका संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन से पृथ्वी को गंभीर खतरा है, इससे निपटने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को वृक्षारोपण को जन आंदोलन बनाना होगा। विभाग के निदेशक डॉ. सुरेशचंद मीना ने भी पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस दौरान सभी ने पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प लिया।

200 डॉक्टर्स दिखाएंगे सुरों का कौशल

जयपुर । जयपुर में विगत चार वर्षों से डॉक्टर्स म्यूजिक प्रीमियर लीग का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता ने अपने म्यूजिकल मैचों की अनूठी संकल्पना के चलते अब तक बहुत सराहना बटोरी है। डीएमपीएल के संयोजक डॉ. संदीप निझावन ने बताया कि इस वर्ष भी 31 जुलाई से 2 अगस्त तक पंचम संस्करण के टीम इवेंट का आयोजन राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर जयपुर में होगा। लीग चेयरमैन डॉ.संजीव गुप्ता ने बताया कि डॉक्टर्स म्यूजिक प्रीमियर लीग डॉक्टर्स द्वारा डॉक्टर्स के लिए आयोजित होने वाली अनोखी गायन प्रतियोगिता है, जहाँ दिन में चिकित्सकीय कौशल दिखाने वाले करीब 200 डॉक्टर्स शाम को अपने सुरों का कौशल दिखाएँगे। लीग के चीफ कोऑर्डिनेटर डॉ. हरीश भारद्वाज ने बताया कि इस प्रतियोगिता के ब्रांड एम्बेसडर प्रख्यात बॉलीवुड सिंगर डॉ रवीन्द्र उपाध्याय है ,इस लीग में टीम इवेंट्स के अलावा व्यक्तिगत प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी, जिसके अंतर्गत विभिन्न आयु वर्गों में एकल व युगल गायन प्रतियोगिता का ऑडिशन 19 जुलाई को किया जाएगा। प्रतियोगिता के चीफ कॉर्डिनेटर डॉ. हर्षुल टाक व डॉ. रवींद्र सिसोदिया ने बताया कि, प्रतियोगिता में आठ फ्रेंचाइजी टीमें भाग ले रही हैं, जो कि खुले ऑक्शन के माध्यम से डॉक्टर-गायकों का चयन कर अपनी-अपनी टीमें बनाएंगी।

नगर निगम मुख्यालय में पौधारोपण

जयपुर । विश्व पर्यावरण के दिवस पर नगर निगम मुख्यालय में संभागीय आयुक्त.वी.सरवणे एवं निगम आयुक्त ओम कसेरा ने पौधारोपण किया। उन्होंने बिल्व पत्र के पौधे लगाते हुए कहा कि हम सभी को प्रकृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए पौधारोपण कर हरियालों राजस्थान के संकल्प को साकार करने की दिशाा में काम करना चाहिए। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त नरेन्द्र कुमार बंसल, उपायुक्त (उद्यान) नीलम एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

यंग इनोवेटर्स को मिलेगी फंडिंग

नई दिल्ली । पब्लिक रिलेशन क्षेत्र की अग्रणी संस्था पीआर 24 गुणा 7 ने देश के युवा इनोवेटर्स और स्टार्टअप्स को मजबूत आर्थिक सहयोग देने के उद्देश्य से एक बेहद खास और महत्वाकांक्षी पहल प्रगति (पीआर 24 गुणा 7 रिसोर्स एलोकेशन फॉर ग्रोथ, एडवांसमेंट, एंड ट्रांसफॉर्मिंग आइडियाज) की शुरुआत की है। इस नई पहल के तहत संस्था ने शुरुआती दौर के 100 यूनिक स्टार्टअप आइडियाज में 50 हजार रुपये से लेकर 50 लाख रुपये तक का आर्थिक सहयोग देने का फैसला किया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश के ग्रामीण परिवेश और छोटे शहरों (टियर-2 और टियर-3) से आने वाले बेहतरीन और अनोखे बिजनेस आइडियाज सिर्फ पैसों की तंगी की वजह से दम न तोड़ें। इस महत्वपूर्ण पहल की घोषणा करते हुए पीआर 247 के फाउंडर, डॉ. अतुल मलिकराम ने कहा कि, ''असली सितारे और भविष्य के बड़े बिजनेस आइडियाज हमारे ग्रामीण अंचलों और छोटे शहरों में बसते हैं। इन युवाओं के पास विजन भी है और जज्बा भी, कमी है तो बस एक सही शुरुआत और आर्थिक सहयोग की।''

डॉ. महेंद्र कुमावत ने संभाला पदभार

जयपुर । भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष डॉ. महेंद्र कुमावत ने शुक्रवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय जयपुर में आयोजित समारोह में पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री निर्मल कुमावत, मोर्चा प्रभारी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष छगन माहुर, प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र सैनी, प्रदेश उपाध्यक्ष नाहरसिंह जोधा, बिहारी लाल विश्नोई, पूर्व मोर्चा अध्यक्ष चम्पालाल गेदर उपस्थित रहे। डॉ. महेंद्र कुमावत ने केंद्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने मुझ जैसे सामान्य कार्यकर्ता पर जो विश्वास जताया है, मैं उस पर पूरी निष्ठा से खरा उतरने का प्रयास करूँगा।

संघ का कार्यकर्ता विकास वर्ग संपन्न

जयपुर । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राजस्थान क्षेत्र के कार्यकर्ता विकास वर्ग प्रथम (सामान्य) का समापन समारोह 6 जून को सायं 6:30 बजे आदर्श नगर स्थित सूरज मैदान में आयोजित किया जाएगा। समापन समारोह में गुरुद्वारा, साहिब टीला नंबर-5 के प्रधान सरदार राजन सिंह मुख्य अतिथि होंगे, जबकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राजस्थान क्षेत्र के क्षेत्र संघचालक डॉ. रमेश अग्रवाल उद्बोधन देंगे। उल्लेखनीय है कि कार्यकर्ता विकास वर्ग प्रथम (सामान्य) का आयोजन जयपुर के राजापार्क क्षेत्र में 17 मई से किया जा रहा है, जो 7 जून तक चलेगा। 20 दिवसीय इस प्रशिक्षण वर्ग में राजस्थान क्षेत्र के 277 स्वयंसेवक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। प्रशिक्षण वर्ग में खेल, व्यायाम, गीत, प्रार्थना और बौद्धिक सत्रों के माध्यम से अनुशासन, सेवा, समर्पण और राष्ट्रभक्ति के संस्कारों को व्यवहार में उतारने पर विशेष बल दिया जा रहा है। वर्ग के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, सह सरकार्यवाह आलोक कुमार सहित अखिल भारतीय एवं क्षेत्र के कई पदाधिकारियों का प्रवास हुआ।

जेडीए 8 जून से जोनवार लगाएगा शिविर

जयपुर । राज्य सरकार के लक्ष्यों की प्राप्ति और जयपुर वासियों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा 8 जून से जोनवार विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों के माध्यम से आमजन के लंबित कार्यों का त्वरित निस्तारण किया जाएगा। जेडीसी सिद्धार्थ महाजन ने बताया कि प्राधिकरण बकाया लीज मय ब्याज की प्राप्ति के लिए 8 जून से 29 जुलाई तक नागरिक सेवा केन्द्र में जोनवार कैम्प आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में लंबित प्रकरणों के साथ-साथ नवीन प्रकरणों का भी मौके पर ही निस्तारण किया जाएगा। शिविरों में बकाया लीज (मय ब्याज) वसूली के लिए मांग पत्र जारी किए जाएंगे,जिन प्रकरणों में मांग पत्र जारी होने के बावजूद राशि जमा नहीं की गई है, उनमें पीडीआर एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज करवाकर कुर्की की कार्यवाही की जाएगी तथा जेडीए की विभिन्न योजनाओं में स्वतः निरस्त हुए भूखंडों को चिह्नित कर उन्हें नीलामी पोर्टल पर दर्ज करवाने की कार्यवाही की जाएगी। इसी के साथ ही जोन में उपलब्ध अल्पयावधि किराए या लीज की संपत्तियों और भूखंडों का पूरा विवरण जेडीए रेन्टल प्रॉपर्टी पोर्टल पर अनिवार्य रूप से दर्ज करवाया जाएगा।

जल महल से उठी स्वच्छता की अलख

जयपुर । विश्व पर्यावरण दिवस पर जल महल के आसपास सैकड़ों लोगों ने साफ-सफाई की और इसके बाद पौधारोपण भी किया। काइंडनेस वेलफेयर एसोसिएशन के निदेशक एवं संस्थापक रजत जैन ने बताया कि अभियान में शामिल लोगों ने पर्यावरण संरक्षण, जल स्त्रोतों की सुरक्षा, प्लास्टिक प्रदूषण पर नियंत्रण और शहर को स्वच्छ बनाए रखने की शपथ ली। निदेशक एवं संस्थापक रजत जैन ने बताया कि जल महल जयपुर की पहचान,सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन का प्रमुख केंद्र है। ऐसे महत्वपूर्ण स्थल को अभियान का केंद्र बनाने का उद्देश्य लोगों में अपने शहर और विरासत के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था।

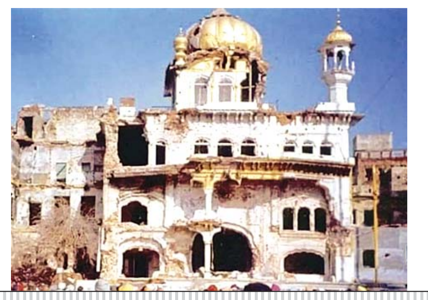

Operation Blue Star: A Turning Point in India's History

On June 6, 1984, the Indian Army launched Operation Blue Star to remove armed militants led by Jarnail Singh Bhindranwale from the Golden Temple complex in Amritsar, Punjab. The operation was ordered by Prime Minister Indira Gandhi amid rising insurgency and calls for a separate Khalistan state. The military action involved heavy fighting inside one of Sikhism's holiest shrines, leading to significant casualties and damage to the complex. The event deeply impacted India's political and social landscape, triggering widespread unrest and grief among Sikhs. Months later, Indira Gandhi was assassinated by her Sikh bodyguards, followed by tragic anti-Sikh riots across the country.

#HEALTH

Kohl and Chemistry

"Kohl," "Kahala," and similar variations, reflecting its widespread cultural journey. In South Asia, it became known as *Kajal*

The story of kohl begins in Ancient Egypt, where it was far more than a cosmetic. Both men and women lined their eyes with a dark pigment known as kohl, used not only to enhance appearance but also for protection against the harsh desert environment. This black eye paint, made from minerals like galena (lead sulfide), helped reduce glare from the sun and, as modern studies suggest, may have stimulated the production of nitric oxide in the skin, strengthening the immune response and helping prevent eye infections.

Kohl carried multiple names across regions and languages, "Kohl," "Kahala," and similar variations, reflecting its widespread cultural journey. In South Asia, it became known as *Kajal*, a term still commonly used today. Its cultural imprint even extends into popular culture, as seen in the Bollywood song *Kajra Re,* where the word evokes beauty, allure, and tradition rooted in this ancient practice.

Beyond its aesthetic and medicinal uses, Kohl is also tied to an important development in early chemistry. The preparation of kohl sometimes involved heating minerals until they vaporized and then cooling the vapors to collect a fine, purified powder. This technique is now known as sublimation, a process where a substance transitions directly from solid to vapor and back to solid without passing through a liquid state. Ancient practitioners may not have described it in modern scientific terms, but they were clearly experimenting with material transformation in sophisticated ways.

The linguistic journey of kohl is equally fascinating. The Arabic word "al-kuhl" eventually entered European languages as "kohl" or "kuhl." Over time, its meaning broadened. In medieval European alchemy, the term began to refer not just to eye cosmetics but to any finely purified or distilled substance. This semantic expansion played a role in the evolution of the word "alcohol," which originally referred to a fine powder or essence obtained through refinement. Eventually, it came to be associated specifically with distilled intoxicating liquids.

Thus, a simple line of black pigment drawn around the eyes connects a remarkable chain of ideas, spanning medicine, chemistry, language, and culture. From the banks of the Nile to South Asian traditions and European laboratories, kohl's journey reflects humanity's enduring curiosity: to beautify, to heal, to experiment, and to name the world in ever-evolving ways.

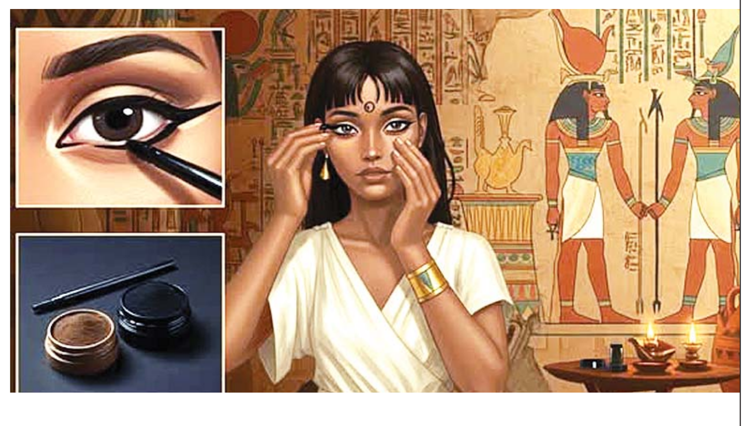

Not Much Protects You And Your Personality!

And then came deepfakes. Suddenly, courts found themselves dealing with something altogether more sinister, AI-generated videos that could put an actor's face on content they never agreed to, or replicate a cricketer's voice to sell a product he has never endorsed. Judges have done what they can: injunctions have been granted, orders have been passed. But anyone who has watched this process knows how inadequate it feels. By the time the lawyers file the urgent application, get a date, and walk out with an order, the video has already been seen by millions. An injunction at that point does not undo the harm. It just closes a stable door that has been open for weeks.

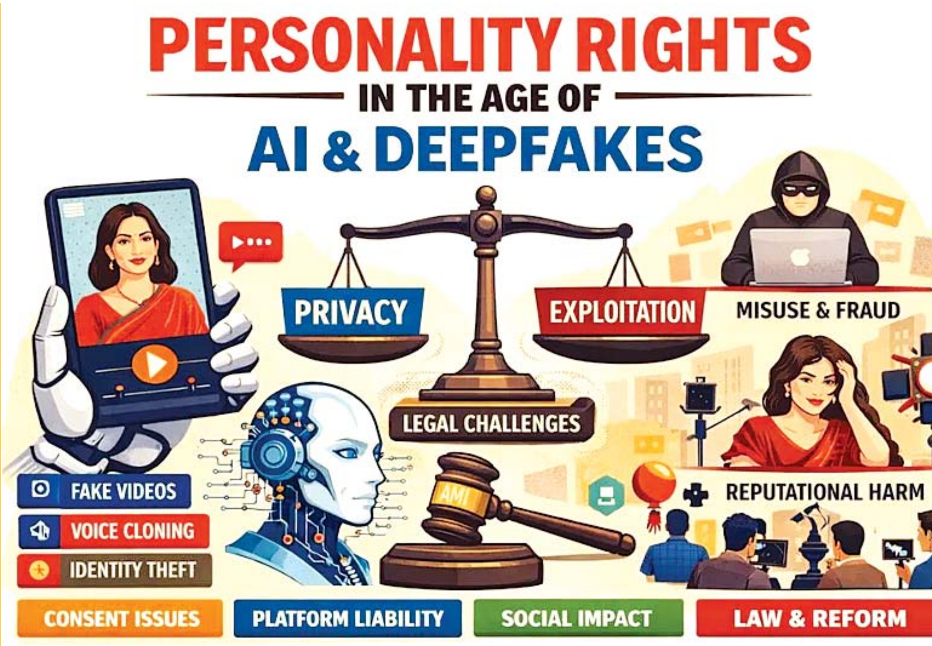

Shashank Agarwal
(Ex Sr Vice President of the High Court Bar Association)

> Personality rights are simple enough to understand, the rights you have over your own name, face, voice, and the persona you have built over a lifetime of work. The right to decide who uses that identity, and for what. India has no dedicated law on this subject. What we have is a patchwork of constitutional provisions...

#RIGHTS

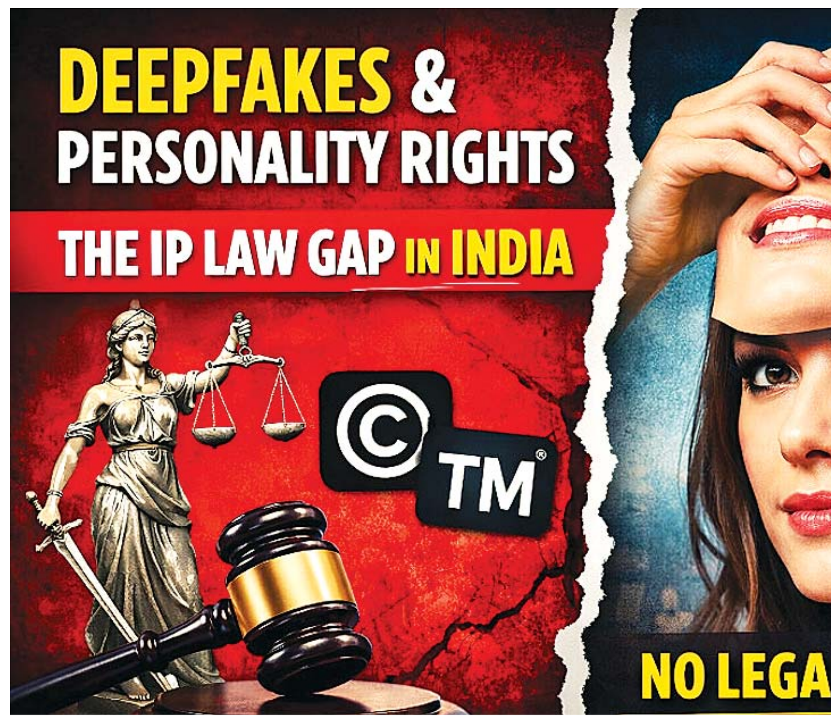

Picture waking up one morning to see your photo featured in an ad for a product you've never used. Or an AI-created video of you is shared online, depicting words you never spoke, potentially damaging your career or reputation. You turn to your lawyer and ask: which law shields me? The straightforward, honest answer today in India is: not much.

Personality rights are simple enough to understand, the rights you have over your own name, face, voice, and the persona you have built over a lifetime of work. The right to decide who uses that identity, and for what. India has no dedicated law on this subject. What we have is a patchwork of constitutional provisions, an underdeveloped body of tort law, and a handful of court judgments trying admirably but imperfectly to fill the void. That patchwork is no longer enough.

What the Law Offers, and Why It Falls Short

When a client walks in with a personality rights grievance today, there are two doors to knock on: Article 21 of the Constitution and the law of torts. Both open, but neither leads anywhere comfortable. We do have the Puttaswamy judgment, the Supreme Court's landmark 2017 ruling that declared privacy a fundamental right under Article 21. And yes, it opened a door. But here is the honest truth about that door: it was built for a different house. Article 21 was designed to protect you from the government, from the State overreaching into your life. It was not designed for the moment a corporation quietly uses your face in an ad campaign, or a tech company harvests your voice to train an AI. In those situations, filing a writ petition is like bringing a constitutional cannon to what should be a straightforward civil dispute. It is slow. It is expensive. And by the time relief comes, the damage is usually already done.

Tort law is supposed to be the more practical answer, passing off, the right of publicity, unjust enrichment. These are the tools that, in theory, fit the problem. But in India, tort law has a reputation problem that no one in the legal fraternity likes to admit out loud. It is barely taught in most law schools as a tool to defend but merely as tick box subject. It is rarely litigated with any real confidence. And when you sit across from a client whose face has been stolen for a commercial and tell them their best bet is an action for passing off, you can see it in their eyes. They came in hoping for a law. You are offering them a legal concept that even lawyers find uncertain.

The Courts Have Done Their Best, But Cannot Do This Alone

To be clear, the judiciary has not been sitting idle. Indian courts have shown genuine ingenuity in carving out protections where the legislature has failed to provide them. When the Madras High Court stepped in during the Rajinikanth case, Shivaji Rao Gaikwad v. Varsha Productions (2015), and stopped a film from appropriating his name, style, and screen persona, it was making a statement that resonated far beyond one celebrity's grievance: fame is earned, not public property. Being well-known does not mean the world gets to use you.

In ICC Development International v. Arvee Enterprises (2003), the Delhi High Court went further by explicitly asserting a right of publicity under Indian law. It emphasized a point worth quoting in every parliamentary debate on the topic, that this right belongs to every individual, not only those featured on film posters. This includes a surgeon, a professor, or a young athlete, everyone. Despite being made over twenty years ago, this important observation still awaits recognition from the legislature.

And then came deepfakes. Suddenly, courts found themselves dealing with something altogether more sinister, AI-generated videos that could put an actor's face on content they never agreed to, or replicate a cricketer's voice to sell a product he has never endorsed. Judges have done what they can: injunctions have been granted, orders have been passed. But anyone who has watched this process knows how inadequate it feels. By the time the lawyers file the urgent application, get a date, and walk out with an order, the video has already been seen by millions. An injunction at that point does not undo the harm. It just closes a stable door that has been open for weeks.

The tone is more conversational and candid throughout, the Puttaswamy paragraph now reads like a lawyer explaining a hard truth to a client, the tort law paragraph names the awkwardness the profession rarely admits, and the court cases section builds genuine frustration rather than just cataloguing precedents.

This Is Not Just a Problem for Film Stars

I want to push back against the assumption that personality rights is essentially a celebrity problem. Think about the surgeon whose photograph is lifted from a hospital website and used by a fraudulent clinic to attract patients, he has never consented and has no obvious statutory remedy. Or the law professor whose academic opinion is quoted out of context in political propaganda. Or the social media influencer, not famous by any conventional measure, but someone who has built a genuine income around her content, who finds a larger account monetising her work as their own.

These people cannot afford long, uncertain court battles. When they seek legal advice, they are told their options are limited and uncertain. A proper personality rights law would change that, giving them a clear cause of action and defined remedies, without needing to piece a case together from provisions never designed for their situation.

> Legislation has the power to address this issue effectively. It can clearly specify what constitutes wrong, establish quick injunction processes and statutory damages, and impose responsibilities on platforms. Additionally, it can directly target AI-generated misappropriation.

What Other Countries Have Done

India does not need to reinvent the wheel. In the United States, California's right of publicity statute protects an individual's name, voice, photograph, and likeness, during their lifetime and for decades after death. Germany treats personality rights (Persönlichkeitsrecht) as a fundamental civil right rooted in human dignity, protecting both the moral and commercial dimensions of personal identity, a framing that resonates with India's own constitutional tradition. The UK stitches together protection through passing off, the Human Rights Act 1998, and data protection law. The European Union's GDPR treats facial images and voice recordings as sensitive personal data requiring explicit consent before processing.

The common thread is legislative intent: each of these jurisdictions made a deliberate choice to recognise personality rights in law. India has not yet made that choice. It needs to.

The Time for Half-Measures Is Over

The violations are no longer occasional. Deepfakes are being created at scale. AI voice clones are used in financial frauds. Synthetic media puts false statements in the mouths of political opponents. And in each case, the victim faces the same reality: no clear law, no obvious remedy, and a legal process that moves far more slowly than the technology being used against them.

Legislation has the power to address this issue effectively. It can clearly specify what constitutes wrong, establish quick injunction processes and statutory damages, and impose responsibilities on platforms. Additionally, it can directly target AI-generated misappropriation. In essence, legislation can provide people with a real opportunity to defend themselves, something that Article 21 and tort law, no matter how creatively applied, cannot reliably ensure on their own.

There is something deeply uncomfortable about a legal system that tells people that their identity is not worth a dedicated law. Courts can fill gaps; they cannot replace legislation. For every Rajinikanth who can mount a determined legal fight, there are thousands of doctors, teachers, professionals, and ordinary citizens whose identities are being quietly exploited with no remedy in sight. A dedicated Personality Rights Act, clear, comprehensive, and digitally aware, is not a luxury. Every person's identity belongs to them. It is time that Indian law said so, plainly, in a statute that actually means something.

rajeshsharma1049@gmail.com

#FIRMAAN

The Times of Firuz Shah Tughlaq

Bulah Shah attempted to intervene when a Qazi (Islamic judge) was reportedly ordering harsh punishment for people who refused to abandon their faith

During the reign of Firuz Shah Tughlaq (1351-1388), ruler of the Delhi Sultanate, the administration placed strong emphasis on the application of Islamic legal principles. Historical chronicles from the period note that the sultan promoted the enforcement of Sharia within his empire and reorganized taxation according to Islamic categories such as kharaj, khums, zakat, and the jizya. The jizya was a tax traditionally imposed on non-Muslims living under Islamic rule. In Firuz Shah's reign, it became more strictly collected in many regions, particularly from Hindu communities. Contemporary and later historical writings indicate that conversion to Islam could exempt individuals from paying the tax, which sometimes created social and religious tensions within the population.

Some traditional narratives also describe incidents of resistance. One such story recounts that a spiritual figure named Bulah Shah attempted to intervene when a Qazi (Islamic judge) was reportedly ordering harsh punishment for people who refused to abandon their faith. According to these accounts, a group of Hindus chose to prove their commitment to their religion even at the cost of their lives, with stories claiming that more than two hundred people accepted death rather than conversion.

Another dramatic version of the narrative says that a man named Mannu Khan later killed the Qazi with a sword in anger over the incident. Historians caution that many such stories survive mainly in oral traditions or later writings, so, the exact details remain debated. However, these accounts reflect the deep religious tensions and acts of resistance remembered from that turbulent medieval period in South Asian history.

#GOA STONE

A Stone To Protect And Cure

Scrapings from the ball were ingested as an antidote to poison and melancholy, as well as to prevent illness

This globular, ornate gold artefact is only the container for the object displayed here! The seemingly inconspicuous stone within, called a Goa stone, is one of many such objects believed to have been manufactured by Jesuits in the late seventeenth-century in Goa. These stones were manmade replicas of bezoar stones, which are natural gallstones of ruminants, known for their medicinal and protective powers.

The ingredients for these stones sound as fascinating, consisting of a paste of bezoar, clay silt, crushed shell, amber, musk, resin, narwhal tusk (believed to be unicorn horn!), and crushed precious and semiprecious stones, all pressed into a ball and then gilt. Scrapings from the ball were ingested as an antidote to poison and melancholy, as well as to prevent illness. Such stones were encased in elaborate gold or silver containers to ostensibly enhance their powers. This particular container displays a mix of western Asian, European, and Indian artistic styles, speaking both to its origins as well as place of manufacture.

The sphere is made of two golden halves chiselled with foliate openwork. The base has a winding, floral vine pattern, overlaid with embossed Indian and Europeanized animals, including mythical beasts such as unicorns and griffins as well as stags, monkeys, gazelles, and foxes, topped with a peacock! A perfect encapsulation of the sensibilities of its European patrons as well as the tradition of South Indian metalwork in which it was made.

THE WALL

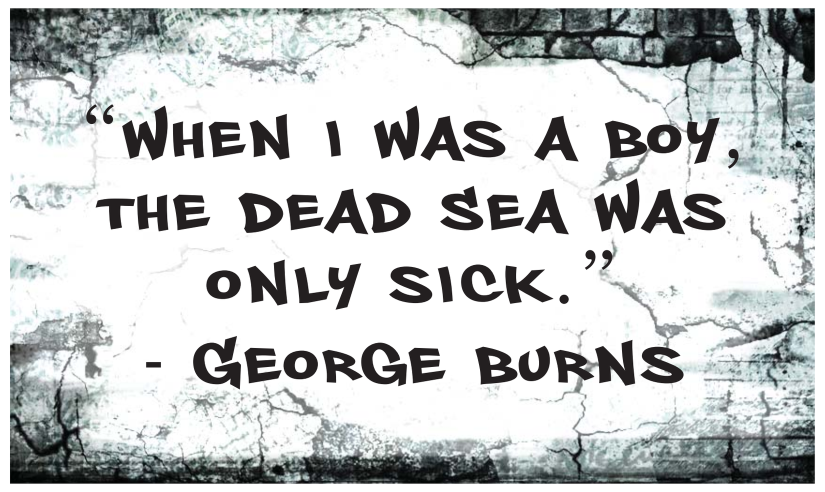

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

किसान महापंचायत में पांचना बांध से नहरों में पानी छोड़ने की मांग उठी

किसानों ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद कमांड क्षेत्र की नहरों में पानी नहीं छोड़ा गया है

वजीरपुर उपखंड क्षेत्र की खंडीप ग्राम पंचायत में किसान महा पंचायत आयोजित हुई।

■ 'पांचना बांध से कमांड क्षेत्र की हजारों बीघा भूमि सिंचित होती है, पानी की कमी के कारण फसलें चौपट हो रही हैं'

गंगापुर सिटी, (निसं)। वजीरपुर उपखंड क्षेत्र की खंडीप ग्राम पंचायत में शुक्रवार को एक विशाल किसान महापंचायत का आयोजन किया गया। यह महापंचायत पांचना बांध से कमांड क्षेत्र की नहरों में सिंचाई का पानी छोड़ने की मांग को लेकर बुलाई गई थी। इसमें हजारों की संख्या में किसान, महिलाएं, जनप्रतिनिधि और किसान नेता शामिल हुए। किसानों ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि राजस्थान उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद पांचना बांध से कमांड क्षेत्र की नहरों में सिंचाई के लिए पानी नहीं छोड़ा गया है। महापंचायत में सभी किसानों ने एक स्वर में सरकार से तत्काल नहरों में पानी छोड़ने की मांग की। इस महापंचायत को सफल बनाने के लिए पिछले कई दिनों से व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया गया था। खंडीप, डिबस्या, छोटी उदेई, पीलोदा, महनंदपुर, खेड़ली, बगलाई, शिवाला, नयागांव और मोहनपुर सहित अनेक गांवों में किसानों से संपर्क कर उन्हें महापंचायत में शामिल होने का आह्वान किया गया था।

महापंचायत को संबोधित करते हुए विधायक रामकेश मीणा ने बताया कि पांचना बांध से कमांड क्षेत्र की हजारों बीघा भूमि सिंचित होती है। पानी की कमी के कारण फसलें चौपट हो रही हैं और पशुओं के लिए भी पानी की समस्या उत्पन्न हो गई है। उन्होंने कहा कि न्यायालय के आदेश के बावजूद बांध से पानी नहीं छोड़ा जाना किसानों के साथ अन्याय है। विधायक मीणा ने यह भी बताया कि पिछले लगभग 19 सालों से किसान कमांड क्षेत्र में नहरों में पानी छोड़ने की मांग कर रहे हैं, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हो रही है।

किसान नेता मदन राजौर, पिंटू बड़ौली, रहमत कुंसाय और देवीसिंह सहित अन्य वक्ताओं ने भी महापंचायत को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि न्यायालय के स्पष्ट आदेशों के बावजूद किसानों को सिंचाई का पानी न मिलना दुर्भाग्यपूर्ण है। वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि पांचना परियोजना का निर्माण किसानों की सिंचाई आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से किया गया था। इसके बावजूद, पर्याप्त जल उपलब्ध होने पर भी नहरों में पानी नहीं छोड़ा जा रहा है। कटकड़ सरपंच देवीसिंह ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शाम तक सरकार का कोई प्रतिनिधि वार्ता के लिए नहीं पहुंचा तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। वक्ताओं ने कहा कि यदि शीघ्र ही कमांड क्षेत्र की नहरों में पानी नहीं छोड़ा गया तो आंदोलन को व्यापक रूप दिया जाएगा। महापंचायत में बड़ी संख्या में महिलाओं की भी भागीदारी रही। उन्होंने भी किसानों की मांगों का समर्थन करते हुए सरकार से तत्काल निर्णय लेने की मांग की। किसान नेताओं ने आगामी आंदोलन की रणनीति पर भी विचार-विमर्श किया। किसानों की मुख्य मांग है कि पांचना बांध से कमांड क्षेत्र की नहरों में तत्काल सिंचाई का पानी छोड़ा जाए, ताकि खरीफ फसलों की बुवाई समय पर हो सके। महापंचायत में सरपंच सूफी पावटा गद्दी, सरपंच तेजसिंह श्यारौली सहित क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधि और हजारों किसान मौजूद रहे।

मनोहरपुर में भाजपा नेता की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

मनोहरपुर थाना पुलिस ने रामावतार असवाल उर्फ पप्पू हत्याकांड के आरोपी को गिरफ्तार किया।

■ कूलर खरीदने के विवाद में सोहिल खान नामक युवक ने रामावतार असवाल की हत्या कर दी थी

पावटा, (निसं)। मनोहरपुर थाना पुलिस ने बहुचर्चित रामावतार असवाल उर्फ पप्पू हत्याकांड का महज तीन दिन में खुलासा करते हुए हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने मामले में सोहिल खान नामक युवक को गिरफ्तार किया है, जिसने पूछताछ में हत्या करना स्वीकार कर लिया है। जिला पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण हनुमान प्रसाद ने बताया कि मनोहरपुर, शाहपुरा, अमरसर थाना पुलिस तथा डीएसटी टीम की संयुक्त कार्रवाई में इस ब्लाइंड मर्डर की गुत्थी सुलझाई गई।

जानकारी के अनुसार गत दो जून को गुलाब असवाल ने अपने भाई रामावतार असवाल उर्फ पप्पू की हत्या का मामला दर्ज कराया था। रामावतार श्याम मार्केट स्थित अपनी कबाड़ की दुकान पर थे। देर शाम परिजनों द्वारा संपर्क नहीं होने पर भतीजे को दुकान पर भेजा गया, जहां रामावतार मृत अवस्था में पड़े मिले। अज्ञात बदमाशों ने धारदार हथियार से गर्दन और सिर पर वार कर उनकी हत्या कर दी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक ने स्वयं मनोहरपुर थाने पर कैंप किया और विशेष टीमों का गठन किया। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और खुफिया जानकारी के आधार पर करीब 150 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। लगातार जांच और कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए पुलिस आरोपी तक पहुंचने में सफल रही। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी सोहिल खान 1 जून की शाम कबूतरों के लिए पुराना कूलर खरीदने रामावतार की दुकान पर आया था। इसी दौरान दोनों के बीच खरीद-फरोख्त को लेकर विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने पहले लोहे की एंगल से रामावतार के सिर पर वार किया, जिससे वह नीचे गिर गए। इसके बाद आरोपी ने चाकू से गर्दन और हाथ पर कई वार कर उनकी हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी सोहिल (20) पुत्र कुतुबुद्दीन लुहार, निवासी लुहार मंडी, मनोहरपुर को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या में प्रयुक्त हथियार की बरामदगी के प्रयास जारी हैं।

गुमशुदा महिला को खोजकर पति से मिलवाया

मण्ड्रेला, (निसं)। झुंझुनूं जिले की मण्ड्रेला थाना पुलिस ने मानवता और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए तीन वर्ष से गुमशुदा चल रही महिला को दस्तयाब कर उसके पति से मिलवाया है। पुलिस की इस सफलता से जहां एक परिवार की वर्षों पुरानी चिंता समाप्त हुई, वहीं पुलिस के प्रति आमजन का विश्वास भी और मजबूत हुआ है। मण्ड्रेला थाना प्रभारी कैलाशचन्द के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने अथक प्रयास, सूचनाओं के संकलन और लगातार की गई तलाश के आधार पर तीन साल से लापता महिला का पता लगाकर उसे सुरक्षित दस्तयाब किया। आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद महिला को उसके पति के सुपुर्द कर दिया गया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गुमशुदा व्यक्तियों की तलाश और उन्हें उनके परिजनों से मिलाना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारियों में शामिल है।

जैसलमेर दुर्ग में गिरी हुई दीवार के पास की दीवार भी क्षतिग्रस्त होने लगी

बरसात का मौसम शुरु होने के कारण स्थानीय लोगों और व्यापारियों में डर का माहौल

जैसलमेर दुर्ग में पूर्व में गिरी दुर्ग की दीवार के पास स्थित दूसरी दीवार भी गिरने के कगार पर है।

■ स्थानीय निवासियों और सामाजिक संगठनों ने प्रशासन एवं पुरातत्व विभाग से तत्काल स्थायी मरम्मत कार्य शुरू करने की मांग की

जैसलमेर, (निसं)। दुर्ग में एक बार फिर सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। पूर्व में गिरी दुर्ग की दीवार के पास स्थित दूसरी दीवार भी अब क्षतिग्रस्त होने लगी है। बरसात का मौसम सिर पर होने के कारण स्थानीय लोगों और व्यापारियों में डर का माहौल बना हुआ है।

जानकारी के अनुसार, दीवार में कई जगह दरारें और झुकाव दिखाई दे रहा है, जिससे किसी बड़े हादसे की आशंका जताई जा रही है। वरिष्ठ नागरिक खेमचंद का कहना है कि यदि समय रहते मरम्मत और सुरक्षा कार्य नहीं किए गए तो बारिश के दौरान दीवार का हिस्सा फिर से ढह सकता है। गौरतलब है कि पूर्व में भी दुर्ग क्षेत्र में दीवार गिरने की घटना हो चुकी है, जिसमें नुकसान हुआ था। अब उसी स्थान के आसपास की दीवार कमजोर होने से लोगों की चिंता बढ़ गई है। स्थानीय निवासियों और सामाजिक संगठनों ने प्रशासन एवं पुरातत्व विभाग से तत्काल स्थायी मरम्मत कार्य शुरू करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि विश्व प्रसिद्ध धरोहर की सुरक्षा के लिए केवल अस्थायी उपाय पर्याप्त नहीं हैं।

वहीं प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि मामले की जानकारी ली जा रही है और तकनीकी टीम से निरीक्षण करवाकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। बरसात से पहले सुरक्षा उपायों को प्राथमिकता देने की बात भी कही गई।

पति के साथ मिलकर भाई से ठगी

जोधपुर, (कासं)। बासनी औद्योगिक क्षेत्र कृष्ण मंदिर के पास रहने वाले एक व्यक्ति को उसकी बहन-बहनोई ने ठगी का शिकार बना डाला। पीड़ित की पत्नी के इलाज के नाम पर 26 लाख केश और 26 लाख का सोना ऐंठ कर खुर्दबुर्द कर डाला। पीड़ित भाई ने अपनी बहन-बहनोई को नामजद कर बासनी थाने में धोखाधड़ी की रिपोर्ट दी है। बासनी पुलिस ने बताया कि कृष्णमंदिर बासनी निवासी घनश्याम कुमार प्रजापत की तरफ से मामला दर्ज करवाया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

कोटा कोचिंग इंडस्ट्री में एक तरफ जश्न तो दूसरी तरफ आत्महत्या के मामले बढ़े

■ एक जानकारी के अनुसार 2023 में 26, 2024 में 17, 2025 में 14 कोचिंग स्टूडेंट्स ने आत्महत्या की थी, 2026 में जून माह तक कोटा में 6 कोचिंग स्टूडेंट आत्महत्या कर चुके हैं

■ आत्महत्या की घटना के कारण कोटा कोचिंग इंडस्ट्री डाउन फॉल पर है और यहां के लोग चिंतित हैं

कोटा, (निसं)। हाल ही में घोषित जेईई एडवांस्ड में कोटा की कोचिंग इंडस्ट्री ने फर्स्ट रैंक और सेकंड रैंक के साथ बेहतरीन सिलेक्शन और परिणाम दिए हैं। इन परिणामों के बाद कोटा शहर की कोचिंग इंडस्ट्री में जश्न का माहौल है। कोचिंग इंडस्ट्री और शहरवासियों को उम्मीद है कि इतना बेहतरीन रिजल्ट देने के बाद देशभर के अभिभावकों का एक बार फिर मेडिकल और इंजीनियरिंग की उच्च प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोटा के प्रति रूझान बढ़ेगा, लेकिन ऐसा होता नजर नहीं आ रहा है। भले ही इस बात का माहौल बनाया जा रहा हो की कोटा के प्रति देशभर के स्टूडेंट्स और अभिभावकों का विश्वास वापस लौट रहा है और वे अपने नोनिहालों का भविष्य बनाने और सपने पूरे करने के लिए कोटा का रुख कर रहे हैं, लेकिन कोचिंग इंडस्ट्री की हलचल पर नजर रखने वाले लोगों का कहना है कि यह केवल एक माहौल बनाने की प्रक्रिया है। हकीकत में अभी भी कोटा के प्रति देशभर के अभिभावकों और स्टूडेंट का विश्वास वापस नहीं लौट पाया है।

कोटा के प्रति जैसे ही इन लोगों का विश्वास लौटने लगता है वैसे ही कोटा में ऐसा कोई घटनाक्रम घटित हो जाता है, जिससे अभिभावक और स्टूडेंट अपने पैर पीछे खींच लेते हैं। हाल ही के दिनों में जब कोटा की कोचिंग इंडस्ट्री धीरे-धीरे ग्रोथ कर रही थी तभी खाने का ढाबा धराशाई होने की घटना सामने आ गई। इसमें एक कोचिंग स्टूडेंट की मौत हो गई जो कोटा की आधारभूत सुविधाओं पर सवालिया निशान लगा गई। बुधवार को एक एलन कोचिंग के स्टूडेंट ने आत्महत्या कर ली। एक जानकारी के अनुसार कोटा में 2023 में 26, 2024 में 17, 2025 में 14 कोचिंग स्टूडेंट्स ने आत्महत्या की थी। 2026 में जून माह तक कोटा में 6 कोचिंग स्टूडेंट आत्महत्या कर चुके हैं।

पूर्व से ही कोटा आत्महत्याओं के मामले में बदनाम चल रहा है, ऐसी स्थिति में यह आत्महत्या का मामला अभिभावकों को एक बार फिर कोटा की तरफ रुख करने से पहले सोचने के लिए मजबूर कर सकता है। लोगों का मानना है कि कोटा के कोचिंग संस्थान अपने सफल रिजल्ट्स को स्पष्ट रूप से हाईलाईट करके स्टूडेंट और अभिभावकों को आकर्षित करने की भरपूर कोशिश करते हैं। अभिभावकों के सामने हर कोचिंग संस्थान का परिणाम होता है और इसी आधार पर वह कोटा आ कर अपने नोनीहाल के लिए कोचिंग संस्थान का चयन करते हैं। ऐसी स्थिति में मीडिया को यह जिम्मेदारी निभानी चाहिए कि वह यह भी स्पष्ट करें कि आत्महत्या करने वाला कोचिंग स्टूडेंट कौन से संस्थान या कोचिंग का स्टूडेंट था। अगर अभिभावकों को इस बात की जानकारी होगी तो वह उस कोचिंग संस्थान के प्रति एडमिशन करवाने से पूर्व अपना एक स्पष्ट नजरिया रख सकते हैं। लेकिन विडंबना यह है कि कोटा में जो कोचिंग स्टूडेंट आत्महत्या करता है वह कौन से कोचिंग इंस्टिट्यूट में अध्यनरत था इसको छुपाने के प्रयास किए जाते हैं।

अगर यह स्पष्ट हो की कोटा में आत्महत्या करने वाले स्टूडेंट कौनसे कोचिंग संस्थान के हैं तो ऐसी स्थिति में अभिभावक कोटा की अपेक्षा उस संस्थान से अपना मुंह मोड सकते हैं और कोटा के अन्य कोचिंग संस्थानों पर अपना विश्वास व्यक्त कर सकते हैं। कोटा में कई प्रतिष्ठित संस्थान है जो स्टूडेंट पर पूरी मेहनत करते हैं। कोटा में अगर कोचिंग स्टूडेंट का फुटफॉल रहेगा तो अन्य कोचिंग संस्थान बेहतर ग्रोथ कर पाएंगे और कोटा एक बार फिर अपने पुराने समय को पा सकेगा। कोटा में नहीं, कोचिंग संस्थान के सिस्टम में गड़बड़ है। जिसकी कीमत पूरे कोटा शहर और कोटा की कोचिंग इंडस्ट्री को चुकानी पड़ रही है।

प्रसिद्ध मनोचिकित्सक डॉक्टर एम.एल. अग्रवाल कहते हैं कि 14 से 16 साल तक की लड़कियों में तथा 16 से 25 साल तक के लड़कों में आत्महत्या के सिम्टम्स नेचरली वर्क करने लगते हैं। अगर आत्महत्या की आंकड़ों को देखा जाए तो इस आयु वर्ग के बच्चों में जो मौत का कारण है वह सबसे ज्यादा आत्महत्या ही है। ऐसी स्थिति में जब कोटा में बच्चे एडमिशन के लिए आए तो उनकी 20 से 25 मिनट तक स्क्रीनिंग की जानी चाहिए। साथ ही उनकी मेडिकल हिस्ट्री का डाटा रखना चाहिए। अभिभावकों को बच्चों की रुचि और अभिरुचि के हिसाब से ही उन्हें सब्जेक्ट दिलाने चाहिए। कोचिंग संस्थानों को तनाव में चल रहे बच्चों को वापस भेजने की जगह स्पेशल अटेंशन देना चाहिए। इसके लिए सरकार एवं जिला प्रशासन के साथ-साथ सभी कोचिंग इंस्टिट्यूट को भी अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह पूरी ईमानदारी से करना होगा।

मजदूर, किसान और वंचित वर्गों के हकों के लिये संघर्ष करता रहूंगा : प्रो. रमेश बैरवा

सेवानिवृत्ति के अवसर आयोजित कार्यक्रम में डॉ. रमेश बैरवा को शॉल, गिफ्ट एवं तस्वीर भेंटकर शुभकामनाएं दी।

■ प्रो. रमेश बैरवा की सेवानिवृत्ति पर ग्राम जीवली में कार्यक्रम का आयोजन आयोजन

गंगापुर सिटी। राजकीय महाविद्यालय गंगापुर सिटी में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर एवं नोडल अधिकारी राजकीय कन्या महाविद्यालय वजीरपुर डॉ. रमेश बैरवा की सेवानिवृत्ति के अवसर पर परिवारजन की ओर से इनके गांव जीवली में सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में महाविद्यालयों के प्रोफेसर, राजकीय महाविद्यालय गंगापुर सिटी के स्टाफ, वजीरपुर राजकीय कन्या महाविद्यालय की छात्राएं, शिक्षक, वकील, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ता, रिश्तेदार, परिवारजन एवं ग्रामवासियों ने प्रो. रमेश बैरवा को माल्यार्पण कर, साफा पहनाकर, शॉल, गिफ्ट एवं महापुरुषों की तस्वीर भेंटकर स्वस्थ व सुखद भावी जीवन की हार्दिक शुभकामनाएं एवं साथ ही जन्मदिवस पर हार्दिक बधाई दी।

अलवर से भी बड़ी संख्या में पधारे कॉलेज एवं स्कूल शिक्षकों, दलित शोषण मुक्ति मंच से जुड़े कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों ने शुभकामनाएं दी। इससे पूर्व राजकीय महाविद्यालय गंगापुर सिटी प्राचार्य प्रो. सुमित्रा मीना के नेतृत्व में संपूर्ण स्टाफ एवं राजकीय कन्या महाविद्यालय वजीरपुर के स्टाफ व छात्राओं ने प्रो. बैरवा को भावभीनी विदाई देकर सुखद, स्वस्थ्य भावी जीवन की कामना की। धन्यवाद उद्बोधन में प्रो. बैरवा ने कहा कि मजदूर किसान का बेटा हूं। मुश्किल हालातों में शिक्षा के लिए किए संघर्ष में अनेक लोगों ने संबल, सहयोग प्रदान किया है जिनके प्रति आभार प्रकट करता हूं। छात्र जीवन से ही अन्याय, अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाई है। सेवानिवृत्ति के उपरांत अब सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्थायी रोजगार तथा मजदूर, किसान, दलित-वंचित तबकों के हक और सम्मान के लिए जारी संघर्ष को मजबूती देने का संकल्प लेता हूं।

सेवानिवृत्ति समारोह के अवसर पर आयोजित विशाल सभा में अतिथियों का स्वागत भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी की अलवर जिला सचिव, अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति की प्रांत कोषाध्यक्ष एवं किशोर न्याय बोर्ड की पूर्व सदस्य प्रो. रमेश बैरवा की पत्नी रईसा ने किया। सभा का सफल संचालन प्रो. बैरवा के फुफेरे भ्राता गोपाल सत्यप्रेमी ने किया। अध्यक्षता गिल्याड़ा बैरवा, जगन्या बैरवा, प्रभुलाल बैरवा, मुरारी लाल बैरवा, हरिया, भरतलाल, केशव लाल, ब्रजमोहन, रामखिलाड़ी सहित गांव के पंच पटेलों ने की तथा प्रो. रमेश बैरवा को साफा पहनाकर सम्मानित किया। सेवानिवृत्ति समारोह सभा को संबोधित करते हुए जोधपुर से पधारे वंचित वर्गों की बुलंद आवाज दलित शोषण मुक्ति मंच डीएसएमएम के प्रदेश संयोजक, छात्र जीवन में स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया एसएफआई के नेता रहे, सीनियर एडवोकेट किशन मेघवाल, डॉ. घासीराम चौधरी, आयकर आयुक्त भागचंद मीणा, प्रो.रमेश बैरवा के प्रेरक शिक्षक पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी ताराचंद जाटव, डॉ. लक्ष्मी चंद मीणा, अशोक लोदवाल, अलवर डीएसएमएम के जिला संयोजक एडवोकेट बीएल वर्मा, प्रो महेश गोठवाल, प्रो. राजेश वर्मा, प्राचार्य पुरुषोत्तम लाल बैरवा, कवि डॉ. विजय लाल बैरवा, प्रो. सुमेरसिंह बैरवा, प्रहलाद राम बुनकर लाइब्रेरियन, रामकिशोर फौजी, डॉ. संजय बैरवा ने अपने वक्ताओं में कहा कि प्रो.रमेश बैरवा ने अपनी करीब 31 वर्ष की राजकीय सेवा भी छात्र जीवन के प्रेरक नारे "शिक्षा और संघर्ष" की जेएनयू की क्रांतिकारी परंपरा के अंदाज में ही बड़े गौरव एवं संघर्षों से पूर्ण की है। प्रो.रमेश बैरवा एक बेहतरीन शिक्षक रहे हैं। एक निडर, अपने साथियों व शुभचिंतकों का हर मुश्किल में साथ देने वाले रहे हैं। शिक्षकों को गैर शैक्षिणक कार्यों से मुक्त कर रेग्युलर क्लास टीचिंग के प्रबल पक्षधर रहे हैं। अखबारों में विचारोत्तेजक संपादकीय लेख लिखते रहे हैं। शिक्षक,विद्यार्थियों और वंचित वर्गों के संविधान प्रदत्त गरिमामय जीवन के हकों की बुलंद आवाज रहे हैं। राजसेस महाविद्यालयों में समुचित संसाधन मुहैया करवाने की मांग उठाते रहे हैं। नुकसान की परवाह किए बिने कॉलेज शिक्षा में भेदभाव, भ्रष्टाचार, वर्चस्व के खिलाफ निडर रहकर लगातार बोलने वाले प्रो. बैरवा को वैचारिक दुर्भावनावश कई बार निलंबित कर, प्राचार्य पद पर नियमविरुद्ध पदोन्नित रोककर भारी आर्थिक, मानसिक व सामाजिक हानि पहुंचाई है। सेवानिवृत्ति पर इनके पेंशन परिलाभ भी अटक गये हैं। कार्यक्रम में सवाईमाधोपुर के पूर्व प्रधान सूरजमल बैरवा, पूर्व प्राचार्य डॉ. बाबूलाल बैरवा, एडवोकेट श्यामसुंदर जाटव, डीयू प्रो. प्रहलाद कुमार बैरवा, शिक्षक नेता सुग्रीव बैरवा, एडवोकेट संतोष जाटव, एडवोकेट संजय मीना एवं सत्यप्रकाश बैरवा सहित शुभचिंतक शामिल हुए।

भिवाड़ी फैक्टरी आगजनी : मालिक के भाई की उपचार के दौरान मौत

मृतक का फाइल फोटो।

अलवर, (निसं)। भिवाड़ी के यूआईटी औद्योगिक क्षेत्र में दो फैक्ट्रियों में आग लगने के मामले में रामको मेटल फैक्टरी के मालिक के भाई की इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे में फैक्टरी मालिक, उसके भाई समेत पांच लोग झुलस गए थे।

जानकारी के अनुसार गुरुवार दोपहर दो बजे रामको मेटल कंपनी के ऊपर रखे ऑयल टैंकर में ब्लास्ट हुआ और आग लग गई थी। टैंकर से निकला ऑयल ब्लास्ट के साथ अल्शोक एलएलपी कंपनी में फैल गया। जिससे इस कंपनी में भी आग लग गई। इस दौरान कर्मचारियों को पीछे के दरवाजों और अन्य सुरक्षित रास्तों से बाहर निकाला गया, जबकि कुछ ने दीवार फांदकर अपनी जान बचाई। इसी दौरान रामको कंपनी मालिक देवेंद्र यादव (35) और उनके छोटे भाई हरपाल यादव (31), कर्मचारी दिनेश और छत्तर सिंह के अलावा एक अन्य व्यक्ति झुलस गया था। गंभीर रूप से घायल होने पर देवेंद्र यादव, हरपाल यादव और दिनेश को दिल्ली रेफर किया गया, जहां देर रात हरपाल यादव का निधन हो गया। वहीं छत्तर सिंह को भिवाड़ी के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

यह फैक्टरी पहले फूलबाग चौक के पास संचालित थी। अगस्त 2023 में ही इसे यूआईटी औद्योगिक क्षेत्र में ट्रांसफर किया गया था। देवेंद्र यादव भिवाड़ी यूआईटी सेक्टर 9 के पार्षद भी हैं। हरपाल की मौत की खबर मिलते ही उनके घर पर लोग जमा हो गए और परिवार को सांत्वना दी। हरपाल चार्टर्ड अकाउंटेंट था और भिवाड़ी के भगत सिंह कॉलोनी में एक कोचिंग सेंटर चलाते थे। हरपाल कंपनी के अकाउंट्स का काम भी देखता था। शुक्रवार को हरपाल अपने भाई देवेंद्र यादव के पास कंपनी के काम से ही मिलने आया था। दोनों भाई ऑफिस में बैठकर बात कर रहे थे, तभी यह हादसा हो गया। हरपाल की शादी 2018 में हुई थी। हरपाल के दो छोटी बेटियां है।

6.10 लाख की सायबर ठगी का आरोपी यूपी से गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। सायबर पुलिस टीम ने सायबर ठगी के मामले में फरार चल रहे स्थाई वारंटी अंकुर तिवारी को कुशीनगर उत्तरप्रदेश से गिरफ्तार किया।

शहर एसपी ने बताया कि 23 जून 2025 को परिवादी नवल किशोर गुप्ता ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि मेरा परिचित बनकर उससे 6,10,000 की सायबर ठगी की है। फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। मामले में अनुसंधान के लिये टीम का गठन किया गया, गठित टीम ने मामले में अनुसंधान करते हुए फरियादी के साथ हुई 6,10,000 रुपये की ठगी मे से बैंको से पत्राचार कर 3,59,000 रुपये की राशि होल्ड करवायी गई। शहर एसपी ने बताया कि प्रकरण में पूर्व में गिरफ्तार आरोपी ऋषि शर्मा उर्फ गोलू ने पूछताछ में बताया कि उसने सायबर ठगी की राशि को जरिए कैश डिपॉजिट मशीन अलग-अलग खातों में जमा कराया है, जिस पर बैंक से खातों की डिटेल प्राप्त कर खाताधारकों की तलाश की गई एवं नोटिस जारी किये गये।

धौलपुर में आई तेज आंधी से भरभराकर गिरी दीवार, दो लोगों की मौत, दो घायल

घायलों की हालत गंभीर होने पर भरतपुर के अस्पताल में रेफर कर दिया

भरतपुर, (निसं)। धौलपुर जिले के बसेड़ी थाना क्षेत्र में तेज आंधी के दौरान दीवार गिरने से दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। चार लोग बकरियां चराकर अपने घर लौट रहे थे। अचानक आए तेज आंधी-तूफान से बचने के लिए वे एक दीवार के सहारे बैठ गए, लेकिन तेज हवाओं के चलते दीवार भरभराकर उनके ऊपर गिर गई। गंभीर रूप से घायल चारों लोगों को पहले बसेड़ी अस्पताल में भर्ती कराया, जिनकी हालत गंभीर होने पर भरतपुर के आरबीएम अस्पताल में भर्ती रेफर कर दिया गया, जहां उपचार के दौरान दो लोगों की मौत हो गई।

बसेड़ी थाना के एसएचओ जगदीश प्रसाद ने बताया कि चार जून की रात भरतपुर जिले के घड़ी बजाना थाना के तरसूमा गांव निवासी समय सिंह, रामफूल, रामसुरूप और जय सिंह बकरियां चराने के बाद हिंगोटा गांव के पास रुके हुए थे। इसी दौरान तेज आंधी और तूफान आया। आंधी के कारण एक दीवार गिर गई, जिसकी चपेट में आकर चारों लोग घायल हो गए। सभी को उपचार के लिए बसेड़ी अस्पताल में भर्ती कराया गया। 3 लोगों की गंभीर हालत होने पर समय सिंह, रामफूल और एक अन्य घायल को भरतपुर के आरबीएम अस्पताल रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान समय सिंह और रामफूल की मौत हो गई।

> चार लोग बकरियां चराकर घर लौट रहे थे, आंधी आने से दीवार के पास बैठ गये, तेज हवाओं के चलते दीवार भरभराकर चारों लोगों के ऊपर गिर गई

मृतकों के परिजन रोहिताश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके पिता रामफूल और चाचा समय सिंह बकरियां चराने के लिए धौलपुर के हिंगोटा क्षेत्र में गए थे। रात करीब 8 बजे वे वापस लौट रहे थे, तभी अचानक तेज आंधी आ गई। आंधी से बचने के लिए एक दीवार के सहारे बैठ गए। तेज हवाओं के चलते दीवार उनके ऊपर गिर गई और वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल दोनों को मलबे से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें भरतपुर के आरबीएम अस्पताल रेफर किया गया, जहां देर रात उपचार के दौरान दोनों ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर दोनों शव परिजनों को सौंप दिए हैं।

टोंक में बिजली निगम एईएन व कंप्यूटर ऑपरेटर ने रिश्वत ली

टोंक, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस गोविन्द गुप्ता के निर्देशन में टोंक एसीबी टीम प्रभारी ऋषिकेश मीणा के नेतृत्व में गठित टीम ने शुक्रवार को बिजली निगम के एईएन नवनीत सिंह गुर्जर एवं संविदा पर लगे कंप्यूटर ऑपरेटर मोहम्मद शाजिम को वीसीआर को सेटल करने की एवज में मांगी गई राशि के बीस हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

एईएन नवनीत सिंह गुर्जर एवं कंप्यूटर ऑपरेटर मोहम्मद शाजिम।

> वीसीआर को सेटल करने की एवज में बीस हजार रुपए लेते पकड़ा

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस गोविन्द गुप्ता ने बताया कि ए.सी.बी. टोंक को एक शिकायत मिली कि गत 4 मई को परिवादी के घर पर विद्युत विभाग की टीम आयी तथा परिवादी के घर का मीटर की फोटो खींच कर मीटर को खोलकर ले गये तथा परिवादी को विद्युत विभाग के ए.ई.एन. नवनीत गुर्जर द्वारा वी.सी.आर. भरने की धमकी देकर तथा घर का मीटर देने की एवज में 25 हजार रूपये रिश्वत राशि मांगी। परिवादी के कहने से एईएन ने राशि कम करके 20 हजार देने पर सहमत हो गया। जिसके बाद भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने फरियादी को केमिकल लगे 20 हजार रुपए देकर ए.ई.एन. को देने हेतु उसके ऑफिस भेजा तथा फरियादी जब ऑफिस चैंबर में जाकर बीस हजार रुपए देने लगा तो उन्होंने कहा कि रुपयों को कंप्यूटर ऑपरेटर को दे जाओ। इस पर फरियादी बीस हजार रुपयों को दलाल कंप्यूटर ऑपरेटर मोहम्मद शाजिम को दे दिए। जिसके बाद बाहर मौजूद एसीबी टीम सदस्यों ने चैम्बर में घुसकर बिजली निगम के ए.ई.एन. नवनीत सिंह गुर्जर और दलाल कालीपलटन निवासी मोहम्मद शाजिम को दबोच कर 20 हजार रिश्वत राशि को बरामद कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

बीकानेर में तेज आंधी-बारिश से सरकारी स्कूल की छत गिरी

बीकानेर, (निसं)। यहां गुरुवार रात को आई तेज आंधी और बारिश से लूणकरणसर के गारबदेसर गांव स्थित राजकीय सीनियर सेकेंडरी विद्यालय में एक कमरे की छत भरभराकर टूट कर गिर गई। इससे कमरे के अंदर रखा फर्नीचर भी क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि स्कूलों में ग्रीष्मावकाश होने और घटना रात के समय होने के कारण बड़ा हादसा टल गया। इस कमरे में कुल साठ पट्टियां लगी हुई है, जिसमें 17 गिर गई।

> ग्रीष्मावकाश होने और घटना रात के समय होने के कारण बड़ा हादसा टल गया

ग्रामीणों के अनुसार रात करीब 11 बजे तेज आंधी और बारिश के दौरान स्कूल भवन के एक कमरे की छत गिर गई। शुक्रवार सुबह जब ग्रामीण और स्कूल से जुड़े लोग परिसर में पहुंचे तो कमरे की छत गिरी हुई मिली। इसके बाद प्रशासन और शिक्षा विभाग को सूचना दी गई।

इन दिनों स्कूलों में छुट्टियां चल रही हैं और घटना रात के समय हुई। यदि स्कूल संचालन के दौरान यह हादसा होता तो छात्र-छात्राओं और शिक्षकों की जान जोखिम में पड़ सकती थी। स्कूल में एक बड़ा हॉल बना हुआ है, जिसमें दसवीं क्लास लगती है। चालीस से ज्यादा स्टूडेंट्स इस क्लास में पढ़ते हैं। गर्मी की छुट्टियां होने के कारण और तूफान रात में होने के कारण बड़ा हादसा टल गया। आश्चर्य की बात है कि गारबदेसर का इस स्कूल का नाम जिले की क्षतिग्रस्त स्कूल भवनों में नहीं था। शिक्षा विभाग ने सभी प्रिंसिपल से रिपोर्ट मांगी थी कि उनका विद्यालय अगर क्षतिग्रस्त है तो इसकी रिपोर्ट दें।

मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) किसनदान चारण ने बताया कि क्षतिग्रस्त स्कूलों की लिस्ट में इस स्कूल का नाम नहीं था। घटना के बारे में पता लगाया जा रहा है।

मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी उमराव यादव ने बताया कि गारबदेसर राजकीय सीनियर सेकेंडरी विद्यालय के एक कमरे की छत गिरने की सूचना मिली है। कनिष्ठ अभियंता के साथ मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जांच के बाद ही घटना के कारणों और भवन की स्थिति के बारे में स्पष्ट जानकारी दी जा सकेगी। घटना के बाद ग्रामीणों और अभिभावकों ने क्षेत्र के अन्य पुराने स्कूल भवनों की भी सुरक्षा जांच कराने की मांग उठाई है, ताकि भविष्य में किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

अलवर-कोटपूतली सड़क पर बारिश से भरा दो फीट पानी

अलवर, (निसं)। बानसूर कस्बे के बाइपास रोड पर हुई मामूली बारिश के बाद मुख्य सड़क पर भारी जलभराव हो गया। अलवर और कोटपूतली को जोड़ने वाली इस मुख्य सड़क पर दो से ढाई फीट तक पानी भर जाने से कई वाहन चालक गिरकर चोटिल हो गए।

> दो से ढाई फीट तक पानी भर जाने से कई वाहन चालक गिरकर चोटिल हो गए

बानसूर कस्बे से निकलने वाली मुख्य बाइपास सड़क इस समय राहगीरों और वाहन चालकों के लिए आफत का सबब बनी हुई है। बीती रात हुई मामूली बारिश ने एक बार फिर स्थानीय प्रशासन और सार्वजनिक निर्माण विभाग के दावों की पोल खोलकर रख दी है। रात को हुई बरसात के बाद सुबह जब लोग अपने घरों से काम के लिए निकले, तो बानसूर बाइपास रोड पर दरिया जैसा नजारा देखने को मिला। सड़क पर करीब दो से ढाई फीट तक गंदा पानी जमा हो गया है, जिससे यह पहचानना भी मुश्किल हो गया है कि सड़क पर गड्ढे हैं या गड्ढों में सड़क।

गौरतलब है कि यह कोई साधारण या गली-मोहल्ले की सड़क नहीं है, बल्कि यह बानसूर कस्बे का मुख्य बाइपास रोड है जो कोटपूतली और अलवर जिले को आपस में जोड़ता है। इस वजह से इस मार्ग पर चौबीसों घंटे भारी वाहनों के साथ-साथ हजारों की संख्या में दोपहिया और चौपहिया वाहनों की आवाजाही बनी रहती है। कनेक्टिविटी के लिए महत्वपूर्ण यह सड़क इतनी खराब हो चुकी है कि यहां से गुजरना अब किसी खतरे से खाली नहीं रह गया है।

कोटा में संविदाकर्मी को 15 हजार की रिश्वत लेते पकड़ा

कोटा, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरोटीम ने ट्रैप कार्रवाई करते हुए कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए) के संविदाकर्मी कपिलराज को 15 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है, वहीं मामले में प्राधिकरण के लिपिक जुगल किशोर को पूछताछ बाद गिरफ्तार किया गया।

एसीबी के महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि एसीबी कोटा को परिवादी द्वारा शिकायत मिली कि श्रीनाथपुरम, कोटा स्थित उसके पैतृक आवास का उसके नाम नामान्तरण दर्ज करवाने के लिए कोटा विकास प्राधिकरण के कर्मचारियों द्वारा लगातार आपत्तियां लगाकर उसे परेशान किया जा रहा है। परिवादी ने शिकायत में आरोप लगाया कि उसके वैध कार्य को करने की एवज में केडीए कर्मचारी जुगल किशोर एवं संविदाकर्मी कपिलराज द्वारा 50,000 रुपये रिश्वत की मांग की जा रही है। 2 जून और 4 जून को किये गये मांग सत्यापन के दौरान आरोपियों द्वारा रिश्वत की मांग किए जाने की पुष्टि हुई। एसीबी कोटा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय स्वर्णकार ने बताया कि टीम ने कार्यवाही के लिये ट्रैप का जाल फैलाया, केडीए के संविदाकर्मी कपिलराज ने केडीए की कैंटिन में परिवादी को बुलाकर रुपये ले लिये, जिस पर एसीबी टीम ने केडीए कैंटीन में परिवादी से 15 हजार रुपये रिश्वत राशि प्राप्त करते हुए आरोपी कपिल राज को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। वहीं मामले में परिवादी ने केडिए के लिपिक जुगल किशोर के खिलाफ भी रिश्वत मांगने की शिकायत दी थी, जिस पर आरोपी जुगल किशोर से मामले में पूछताछ के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

ट्रेलर की चपेट में आने से महिला की मौत

कोटा, (निसं)। कोटा के रानपुर थाना इलाके में ट्रेलर की चपेट में आने से बाइक सवार महिला की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार मोड़क निवासी रहनुमा अपने पति के साथ डॉक्टर को दिखाने के लिये कोटा आ रही थी, दम्पती रानपुर क्षेत्र स्थित आरटीओ कार्यालय के सामने से गुजर रहे थे, तभी आगे चल रहे ट्रेलर के चालक ने अचानक स्टेरिंग घुमा दिया और पीछे चल रहे बाइक सवार डिवाइडर से टकराकर अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गये। हादसे में ट्रेलर का पिछला टॉयर महिला के शरीर पर होकर गुजर गया, जिससे महिला की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मामले में सामने आया कि महिला पति के साथ डॉक्टर को दिखाने के लिये कोटा आ रही थी, हादसे की सूचना पाकर रानपुर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने बताया कि दोनों पति-पत्नी मोड़क से कोटा आ रहे थे, रास्ते में ट्रेलर ने टक्कर मार दी, हादसे में मोड़क निवासी रहनुमा (26) की मौत हो गई। मृतका के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया, मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

लूट की नीयत से की थी युवक की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

पचेरी कलां, (निसं)। पचेरी कलां थाना पुलिस ने एक हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस जांच में सामने आया कि युवक की हत्या लूट की नीयत से की गई थी। मामले में आरोपी राजेश कुमार को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर आगे की पूछताछ की जा रही है।

> मामले में आरोपी राजेश कुमार को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर पूछताछ की

पुलिस के अनुसार 22 अप्रैल को सहड़ निवासी कृष्ण कुमार ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसका चचेरा भाई विक्रम 21 अप्रैल की रात गुरुग्राम से बस द्वारा अपने गांव लौट रहा था, लेकिन घर नहीं पहुंचा। अगले दिन उसका शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने की सूचना मिली। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए मामला दर्ज कराया था। इस पर पुलिस ने हत्या का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने हत्या एवं दुष्कर्म के एक अन्य मामले में नामजद आरोपी राजेश कुमार (24) निवासी रामसर, थाना पचेरी कलां से पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि 21 अप्रैल की रात उसने पचेरी कलां से सहड़ जाने वाले मार्ग पर पैदल जा रहे युवक को देखकर लूट की योजना बनाई। आरोपी ने लोहे की रॉड से हमला कर युवक को गंभीर चोटें पहुंचाई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बाद में जब मृतक के पास कोई कीमती सामान नहीं मिला तो वह वहां से फरार होकर अपने बाड़े में छिप गया। पुलिस ने आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर लिया है। मामले में आगे का अनुसंधान जारी है तथा पुलिस अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

घी कारोबारी के ठिकानों से 60 लाख रु. जब्त

बीकानेर, (निसं)। तिरुपति बालाजी मंदिर (टीटीडी) के महाप्रसाद (लड्डू) के घी में मिलावट और धोखाधड़ी के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के हैदराबाद क्षेत्रीय कार्यालय की टीमों ने बीकानेर सहित देश के अलग-अलग हिस्सों में 15 ठिकानों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया। बीकानेर के घी व्यवसायी आशीष अग्रवाल के आवासीय और कार्यालय परिसरों पर ईडी ने छापा मारकर कड़ाई से जांच की है।

ईडी ने बीकानेर के अलावा अहिल्यानगर, देहरादून, दिल्ली, डिंडीगुल, गुंटूर, मुंबई और रुड़की में सर्च अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान 60 लाख रुपये की नकदी जब्त की है। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने अपराध से कमाए धन (प्रोसीड्स ऑफ क्राइम) से 45 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया हुआ था। आरोपियों और उनके परिजनों के नाम दर्ज कई बेनामी व कीमती अचल संपत्तियों के दस्तावेज भी हाथ लगे हैं। कारोबारियों ने काली कमाई को सफेद करने के लिए फर्जी खरीद-फरोख्त का एक जटिल नेटवर्क बनाया गया था, जिसकी कड़ियां अब बीकानेर से भी जोड़ी जा रही हैं।

ऑनलाइन परीक्षा में नकल करवाने व षड्यंत्र का आरोपी गिरफ्त में

मामले में पूर्व में 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चूका है

कोटा, (निसं)। आरकेपुरम् क्षेत्र में कोटा ऑनलाइन आईटी एजुकेशन सेन्टर पर सीसीआरएएस की ऑनलाइन परीक्षा में नकल करवाने के मामले में आरकेपुरम् पुलिस टीम ने पांच हजार के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है, पुलिस टीम ने मामले में 13 आरोपियों को पूर्व में गिरफ्तार किया था, अब तक मामले में 14 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि थाना आरकेपुरम् क्षेत्र स्थित ऑनलाइन आईटी एजुकेशन सेन्टर पर 27 नवम्बर 2025 को ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की गई थी, परीक्षा को निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से कराने का जिम्मा डेक्सआईटी ग्लोबल प्रा कंपनी के पास था। 27 नवम्बर 2025 को परीक्षा केन्द्र पर आरोपियों द्वारा कुछ परीक्षार्थियों को प्रश्न पत्र के हल किये गये उत्तरों की पर्चिया पकड़ाकर नकल कराने के सम्बन्ध में फरियादी द्वारा दी गई रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए विशेष टीम का गठन किया गया।

शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम ने मामले में अनुसंधान किया तो अनुसंधान से सामने आया कि कोटा ऑनलाइन आईटी एजुकेशन सेन्टर, बी-41 आरकेपुरम् कोटा के पास उक्त एड्रेस पर ऑनलाइन परीक्षा कराने हेतु अधिकृत दस्तावेज नहीं होने के बावजूद कंपनी द्वारा इस एड्रेस पर परीक्षार्थियों के एडमिट कार्ड जारी किये और सीसीआरएएस द्वारा परीक्षा केन्द्र बनाया गया। इस हेतु आरोपियों ने आपस में मिलीभगत और सांठगांठ कर सुनियोजित तरीके से षड़यंत्र कर ऑनलाइन परीक्षा के दौरान मोबाइल से प्रश्न पत्र की कम्प्यूटर स्क्रीन की वीडियो रिकॉडिंग तैयार की तथा प्रश्नों के हल किये गये उत्तर (सोल्वड आन्सर) लिखे हुए कागज/पर्चे परीक्षार्थियों को पहुंचाकर नकल/चिटिंग करवाई गई।

मामले में जिला चूरू के घंटेल निवासी रोहिताश्व स्वामी उर्फ भाया उर्फ डॉक्टर फरार चल रहा था, वांछित चल रहे आरोपी पर 5 हजार का इनाम राशि घोषित की गई। शहर एसपी ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर गठित विशेष टीम ने संभावित स्थानो पर दबिश दी, आरोपी अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदल रहा हैं।

जिस पर विशेष टीम कोटा से रवाना होकर चूरू पहुँची तथा आरोपी की तलाश प्रारम्भ की। सूचना के आधार पर जानकारी मिली कि आरोपी चूरू से उदयपुर की ओर गया हैं, जिस पर विशेष टीम ने चुरू से उदयपुर तक लगभग 650 किमी आरोपी का पीछा कर आरोपी रोहिताश्व स्वामी उर्फ भाया उर्फ डॉक्टर को उदयपुर के हिरण मगरी थाना क्षेत्र से डिटेन करने में सफलता हासिल की, आरापी से अनुसंधान जारी है।

डीएपी खाद के कट्टों से भरी पिकअप जब्त

छबड़ा, (निसं)। पुलिस व कृषि विभाग की संयुक्त टीम ने गुरुवार देर रात अवैध रूप से ले जाई जा रही डीएपी खाद की खेप जब्त की। पुलिस ने खानपुर (झालावाड़) से छबड़ा होते हुए फतेहगढ़ (मध्यप्रदेश) भेजे जा रहे 70 डीएपी खाद के कट्टों से भरी पिकअप जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई में कृषि विभाग के सहायक निदेशक चौथमल मीणा भी शामिल रहे।

सीआई राजेश खटाना ने बताया कि अवैध कृषि खाद व नकली खाद के परिवहन व कालाबजारी को रोकने के लिए ऑपरेशन धरती पुत्र रक्षक चलाया जा रहा है। जिसके तहत जिलेभर में इस प्रकार की अवैध गतिविधियों को रोकने व किसानों को समुचित मात्रा में खाद की मात्रा की आपूर्ति के लिए कृषि विभाग से समन्वय कर ऑपरेशन चलाया जा रहा है। इसके तहत कृषि व पुलिस विभाग की टीम ने 70 डीएपी खाद के कट्टों से भरी पिकअप जब्त कर दिनेश धाकड़ व दीपक किराड़ को गिरफ्तार किया गया।

इस्लामपुर गांव का नाम श्रीरामपुर करने के प्रस्ताव पर ग्रामीणों का विरोध तेज

झुंझुनूं भाजपा विधायक की सिफारिश पर सीएमओ ने रिपोर्ट मांगी

झुंझुनूं, (निसं)। जिले के ऐतिहासिक गांव इस्लामपुर का नाम बदलकर 'श्रीरामपुर' करने के प्रस्ताव को लेकर राजनीतिक और सामाजिक बहस तेज हो गई है। एक ओर झुंझुनूं के भाजपा विधायक राजेन्द्र भाम्भू ने इसे जनता की लंबे समय से चली आ रही मांग बताते हुए सांस्कृतिक पहचान को पुनर्जीवित करने की पहल करार दिया है, वहीं दूसरी ओर गांव के सर्वसमाज के लोगों ने इसका विरोध करते हुए जिला प्रशासन को आपत्ति पत्र सौंपा है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा इस संबंध में जिला प्रशासन से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगे जाने के बाद मामला चर्चा के केंद्र में आ गया है। अब जिला प्रशासन ऐतिहासिक तथ्यों, राजस्व अभिलेखों, जनभावनाओं तथा कानून-व्यवस्था से जुड़े पहलुओं की समीक्षा कर अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को भेजेगा।

> ग्रामीणों का कहना है कि इस्लामपुर नाम दशकों से गांव की पहचान रहा है और इसे बदलना ऐतिहासिक विरासत के साथ-साथ स्थानीय पहचान को भी प्रभावित करेगा

इस्लामपुर के प्रशासक एवं पूर्व सरपंच आमीन मणियार के नेतृत्व में सर्वसमाज के लोगों ने विरोध जताया।

जानकारी के अनुसार झुंझुनूं विधायक राजेंद्र भाम्भू ने गत 17 फरवरी को मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इस्लामपुर गांव का नाम बदलकर 'श्रीरामपुर' करने की अनुशंसा की थी। इसके बाद मुख्यमंत्री कार्यालय के उपसचिव जयप्रकाश नारायण ने 29 मई को जिला कलैक्टर को पत्र भेजकर पूरे मामले की जांच कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। विधायक भाम्भू का कहना है कि क्षेत्र के लोगों द्वारा लंबे समय से गांव की सांस्कृतिक और प्राचीन पहचान को पुनःस्थापित करने की मांग की जा रही थी। जनभावनाओं का सम्मान करते हुए उन्होंने यह प्रस्ताव शासन तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया लोकतांत्रिक और नियमानुसार है।

नाम परिवर्तन के प्रस्ताव के विरोध में ग्राम पंचायत इस्लामपुर के प्रशासक व पूर्व सरपंच आमीन मणियार के नेतृत्व में सर्वसमाज के लोगों ने जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों का कहना है कि इस्लामपुर नाम दशकों से गांव की पहचान रहा है और इसे बदलना ऐतिहासिक विरासत के साथ-साथ स्थानीय पहचान को भी प्रभावित करेगा। ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि इस्लामपुर झुंझुनूं जिले का सबसे बड़ा एकल राजस्व गांव है, जिसकी आबादी लगभग 15 हजार तथा मतदाता संख्या करीब 8,500 है। नाम परिवर्तन की स्थिति में लोगों को आधार कार्ड, जनआधार, भूमि रिकॉर्ड, बैंक दस्तावेज, शैक्षणिक प्रमाण पत्र सहित अनेक सरकारी अभिलेखों में संशोधन करवाने की जटिल प्रक्रिया से गुजरना पड़ेगा।

जिला मुख्यालय से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित इस्लामपुर शेखावाटी अंचल की ऐतिहासिक बसावटों में शामिल माना जाता है। इतिहासकारों के अनुसार कायमखानी नवाबों के शासनकाल में इस क्षेत्र का प्रशासनिक और सामरिक महत्व बढ़ा, जिसके बाद इस्लामपुर नाम प्रचलन में आया।

18 लाख की ठगी का आरोपी गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। निवाई में 18 लाख की ठगी के आरोपी को निवाई थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है, आरोपी पिछले चार साल से फरार था। जिस पर 6 हजार रुपए का इनाम भी घोषित था। आरोपी ने सोलर प्लांट लगाने और सरकारी सब्सिडी दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी की थी।

> सोलर प्लांट लगाने और सरकारी सब्सिडी दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी की थी

निवाई थाना प्रभारी घासीराम ने बताया कि आरोपी ईशाक मोहम्मद मंसूरी उर्फ सोनू निवाई थाने में धोखाधड़ी के मामले में वांछित था। परिवाद के अनुसार आरोपियों ने प्रकाश एंटरप्राइजेज के माध्यम से लोगों को सोलर प्लांट लगाने और सरकारी सब्सिडी दिलाने का भरोसा दिलाकर 18 लोगों से 18 लाख 88 हजार रुपए जमा कर लिये। जिसके बाद राशि लेने के बावजूद न तो सोलर प्लांट लगाए गए और न ही पीड़ितों को सब्सिडी का लाभ मिला। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी ईशाक मोहम्मद मंसूरी के खिलाफ भीलवाड़ा के आसींद और अजमेर के आदर्श नगर थानों में भी धोखाधड़ी के अन्य मामले दर्ज है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, सा.नि.वि. वृत करौली

क्रमांक :-404 दिनांक :- 27-5-2026

निविदा सूचना संख्याः 02/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर जिला करौली में विभिन्न स्थानों पर एस.आर प्रोग्राम की सडकों के निर्माण कार्य के लिए मय नियमानुसार मरम्मत एवं संधारण की अवधि लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों में पंजीकृत एए'' ''ए'' श्रेणी तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेन्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में 5 निर्माण कार्य हेतु जिनकी कुल राशि रूपयें 278.96 लाख है, प्राप्त की जावेगी। निविदा से सम्बधित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। कार्यवार संख्या निम्नानुसार है।

NIB No.	UBN No.
PWD2627A0807	PWD2627WSOB03506
PWD2627A0808	PWD2627WSOB03512

(देवेन्द्र कुमार गुप्ता)
अधीक्षण अभियन्ता,
सा0नि0वि0 वृत्त-करौली

DIPR/C/9590/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता
जन स्वा.अभि. विभाग खण्ड सॉचौर

एन.एच. 68, PHED Campus, सॉचौर (जालोर)

Te. Pho. No 02979-283624 E-mail.: eephedscr@gmail.com

कमांकः अ.अ./ जन स्वा./ सॉ / निविदा/2026-27/506 दिनांकः- 29/05/2026

निविदा सुचना संख्या - 04 / 2026-27

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से खण्ड सॉचौर के अधीन विभिन्न कार्य कराने हेतु लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया में ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण निम्नानुसार हैः-

कार्यालय का नाम व स्थान	अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वा. अभि. विभाग खण्ड सांचौर
निविदा का कार्य	Daily periodical operation of valve at supply times for specified by department per sluice valve, leakage removal of difference size pipe line
निविदा की कुल लागत (राशि लाखो में)	कुल निविदा 02 रु. 25.00 लाख
निविदा प्रपत्र वेबसाईड पर उपलब्ध एवं ऑन लाईन सबमिट की दिनांक	01.06.2026 से 11.06.2026 को 13.00 बजे तक
निविदाएँ खोलने की तिथी व समय	12.06.2026 को 12.00 बजे से
UBN No	PHE2627WSRC01584 PHE2627WSRC01585

निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://dipr.rajasthan.gov.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा एवं भरा जा सकता है। शुद्धि पत्र केवल वेबसाईड पर ही अपलोड किये जायेगे।

(पृथ्वीसिंह) अधिशाषी अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग, खण्ड सॉंचौर

DIPR/C/9739/2026

PUBLIC NOTICE

हमारे सम्मानित ग्राहकों की बेहतर सुविधा के लिए, हम अपनी बस्सी शाखा का विलय जयपुर कार्यालय में कर रहे हैं। जयपुर कार्यालय का पता है: 811, आठवीं मंजिल, सिग्नेचर टावर, लाल कोठी, जयपुर। फ़ोन नंबर: 0141-4021009

प्रबंधन-SRNG फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड

श्रद्धांजलि

श्री आर.डी. बाहेती जी
(हास्य सम्राट)
(पूर्व अध्यक्ष एवं संरक्षक श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर) के निधन पर हम सभी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।
आपका प्रेरणादायी व्यक्तित्व सदैव हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा।
श्रद्धावनतः रमेश चन्द्र मनिहार, राजेन्द्र मूंदड़ा, रामस्वरूप कोठ्यारी, राधेश्याम खटोड़, रामस्वरूप जाजू, श्री ज्योति माहेश्वरी (सोमानी), सीताराम मालपानी, बिहारी लाल साबू, राम अवतार अजमेरा, सत्यनारायण मांधना (हस्ति पाइप), मुरलीधर राठी, नटवर गोपाल मालपानी, सत्यनारायण काबरा (मा.न.), मनोहर लाल सारड़ा, सत्यनारायण काबरा (जे.डी.), घनश्याम दास मूंदड़ा (संरक्षक, श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर) बालकिशन सोमानी, बजरंग जाखोटिया, प्रदीप बाहेती, केदारमल भाला (पूर्व अध्यक्ष, श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

नाम परिवर्तन

मैं किरण उदेनिया पुत्री श्री रामस्वरूप उदेनिया आयु-28 वर्ष जाति- रेगर, मैंने मेरा नाम किरण उदेनिया (Kiran Udeniya) से बदलकर निहारिका (Niharika) रख लिया है। भविष्य में मुझे निहारिका (Niharika) नाम से जाना/ पहचाना जाये। निवासी- P.No.251, रैगरो का मोहल्ला, हरमाडा, जयपुर, राजस्थान।

मैनें अपना नाम मोहम्मद साजिद खान MOHMAD SAZID KHAN से बदलकर मोहम्मद साजिद MOHAMMED SAJID पुत्र अब्दुल समद, निवासीः-ग्राम बहतेड, पोस्ट मलारना डूंगर, जिला सवाई माधोपुर राज. रख लिया है भविष्य में मुझे MOHAMMED SAJID के नाम से जाना पहचाना जावें।

मैं प्रतीक्षा रावत पुत्री आर.एस.रावत (राजेन्द्र सिंह रावत) ने राहुल सेठी पुत्र टीकमचन्द सेठी 34, सुन्दर विहार दुर्गापुरा जयपुर से विवाहोपरान्त अपना नाम गौरी सेठी रखा है। अब मैं गौरी सेठी नाम से जानी जाऊंगी।

I have my Name from Rohit Kumar to Rohit Kumar Tibrewal. In future known by Rohit Kumar Tibrewal S/o Ashok Kumar Tibrewal R/o Plot No. 07 Prem Sagar, Sanganer Railway Station Road, Near Dadabari, Sanganer, Jaipur Raj.302029

खोया पाया

मेरे प्लॉट न. 41 द्रोणपुरी, लालरपुरा, अजमेर रोड जयपुर का मूल पट्टा, साईट प्लान, नक्शा गुम हो गया है। जो वीना पुरी पत्नी शशी भूषण पुरी के नाम से है। कृपया मिलने पर सूचित करे- 9950012320

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य भरत सिंह सोनी पुत्र स्व. श्री करतार सिंह, ए-39, जय अम्बे, नगर टोंक रोड, जयपुर की पत्नी श्रीमती कमला देवी, पुत्र धरमसिंह सोनी एंव पुत्री ज्योतिरानी सोनी निवासीगण ए-39, जय अम्बे नगर, टोंक रोड जयपुर मेरे अभिभाष्य के कहने में नही है। अतः मेरे अभिभाष्य ने उक्त तीनो को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है, किसी भी व्यक्ति द्वारा इनसे किये गये संव्यवहार एंव किये गये किसी भी कार्य का वह स्वयं जिम्मेदार रहेगा, सूचित रहें।
नईमुद्दीन आकिल (एडवोकेट) मो0 न0. 9314656420

NAME CHANGE

I, Rajendra Singh (Army No. 3022092A), son of Shri Lakhan Singh a resident of kheda, District Karauli (Rajasthan) and belonging to the Gurjar community do hereby solemnly declare that my mother's name is recorded as 'Harpati' in my Army records. However, in all her other documents, the name is recorded as 'Harpati Devi,' which is the correct name. The correct name, 'Harpati Devi,' should also be reflected in the Army records.

नाम परिवर्तन

I, Anuradha Bhatt, wife of Sushil Kumar Pancholi, resident of Phulera, District Jaipur, declare by affidavit that my real name is Anuradha Bhatt. My husband's service record erroneously listed Anuradha Pancholi. Furthermore, my date of birth is listed as 21.08.1987, whereas my actual date of birth is 21.08.1985. In the future, I will be known only as Anuradha Bhatt.

नम्बर मिलाइए
8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

बिजली-पानी की बचत, पौधारोपण और प्लास्टिक के कम उपयोग से संवारे पर्यावरण : मुख्यमंत्री

राजस्थान को हरित, स्वच्छ और जल संपन्न बनाने में हर नागरिक दें योगदान : भजनलाल शर्मा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेशवासी प्रकृति के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाएं और राज्य को हरित, स्वच्छ और जल संपन्न बनाने में योगदान दें। बिजली-पानी की बचत, पौधारोपण, प्लास्टिक के उपयोग को कम करें और पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाकर प्राकृतिक संसाधनों का संवर्धन करें ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वायु, निर्मल जल और हरित आवरण मिले। मुख्यमंत्री शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आमजन से वर्षा ऋतु में मिशन हरियालो राजस्थान के अंतर्गत अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की दिशा में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान, हरियालो राजस्थान जैसी पहल की हैं जिनके सकारात्मक परिणाम आए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने मिशन हरियालो में 5 वर्षों में 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है, जिसमें से लगभग 19 करोड़ पौधे लग चुके हैं। इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चयनित जिलों में 11-11 हजार पौधे लगाकर नमो चंदन वन स्थापित किए जा रहे हैं। जिला मुख्यालयों पर नमो नर्सरी, प्रत्येक पंचायत समिति स्तर पर नमो वन, 16 जिलों में मॉडल उद्यान ऑक्सीजोन, 21 जिलों में गोबरधन-परियोजना के तहत बायो-गैस संयंत्र, 29 अमृत शहरों में वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के साथ ही, जयपुर में वायु गुणवत्ता पूर्वानुमान के लिए अर्ली वॉर्निंग सिस्टम स्थापित किया गया है।

विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि राजस्थान पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन के क्षेत्र में नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है। वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई और जनभागीदारी आधारित अभियानों से आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित एवं हरित पर्यावरण सुनिश्चित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस पर झालाना के विश्व वानिकी वृक्ष उद्यान में बरगद का पौधा रोपकर 'हरियालो राजस्थान' और 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, वन राज्यमंत्री संजय शर्मा, सांसद मंजू शर्मा भी मौजूद रहे।

समारोह में अलवर एवं भिवाड़ी में अर्ली वार्निंग सिस्टम का शुभारंभ किया गया। साथ ही, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल एवं वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के मध्य एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। ग्रीन-को रेटिंग योजना और हैकाथॉन विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। इस दौरान आरएसपीसीबी के 4 क्षेत्रीय कार्यालयों का शिलान्यास, 7 नवीन पौधशालाओं तथा 8 प्रे-बेस ऑग्मेंटेशन एनक्लोजर्स का लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री ने कैम्पा योजना के अंतर्गत निर्मित 5 फॉरेस्ट गार्ड चौकियों, 1 क्षेत्रीय अधिकारी कार्यालय एवं आवासीय भवन का लोकार्पण भी किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर एक नन्हे पर्यावरणमित्र ने मंच पर जाकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का ऑटोग्राफ मांगा। जिस पर मुख्यमंत्री ने बच्चे को दुलारते हुए ऑटोग्राफ देकर बच्चे का उत्साहवर्धन किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने 'प्रकृति से प्रेरित' प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

- **समारोह में नन्हे पर्यावरणमित्र ने ऑटोग्राफ मांगा तो मुख्यमंत्री ने बच्चे को दुलारते हुए ऑटोग्राफ देकर उसका उत्साहवर्द्धन किया**
- **अलवर और भिवाड़ी में अर्ली वार्निंग सिस्टम का शुभारंभ, आरएसपीसीबी के 4 क्षेत्रीय कार्यालयों का शिलान्यास**

उन्होंने विभिन्न स्टालों का अवलोकन किया एवं पर्यावरण संरक्षण की नवीनतम तकनीक एवं उपकरणों की जानकारी ली। समारोह में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, सांसद मंजू शर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार, आरएसपीसीबी अध्यक्ष अपर्णा अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन आनंद कुमार, प्रधान मुख्य वन संरक्षक अरिजीत बनर्जी सहित वरिष्ठ अधिकारीगण, पर्यावरणविद् एवं प्रकृति प्रेमी उपस्थित रहे।

मासूम को स्कॉर्पियो से कुचला

जयपुर। झोटवाड़ा क्षेत्र में गुरुवार शाम घर के बाहर खेल रहे एक वर्षीय मासूम बच्चे को पडौसी ने स्कॉर्पियो गाड़ी से कुचल दिया। गंभीर रूप से घायल बच्चे को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने वाहन जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर लिया है। हैड कांस्टेबल सज्जन सिंह ने बताया कि हादसे में जालूपुरा निवासी मोहम्मद रिजवान के एक वर्षीय पुत्र मोहम्मद इब्राहिम की मौत हुई है। रिजवान मजदूरी करता है, उसकी पत्नी करीब 7 दिन पहले अपने बेटे और बेटी को लेकर झोटवाड़ा के जगन्नाथपुरी स्थित पीहर आई हुई थी। गुरुवार देर शाम को इब्राहिम घर के बाहर खेल रहा था।

कार्यालय नगरपरिषद कुचामन सिटी(डीडवाना-कुचामन)

क्रमांक-न.प.कु./2026-27/1271 दिनांक-05.06.2026

आम सूचना

नगरपरिषद् कुचामन सिटी क्षेत्र एवं पैराफेरी क्षेत्र में कृषि भूमि पर अवैध/अनाधिकृत रूप से आवसीय कॉलोनियां विकसित की जाकर प्लॉट क्रय/विक्रय करने वालों को सूचित किया जाता है कि नगरपरिषद् कुचामन सिटी से विना अकृषि प्रयोजन रूपान्तरण एवं बिना ले-आउट प्लान अनुमोदित करायें किसी प्रकार से भूमि/प्लॉट क्रय/विक्रय नहीं करें एवं ना ही कृषि भूमि में किसी प्रकार का कोई विकास कार्य करें एवं अवैध रूप से की गई प्लॉटिंग /पत्थरगढ़ी हटा लेते। आवसीय कॉलोनी विकसित करने से पूर्व नियमानुसार नगरपरिषद् में अकृषि प्रयोजनार्थ रूपान्तरण एवं ने-आउट प्लान अनुमोदन हेतु पत्रावली प्रस्तुत करे एवं सावली अनुमोदन के पश्चात अग्रिम कार्यवाही करें। अन्यथा नगरपालिका अधिनियम 2009 के सुरस्यत प्रावधानों के तहत आपके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जायेगी। इसके अतिरिक्त भू-खण्ड क्रेताओं को भी सूचित किया जाता है कि किसी भी गैर-अनुमोदित कॉलोनी में कोई प्लॉट क्रय नहीं करें एवं निर्माण कार्य नहीं करें अन्यथा किसी भी प्रकार की अग्रिम कार्यवाही हेतु भूखण्ड अंताओं की स्वय की जिम्मेदारी होगी।

– आयुक्त, नगरपरिषद, कुचामन सिटी

राजस्थान - सरकार

कार्यालय वरिष्ठ प्रबन्धक विश्राम भवन करौली

क्रमांक:- वि.भ.क/2026-27/59 दिनांक: 04-06-2026

निविदा सूचना

सर्किट हाउस, करौली में वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु निम्नानुसार सेवाओं एवं सामग्री के उपापन हेतु वार्षिक दर अनुबन्ध के लिये इच्छुक अनुभवी एवं प्रतिष्ठित निविदादाताओं से निर्धारित निविदा प्रपत्र में द्वि-प्रक्रमी पद्धति से खुली निविदाऐं दिनांक 05.06.2026 से दिनांक 11.06.2026 को दोपहर 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जिसे दिनांक 11.06.2026 को दोपहर 2.00 बजे खोला जावेगा।

निविदा प्रपत्र एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण एवं जानकारी राजस्थान राज्य लोक उपापन पोर्टल www.sppp.rajasthan,gov.in पर देखी जा सकती है।

क्र. सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत	निविदा अवधि	NIB CODE UBN NO
1	सर्किट हाउस, करौली में सफाई एवं बागवानी कार्य	4.90 लाख	05.06.2026 से 11.06.2026	CKL2627A0008 CKL2627SSOB00008
2	सर्किट हाउस, करौली में रसोईया (कुक) एवं वेटर कार्य	4.90 लाख	05.06.2026 से 11.06.2026	CKL2627A0009 CKL2627GSOB00009
3	सर्किट हाउस, करौली में किराना/परचूनी सामग्री एवं पेरिशोबिल/सफाई सामग्री दर संविदा	8.00 लाख	05.06.2026 से 11.06.2026	CKL2627A0010 CKL2627GSOB00010

(भरत लाल नाथ)
वरिष्ठ प्रबन्धक
सर्किट हाउस करौली

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)

व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 74/2025
विषय- संरक्षक नियुक्त करने बाबत प्रार्थना पत्र।
प्रार्थी का नाम- रूची तोषनीवाल पत्नी स्व. केतन तोषनीवाल जाति महाजन विवाद स्थान- मकान नंबर 921 बाबा हरीशचन्द्र मार्ग तीसरा चौराहा चौकडी तोपखाना देश चांदपोल बाजार जयपुर मृतक केतन तोषनीवाल की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 04.07.2026
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम स्व. केतन तोषनीवाल पुत्र श्री कमल किशोर तोषनीवाल जाति महाजन निवासी यूनिट नं. 102 प्रथम मंजिल प्लाट नंबर 26-31 नरेन्द्र नगर स्वेज फार्म सोडाला का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में आवश्यक पुत्रिया का संरक्षक नियुक्त कर सम्पत्ति विक्रय करने की अनुमति प्रदान किया जावें।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 04 माह 07 सन् 2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 02 माह 06 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

मोहर अदालत

आज्ञा से-न्यायाधीश
पारिवारिक न्यायालय 5
जयपुर महानगर प्रथम

नोटिस मजरिये अदालत

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी रामपुरा डाबडी जिला जयपुर
व मुकदमा नम्बर 86 सन् 2025 बरजुब

कमलेश व अन्य — मुदई
बनाम
नारायणी देवी व अन्य — मुद्दायलह

प्रार्थना पत्र धारा 128 एल0आर0एक्ट
बनाम
1. बीना देवी पुत्री दुर्गानारायण जाति मीणा निवासी ग्राम मोटू का बास तहसील रामपुरा डाबडी जिला जयपुर, 2. नीतू पुत्री परमेश्वर लाल जाति माली निवासी ग्राम पोस्ट बुगाला वाया नवलगढ जिला झुन्झुनू, 3. परमेश्वर लाल पुत्र ओंकारमल जाति माली निवासी ग्राम पोस्ट बुगाला वाया नवलगढ जिला झुन्झुनू, 4. कायाकल्प हर्बल प्रा0लि0 73 सूरज नगर ईस्ट सिविल लाईन जयपुर जरिये डायरेक्टर कुलशुम मलिक, 5. जयपुर विकास प्राधिकरण जयपुर पता जवाहर लाल नेहरू मार्ग रामबाग सर्किल जयपुर जरिये सचिव।
हरगाह कि मु. प्रार्थी ने अदालत हाजा में दरख्वास्त पेश की है कि..
लिहाजा आपको जरिये हाजा मुत्तला किया जाता है कि आप अदालत हाजा में व तारीख 8 माह 6 सन् 2026 ई. वक्तअदालत असालतन या जरिये वकील हाजिर होकर खिलाफ मन्जूरी दरख्वास्त और कोई वजह रखते हो तो जाहिर करों व सूरत आपकी अदम हाजरी में दरख्वास्त इकतरफा समाअत की जाकर फैसिल होगी।
आज तारीख 04 माह 06 सन् 2026 बसब्त हमारे दस्तखत मोहर अदालत में जारी हुआ।
उपखण्ड अधिकारी -रामपुरा डाबडी, जिला- जयपुर

पंजाब में छिपा 25 हजार का इनामी नशा तस्कर गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन मदाश्विन' के तहत एक और बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देशन में एएनटीएफ ने अंतरराज्यीय नशा तस्करी नेटवर्क पर लगातार शिकंजा कसते हुए पंजाब में तीसरे दिन भी कड़ी कार्रवाई की।

राजस्थान राज्य सहकारी आवासन संघ लि., जयपुर
5 वी व 6ठी मंजिल नेहरू सहकार भवन, 22 गोदाम सर्किल, जयपुर
Phone: 0141-2741805, E-mail: rschfjaipur@yahoo.com
Office website:- www.rschf.com
क्रमांक :- 48/26 दिनांक :- 02/06/26
आम सूचना संघ की आवासीय योजना कमला नेहरू नगर, अजमेर रोड, जयपुर का भवन संख्या-2-छ-12 श्री बीरबल सिंह पुत्र श्री गोरूराम को आवंटित किया गया था, जिसकी संघ द्वारा दिनांक 06.02.1997 को कन्वेन्स डीड एवं परप्च्यूचल लीज जारी कर रजिस्ट्री करवा दी गई थी। उक्त भवन को श्री बीरबल सिंह द्वारा रजिस्टर्ड विक्रय पत्र से दिनांक 06.02.1997 को श्री गुरुप्रकाश सिंह कपूर को विक्रय कर दिया गया। श्रीमती चारू कपूर पत्नि श्री शेखर शर्मा द्वारा श्री गुरुप्रकाश सिंह कपूर एवं उनकी पत्नि श्रीमती प्रेम कपूर के मृत्यु प्रमाण पत्र, अनरजिस्टर्ड वसीयतनामा एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर स्वयं के नाम उक्त भवन ट्रांसफर करने हेतु आवेदन किया गया है। जिस किसी को उक्त भवन के हस्तांतरण पर आपत्ति हो, तो संघ कार्यालय में 15 दिवस में प्रमाण सहित प्रस्तुत करें, अन्यथा भवन संख्या 2-छ-12, कमला नेहरू नगर, अजमेर रोड, जयपुर को श्रीमती चारू कपूर पत्नि श्री शेखर शर्मा के नाम हस्तांतरण कर दिया जावेगा।
(योगेश शर्मा) प्रबन्ध निदेशक
राजस्थान राज्य सहकारी, आवासन संघ लि. जयपुर

मदरामपुरा गृह निर्माण सहकारी समिति लि. जयपुर
(कार्यालय- 330 वसुन्धरा कॉलोनी, टोंक रोड, जयपुर)
Ref No. MPGNSS/2026/48 Date: 05/06/2026
वार्षिक आम सभा सूचना
मदरामपुरा गृह निर्माण सहकारी समिति लि. जयपुर के समस्त सदस्यों को सूचित किया जाता है कि समिति की वार्षिक आम सभा दिनांक 23/06/2026 को प्रातः 11 बजे समिति के वर्तमान कार्यालय 330, वसुन्धरा कॉलोनी, टोंक रोड, जयपुर पर आयोजित की जा रही है जिसमें आपकी उपस्थिती अनिवार्य हैं। आम सभा एजेण्डा इस प्रकार है:-1. कार्यकारिणी के कार्यो के संबंध में विचार 2. ऑडिट रिपोर्ट पर विचार 3. आक्षेपपूर्ति पर विचार 4. समिति के चुनाव करवाने पर विचार एवं अन्य विषयों पर अध्यक्ष महोदय की अनुमति से विचार-विमर्श किया जावेगा। कोरमपूर्ति के अभाव में आम सभा उसी दिन निर्धारित समय के आधे घंटे पश्चात् आयोजित की जायेगी।
(मंत्री)

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि फ्लेट न. एस- 02 द्वितीय फ्लोर प्लाट न. 183 स्कीम नम्बर 04 प्रेम नगर गुर्जर की थडी गोपालपुरा बाइपास जयपुर के असल दस्तावेजो पर ऋण प्राप्त कर वीरेन्द्र सिंह द्वारा एचडीएफसी बैंक लिमिटेड मे रहन किये गये थे। वीरेन्द्र सिंह का निधन दिनांक 22.02.2026 को हो गया जिसकी मृत्यु के पश्चात उसके कानूनी वारिसान मे उसकी माता श्रीमती विमला देवी, पत्नी रीना कुमारी नौहवार एवं पुत्र तनिष्क सिंह, पुत्री पूर्वी फौजदार ही एक मात्र कानूनी वारिसान बताये गये है तथा उपरोक्त सम्पत्ति के दस्तावेजो को तनिष्क सिंह, पूर्वी फौजदार जरिये प्राकृतिक संरक्षिका रीना कुमारी नौहवार एवं श्रीमती विमला देवी ने रीना कुमारी नौहवार को दिये जाने के सन्दर्भ में अपनी सहमति दे दी है इसलिये उपरोक्त सम्पत्ति के असल दस्तावेज रीना कुमारी नौहवार को दिया जाना है यदि इसमें किसी भी व्यक्ति, वित्तीय संस्था अथवा बैंक आदि को कोई आपत्ति हो तो 10 दिवस के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता के पास लिखित में मय सबूत सम्पर्क करे अन्यथा बाद गुजरने मियाद आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी। सूचित रहे। **सतीश चन्द्र गुप्ता (एडवोकेट) मो. 9414056003**
87 प्रभात कॉलोनी, विजयबाडी, पथ नम्बर 07 सीकर रोड जयपुर

सिन्धु नगर को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि., जयपुर
1434, भूराटीबा, बाबा हरिशचन्द्र मार्ग, चांदपोल बाजार, जयपुर
Ref No. SNCHS/2026/49 Date: 05/06/2026
वार्षिक आम सभा सूचना
समिति के सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि समिति की वार्षिक आमसभा दिनांक 22/06/2026 को प्रातः 11 बजे समिति के कार्यालय 1434, बाबा हरिशचन्द्र मार्ग, चाँदपोल बाजार, जयपुर पर आयोजित की जा रही है जिसमें आपकी उपस्थिती अनिवार्य है। इसमे:- 1. प्रबन्धकारिणी के कार्यकलापों पर विचार 2. ऑडिट रिपोर्ट पर विचार 3. आक्षेपपूर्ति पर विचार 4. समिति के चुनाव करवाने पर विचार 5. विभिन्न न्यायालयों में विचाराधीन वाद-विवादो पर विचार व अन्य विषयों पर अध्यक्ष महोदय की अनुमति से विचार-विमर्श किया जावेगा। कोरमपूर्ति के अभाव में आम सभा उसी दिन निर्धारित समय के आधे घंटे पश्चात् आयोजित की जायेगी।
(सचिव)

राजस्थान राज्य सहकारी आवासन संघ लि., जयपुर
5 वी व 6ठी मंजिल नेहरू सहकार भवन, 22 गोदाम सर्किल, जयपुर
Phone: 0141-2741805, E-mail: rschfjaipur@yahoo.com
Office website:- www.rschf.com
क्रमांक :- 49/26 दिनांक :- 02/06/26
आम सूचना संघ की आवासीय योजना कमला नेहरू नगर, अजमेर रोड, जयपुर का भवन संख्या-2-छ-13 श्री जुगलकिशोर कुमार पुत्र श्री ताकूदास कुमार को आवंटित किया गया था, जिसे जरिये इकरारनामा श्रीमती प्रेम कपूर पत्नि श्री गुरुप्रकाश सिंह कपूर द्वारा क्रय किये जाने पर संघ द्वारा दिनांक 22.03.1999 को श्रीमती प्रेम कपूर पत्नि श्री गुरुप्रकाश सिंह कपूर के नाम ट्रांसफर कर कन्वेन्स डीड एवं परप्च्यूचल लीज जारी कर रजिस्ट्री करवा दी गई थी। श्रीमती चारू कपूर पत्नि श्री शेखर शर्मा द्वारा उनके पक्ष में अनरजिस्टर्ड वसीयतनामा एवं श्रीमती प्रेम कपूर व उनके पति श्री गुरुप्रकाश सिंह कपूर के मृत्यु प्रमाण पत्र एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर स्वयं के नाम उक्त भवन ट्रांसफर करने हेतु आवेदन किया गया है। जिस किसी को उक्त भवन के हस्तांतरण पर आपत्ति हो, तो संघ कार्यालय में 15 दिवस में प्रमाण सहित प्रस्तुत करें, अन्यथा भवन संख्या 2-छ-13, कमला नेहरू नगर, अजमेर रोड, जयपुर को श्रीमती चारू कपूर पत्नि श्री शेखर शर्मा के नाम हस्तांतरण कर दिया जावेगा।
(योगेश शर्मा) प्रबन्ध निदेशक
राजस्थान राज्य सहकारी, आवासन संघ लि. जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय
राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
Email Id: dhcjpr2.rhb@rajasthan.gov.in,
Phone No. 0141-2782772
क्रमांक-DHC-II/468 दिनांक-06/06/26
जाहिर आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 119/231, मानसरोवर, जयपुर, क्षेत्रफल 105.00 वर्ग मीटर / वर्ग गज का आवंटन श्रीमती एल.आर. छोनी पत्नी श्री प्रभात कुमार को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 4464 दिनांक 30.12.1989 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 30.01.1990 को प्राप्त कर लिया गया था। राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र कमांक 1470 दिनांक 07.07.2007 के द्वारा श्रीमती एल.आर. छोनी पत्नी श्री प्रभात कुमार के नाम अदेय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। इनके द्वारा अपने स्वयं के पक्ष मे उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रो का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर मे दिनांक 21.08.2007 को करवाया गया। इसके पश्चात श्रीमती एल.आर. छोनी की मृत्यु दिनांक 25.10.2017 को हो जाने के कारण इनके पुत्र श्री सुनील कुमार निर्वाणा पुत्र श्री प्रभात कुमार ने मृत्यु पश्चात् नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र एवं पंजीकृत वसीयतनामा प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध मे किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस मे व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि मे कोई आपत्ति प्राप्त नही होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक श्री सुनील कुमार निर्वाणा पुत्र श्री प्रभात कुमार के पक्ष मे उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवसन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

कार्यालय नगरपालिका मण्डल मनोहरपुर जिला जयपुर
E-mail: npmanoharpur@rajasthan.gov.in
क्रमांक-न.पा.मनो./भूमि/2026-27/478 प्रारूप 10 नियम 6(7) देखिये दिनांक-04/06/2026
लोक सूचना
आवेदनकर्ता श्री युगल किशोर शर्मा पुत्र श्री रूड मल, निवासी हलकारों का मौहल्ला, मनोहरपुर, तह. शाहपुरा जिला जयपुर (राज.), ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का गैर कृषिक प्रयोजन (आवासीय प्रयोजनार्थ) उपयोग हेतु ऐसी भूमि अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। अर्थात

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नंबर	क्षेत्रफल	प्रयोजनार्थ
जिला जयपुर तहसील शाहपुरा	मनोहरपुर	9271/9088, 9274/9090	3275 वर्गमीटर	आवासीय

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियो को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1956 की धारा 63 के अधिनियम पूर्वोक्त प्रयोजनो के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 07 दिवस के भीर किसी कार्यालय दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थन दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपरोक्त वर्णित समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को कोई आक्षेप नही है और तदनुसार मामले का निस्तारण किया जाएगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक को जारी की गई है।
अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका मनोहरपुर

कार्यालय नगर निगम जयपुर
(सांगानेर स्टेडियम वाली रोड, गर्ल्स स्कूल के पास, सांगानेर जयपुर)
E-mail :- eesanganerzone01@gmail.com
क्रमांक :– जसअ/2026/105 दिनांक: 03.06.2026
निविदा सूचना संख्या 11-14/2026-27
केन्द्र एवं राज्य सरकार के सभी विभागों में पंजीकृत संवेदकों एवं नगर निगम जयपुर के पंजीकृत निविदादाताओं से बिड अधि. अभि. (सांगानेर जोन) से संबंधित विकास कार्य की निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://sppp.raj.nic.in & www.jaipurmc.org पर देखी जा सकती है। स्टेट पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल का **Unique Bid Number JMC2627WSOB00164, JMC2627WSOB00165, JMC2627WSOB00173** से **JMC2627WSOB00174** है।
अधिशाषी अभियंता
सांगानेर जोन
नगर निगम जयपुर
राज.संवाद/सी/26/4245

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 649/2025
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री प्रशांत भदोरिया निवासी 162, रिद्धि सिद्धि नगर विस्तार, हरनाथपुरा जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास नेशनल एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसायटी, कार्यालय का पता 162, रिद्धि सिद्धि नगर विस्तार, करघनी गोविन्दपुरा जयपुर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 27.5.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 4.8.26

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग जयपुर

विवाधको के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
आदेश 5 के नियम 1 और 5
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी महोदय पावटा, जिला कोटपूतली-बहरोड
ग्यारसा बनाम छीतर वगैरह
वाद तकास्मा एंव स्थाई निषेधाज्ञा
वाद सं0 - 140/22
बनाम
1-संज्या देवी पत्नि स्व0 छीतर
2. सहमाल
3 ओमप्रकाश पुत्रांन स्व0 छीतर
4--राजो
5-बुग्गा पुत्रियांन स्व0 छीतर
जातियान गुर्जर, निवासी ढाणी भोलाडा की, तन गुलाबगढ दांतिल, तहसील पावटा, जिला कोटपूतली-बहरोड, राजस्थान
वादी ने आपके विरूद्ध वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 16/6/26 को दिन में 10 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी वारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नो का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करे और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करे जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल / सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसे दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है यदि आप उपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नही होगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह वाद तारीख 5-6-2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
उपखण्ड अधिकारी
पावटा (कोटपूतली-बहरोड)

खेल जगत

आधुनिक टेस्ट क्रिकेट में अब पारंपरिक 'मूविंग डे' तीसरे दिन नहीं, बल्कि पहले दिन ही आ गया है। - **काइल जैमीसन**

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज, पहले दिन 16 विकेट गिरने के बाद बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी

एंडोनी इराओला

प्रीमियर लीग क्लब लिवरपूल ने पूर्व बॉर्नमाउथ मैनेजर एंडोनी इराओला दो साल के अनुबंध पर टीम का नया मैनेजर नियुक्त किया। क्लब ने गुरुवार को उक्त घोषणा की। 43 वर्षीय इराओला डच कोच आर्ने स्लॉट की जगह लेंगे। स्पेन के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी इराओला ने 2003 से 2015 तक एथलेटिक बिलबाओ के लिए खेला था। उन्होंने 2023 में बॉर्नमाउथ की कमान संभाली और क्लब के प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार किया। 2024-25 सीजन में बॉर्नमाउथ ने 56 अंक हासिल किए और लीग में नौवां स्थान प्राप्त किया।

क्या आप जानते हैं ?... सबसे बड़ी जीत : भारत ने 12 दिसंबर 1956 को सिडनी में खेले गए मैच में ऑस्ट्रेलिया को 7-1 से हराया था।

66वां केन्द्रीय आवासीय जनजाति खेलकूद प्रशिक्षण शिविर आज से बांसवाड़ा में

जयपुर, 5 जून। राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद, जयपुर के द्वारा बांसवाडा जिले में 66वां केन्द्रीय आवासीय जनजाति खेलकूद प्रशिक्षण शिविर का आयोजन शनिवार से जिला खेल स्टेडियम, बांसवाडा में किया जायेगा। राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के सचिव राजकेश मीणा ने बताया कि 21 दिवसीय शिविर के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि जनजाति क्षेत्रिय विकास विभाग मंत्री श्री बाबूलाल खराडी होगें। उन्होने बताया कि शिविर 6 जून से 26 जून तक आयोजित किया जायेगा। इस दौरान बालक/बालिका खिलाडियों को निःशुल्क आवास, भोजन और कोचिंग दी जायेगी। राजकेश मीणा ने बताया कि बांसवाडा शिविर का निदेशक जिला खेल अधिकारी श्री धनेश्वर मईडा को नियुक्त किया गया है, शिविर का समन्वयक श्री नरेन्द्र भूरिया, खेल प्रबन्धक को बनाया गया है। उन्होने बताया कि शिविर में 9 खेलों को शामिल किया गया है, जिसमें हॉकी, खो-खो, एथलेटिक्स, वॉलीबाल, कबड्डी, हैंडबाल, तीरंदाजी, बास्केटबाल और फुटबाल है। शिविर में 151 बालक और 122 बालिकाओं सहित कुल 273 खिलाडी भाग ले रहें है।

राजस्थान राज्य जूनियर हैंडबॉल प्रतियोगिता आज से लालगढ़ जांटान में आयोजित होगी

जयपुर, 5 जून। राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के तत्वावधान में ज़िला हैंडबॉल संघ, श्रीगंगानगर द्वारा 43वीं राजस्थान राज्य जूनियर हैंडबॉल प्रतियोगिता (बालक एवं बालिका)-2026-27 का आयोजन 6 से 9 जून तक लालगढ़ जाटान (श्रीगंगानगर) में किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में 54 टीमे भाग ले रही है, जिसमें बालक वर्ग में 34 एवं बालिका वर्ग में 20 टीमे भाग ले रही है। राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के मानद सचिव यश प्रताप सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता लीग कम नॉक आउट कम सुपर लीग के आधार पर खेली जायेगी। प्रतियोगिता के लिये चार ग्राउंड तैयार किये गये है। जिसमें एक फ्लड लाइट ग्राउंड है।प्रतियोगिता के दौरान ही आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के राज्य बालक एवं बालिका टीमों के लिए 30-30 संभावितों का भी चयन राज्य हैंडबॉल संघ द्वारा गठित चयन समिति द्वारा किया जायेगा। प्रतियोगिता का उद्घाटन शनिवार शाम 6.30 बजे विधायक, सादुलशहर गुरवीर सिंह बराड़ करेंगे। बालक वर्ग की टीमों को आठ एवं बालिका वर्ग की टीमों को चार पूल में बाँटा गया है। बालक वर्गः- पूल ए- श्रीगंगानगर, अजमेर, टोंक , उदयपुर। पूल बी-में जयपुर, अलवर, चूरू, इंस्पिरेशन अकैडमी जोधपुर। पूल सी- भीलवाड़ा, झालावाड़, जालोर, जय भवानी अकैडमी। पूल डी-बीकानेर, बारां, जैसलमेर, एस टी सी नोसगे। पूल ई- बूंदी, हनुमानगढ़, प्रतापगढ़, आर पी भादू अकैडमी। पूल एफ- जयपुर हैंडबॉल अकैडमी, बांसवाड़ा, राजसमंद, सीकर। पूल जी- ज्ञान ज्योति हैंडबॉल अकैडमी, चित्तौड़गढ़, सवाईमाधोपुर, कृपा बाबा अकैडमी, महाराणा प्रताप अकैडमी। पूल एच- करौली, नागौर, दुलमाना अकैडमी, माही अकैडमी बांसवाड़ा, बाड़मेर। बालिका वर्गः- पूल ए-जयपुर, सीकर, बांसवाड़ा, बाड़मेर, दुलमाना अकैडमी। पूल बी- श्रीगंगानगर, भीलवाड़ा, महाराणा प्रताप अकैडमी चित्तौड़गढ़, बीकानेर, भौम सिंह अकैडमी। पूल सी- टोंक, अजमेर, जोधपुर, ज्ञान ज्योति अकैडमी, माही अकैडमी बांसवाड़ा। पूल डी- हनुमानगढ़, चूरू, करौली, सिरोही, जयपुर हैण्डबॉल अकैडमी।

प्रतियोगिता में भाग लेने वाली जयपुर की टीमें:- बालक वर्ग-उपेंद्र सिंह राठौड़ (कप्तान), पुष्पेंद्र सिंह, विकाश, जसमन सिंह, गौरव, आशीष, रमन सुथार, दुष्यंत बैरवा, विकास यादव, करण महावर, वीरेंद्र प्रताप सिंह, नरेश। **बालिका वर्गः-** ममता मिठारवाल (कप्तान), हिना कुमारी वैष्णव, मुस्कान, गीतांजलि, गुड्डी, प्रियंका, वर्षा जाखड़, विशाखा, काजल कंवर, दीपिका, निशा, काजल गुर्जर।

ब्रदर्स फुटबॉल क्लब और रॉयल फुटबॉल क्लब जीते

जयपुर, 5 जून। राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वाधान में पूर्णिमा यूनिवर्सिटी जयपुर के फुटबॉल मैदान पर रविवार को अंडर - 13 राजस्थान लीग के चार मैच खेले गए । राजस्थान फुटबाल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि आज खेले गए पहले मुकाबले में ब्रदर्स यूनाइटेड फुटबॉल क्लब ने राजस्थान फुटबाल स्कूल को 4-0 से पराजित किया। ब्रादर्स की तरफ से समर्थ कुमार, ने 52,70 मिनट पर जसन, ओर नकुल, ने 15 ओर 49 मिनिट पर गोल किए। दूसरे मुकाबले में जयपुर एलीट ओर जयपुर फूटसाल क्लब के बीच एक संघर्ष पूर्ण मुकाबला हुआ जिसमें दोनों ही टीम गोल करने में नाकाम रही मुकाबला 0-0 से बराबरी पर रहा। तीसरे मैच में रॉयल फुटबॉल क्लब ने ए एस एल फुटबाल क्लब को 6-2 से पराजित किया। रॉयल की तरफ से समर परताप ने 16 और 21 मिनट, पर मुबिन ने 22, ओर 30 मिनट मोहित ओर निदेश ने 20 ओर 25 मिनट पर गोल किया। ए एस एल की तरफ से राजेंद्र ने 4,8 मिनिट पर गोल किया। आखरी मैच जयपुर बॉयज और गर्ल्स फुटबॉल क्लब ने रेड स्टोन फुटबॉल क्लब को 3-0 से पराजित किया जिगर ने 18, मिनट में, कुणाल कलाल ने 42, मिनट पर ओर आयन 55, गोल किया।

बीसीसीआई आज करेगा 4 टीमों का ऐलान, मिलेगा नया कप्तान

नई दिल्ली, 5 जून। भारतीय क्रिकेट बोर्ड शनिवार को चार सीरीज/टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम का ऐलान करेगा। शुक्रवार को मिली जानकारी के अनुसार अजीत अगरकर और सचिव देवजीत सौकिया की अगुवाई वाली पुरुष चयन समिति शनिवार को बीसीसीआई मुख्यालय में आगामी विभिन्न सीरीज और टूर्नामेंट के लिए भारत की टीमों के चयन को लेकर लिए बैठक करेगी। बैठक में आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी-20 सीरीज, इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज, जापान में होने वाले 2026 एशियाई खेल के लिए सीनियर टीम की घोषणा और श्रीलंका में होने वाले दो बहुदिवसीय मैचों के लिए इंडिया ए टीम का चयन किया जायेगा। चयन बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में टीमों की घोषणा की जायेगी।

कब होगी प्रेस कॉन्फ्रेंस

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की एक विज्ञप्ति के अनुसार चयन समिति की बैठक बोर्ड के मुख्यालय में होगी, जिसके बाद मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर और सचिव देवजीत सैकिया मीडिया को संबोधित करेंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस दोपहर एक बजे के करीब होगी। इस दौरान चयनकर्ता नए कप्तान का भी ऐलान करेंगे। टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव को उनके पद से हटाया जा रहा है। इसके अलावा उनको टीम से भी बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है। उनकी जगह पर श्रेयस अय्यर टीम के नए कप्तान बनने के प्रबल दावेदार हैं। तिलक वर्मा को टी20 टीम का उप-कप्तान बनाया जा सकता है।

श्रेयस को मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी

अय्यर को आईपीएल में एक कप्तान और बल्लेबाज के रूप में शानदार प्रदर्शन करने का इनाम मिल रहा है। उनकी कप्तानी में तीन अलग-अलग फ्रेंचाइजी (दिल्ली कैपिटल्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स) आईपीएल फाइनल पहुंची और उन्होंने एक बार ट्रॉफी जीती है। इसके अलावा कप्तान रहते हुए उनकी बल्लेबाजी फॉर्म में कोई गिरावट नहीं आई है। उनकी एकमात्र कमी इस साल आईपीएल के दूसरे भाग में पंजाब किंग्स के खराब प्रदर्शन में देखने को मिली है, जबकि शुरुआत में उन्होंने काफी अच्छा प्रदर्शन किया था।

एशियाई खेल सितंबर-अक्टूबर में आइची-नागोया में होंगे और निर्धारित समय सीमा को देखते हुए टीम की घोषणा समय से पहले की जा रही है। ऐसी संभावना है कि मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज तिलक वर्मा नए उप-कप्तान होंगे, जबकि 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को पहली बार सीनियर टीम में शामिल किया जाएगा।

चयन समिति ब्रिटेन दौरे और सितंबर-अक्टूबर में जापान में होने वाले एशियाई खेलों के लिए दो अलग-अलग टीमों की घोषणा करेगी। एशियाई खेलों के लिए तिलक वर्मा को कप्तान बनाया जा सकता है और सूर्यवंशी के भी उस टी20 टीम का हिस्सा होने की संभावना है। कुछ नए नाम इस दौड़ में शामिल हो सकते हैं, जिनमें तेज गेंदबाज प्रिंस यादव और बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे भी शामिल हैं।

भारत का इंग्लैंड दौरा

भारत के यूके दौरे की शुरुआत आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से होगी। आयरलैंड के खिलाफ 26 जून और 28 जून को दो टी20 मैच खेला जाएगा, जहां श्रेयस अय्यर कप्तानी की जिम्मेदारी संभाल सकते हैं। इसके बाद भारतीय टीम इंग्लैंड जाएगी, जहां वो पांच टी20 और तीन वनडे मैच एक जुलाई से खेलेगी।

अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच शनिवार से खेला जाएगा। इसके बाद अफगानिस्तान के खिलाफ पहला वनडे 13 जून, दूसरा वनडे 17 जून को लखनऊ में और तीसरा वनडे 20 जून को चेन्नई में खेला जाएगा। भारत इसके बाद अपना अगला वनडे इंग्लैंड के खिलाफ 14 जुलाई को खेलेगा। तब भारतीय टीम तीन वनडे मैच की सीरीज के लिए इंग्लैंड का दौरा करेगी।

खराब रोशनी में गुलाबी गेंद के इस्तेमाल के पक्ष में

नतीजा निकलने का मौका मिलना चाहिए : गंभीर

न्यू चंडीगढ़, 5 जून । भारत और अफगानिस्तान के बीच होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच से पहले भारतीय मुख्य कोच गौतम गंभीर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के उस प्रस्ताव का समर्थन किया है, जिसमें खराब रोशनी की स्थिति में टेस्ट मैच के दौरान लाल गेंद की जगह गुलाबी गेंद के इस्तेमाल की बात कही गई है।

गंभीर ने प्री मैच कॉन्फ्रेंस में कहा कि यदि मैच का परिणाम निकालने का मौका बनता है, तो उसे हर हाल में उपलब्ध कराया जाना चाहिए। यदि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में पहुंचने के लिए आखिरी टेस्ट निर्णायक हो और खराब रोशनी के कारण पूरा मैच न खेला जा सके, तो यह टीमों के साथ अन्याय होगा।

उन्होंने कहा, मैं इस विचार का समर्थन करता हूं। अगर दोनों टीमों के कप्तान सहमत हों और मैच का परिणाम निकल सकता हो, तो ऐसा होना चाहिए। खिलाड़ी दो साल मेहनत करते हैं और अगर खराब रोशनी की वजह से अवसर छिन जाए तो यह उचित नहीं होगा।

भारतीय टीम हाल ही में घरेलू टेस्ट शृंखला में दक्षिण अफ्रीका से 2-0 से हार चुकी है। फिलहाल भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप तालिका में नौ मैचों में 48.15 प्रतिशत अंकों के साथ छठे स्थान पर है। इसके बावजूद गंभीर ने फाइनल में पहुंचने को लेकर भरोसा जताया।

उन्होंने कहा, जब तक आपके पास फाइनल में पहुंचने का मौका है, तब तक उम्मीद बनी रहती है। हमारे पास प्रतिभा और गुणवत्ता दोनों हैं। एक खराब शृंखला से हमारी क्षमता कम नहीं हो जाती। ड्रेसिंग रूम में हर खिलाड़ी मानता है कि हम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीत सकते हैं।

साई सुदर्शन को और मौके देने के पक्ष में गंभीर

अफगानिस्तान टेस्ट भले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा नहीं है, लेकिन श्रीलंका और न्यूजीलैंड के खिलाफ आने वाली टेस्ट शृंखलाओं से पहले यह भारत के लिए महत्वपूर्ण मुकाबला माना जा रहा है। भारत को तीसरे क्रम के बल्लेबाज की तलाश है, क्योंकि शुभमन गिल के चौथे स्थान पर जाने के बाद यह स्थान खाली हुआ है। इस स्थान के लिए साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल को विकल्प माना जा रहा है।

हालांकि गंभीर ने साफ किया कि साई सुदर्शन को अभी पर्याप्त अवसर नहीं मिले हैं। उन्होंने कहा, साई ने अभी बहुत कम टेस्ट खेले हैं और उनका टेस्ट करियर इंग्लैंड जैसे कठिन हालात में शुरू हुआ। उन्होंने हाल में शानदार प्रदर्शन किया है और उन्हें उचित अवसर मिलना चाहिए।

देवदत्त पडिक्कल को लेकर गंभीर ने कहा कि उनका समय आने पर उन्हें भी लगातार मौके दिए जाएंगे, लेकिन फिलहाल टीम साई सुदर्शन को लंबा अवसर देना चाहती है। उन्होंने कहा, अगर हम किसी खिलाड़ी को सिर्फ चार-पांच टेस्ट के आधार पर आंकेंगे तो भविष्य की मजबूत टीम नहीं बना पाएंगे। साई विश्वस्तरीय खिलाड़ी हैं और मुझे पूरा विश्वास है कि वह अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

पाकिस्तान ने ठुकराया भारत का निमंत्रण, एशियाई तलवारबाजी प्रतियोगिता में नहीं भेजेगा अपनी टीम

नई दिल्ली, 5 जून। नई दिल्ली में इस महीने आयोजित होने जा रही एशियाई वरिष्ठ तलवारबाजी प्रतियोगिता को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। हालांकि प्रतियोगिता शुरू होने से पहले एक महत्वपूर्ण खबर सामने आई है। पाकिस्तान ने इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में अपनी टीम नहीं भेजने का फैसला किया है, जबकि भारत की ओर से उसे आधिकारिक निमंत्रण दिया गया था।

बता दें कि भारत पहली बार इस प्रतिष्ठित एशियाई प्रतियोगिता की मेजबानी कर रहा है। यह प्रतियोगिता 19 जून से नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित की जाएगी। मौजूद जानकारी के अनुसार एशिया और ओशिनिया क्षेत्र के 30 से अधिक देशों के खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले हैं।

भारतीय तलवारबाजी संघ के महासचिव राजीव मेहता ने बताया कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान दोनों देशों को प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। हालांकि निर्धारित समय सीमा समाप्त होने तक दोनों देशों की ओर से किसी भी खिलाड़ी या दल का पंजीकरण नहीं कराया गया है। गौरतलब है कि भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से द्विपक्षीय खेल संबंधों पर रोक बनी हुई है। इसके बावजूद भारत ने स्पष्ट किया था कि बहुपक्षीय अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पाकिस्तान के खिलाड़ियों को भाग लेने की अनुमति दी जाएगी। इसी नीति के तहत पाकिस्तान को इस प्रतियोगिता का निमंत्रण भेजा गया था।

राजीव मेहता ने बताया कि अब खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए यात्रा दस्तावेजों की प्रक्रिया चल रही है। प्रविष्टियां भेजने की अंतिम तिथि काफी पहले समाप्त हो चुकी है और अब प्रतियोगिता के संचालन से जुड़े अंतिम इंतजाम किए जा रहे हैं।

मौजूद जानकारी के अनुसार इस प्रतियोगिता के दौरान एशियाई तलवारबाजी परिसंघ की महासभा की बैठक भी आयोजित होगी। यह पहली बार होगा जब इस संस्था का शीर्ष नेतृत्व भारत में एकत्रित होगा। अंतरराष्ट्रीय तलवारबाजी महासंघ के अंतरिम अध्यक्ष अब्देलमोनेइम एल हुसेनी के भी इस अवसर पर भारत आने की संभावना जताई गई है।

प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर भारतीय तलवारबाजी संघ लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ समन्वय कर रहा है। आयोजकों का कहना है कि खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं और बेहतर अनुभव उपलब्ध कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

हालांकि कुछ देशों के खिलाड़ियों और अधिकारियों को यात्रा दस्तावेज प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। राजीव मेहता ने बताया कि हांगकांग के प्रतिनिधियों को यात्रा दस्तावेजों के लिए समय मिलने में परेशानी हो रही है। वहीं ऑस्ट्रेलिया के कुछ आवेदनों को भी स्वीकृति नहीं मिल सकी है।

गौरतलब है कि गुरुवार को 200 से अधिक खिलाड़ियों और अधिकारियों से जुड़े दस्तावेजों को मंजूरी दी गई है। इसके बावजूद कुछ मामलों में प्रक्रिया अभी जारी है। आयोजकों को उम्मीद है कि प्रतियोगिता शुरू होने से पहले सभी लंबित मामलों का समाधान कर लिया जाएगा।

नॉर्वे शतरंज 2025 : प्रज्ञानानंद ने ऑल-इंडियन मुकाबले में गुकेश को हराया, खिताबी दौड़ में बरकरार

ओस्लो (नॉर्वे), 5 जून। नॉर्वे शतरंज 2026 के नौवें दौर में शुक्रवार को रोमांच चरम पर पहुंच गया। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने विश्व चैंपियन डी. गुकेश को हराकर खिताब की दौड़ को अंतिम दौर तक जीवित रखा। वहीं महिलाओं की प्रतियोगिता में बिबीसारा अस्साउबायेवा ने एक दौर शेष रहते ही खिताब अपने नाम कर लिया। ओपन वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त मैग्नस कार्लसन और अमेरिका के वेस्ली सो के बीच क्लासिकल मुकाबला ड्रॉ रहा। इसके बाद खेले गए आर्मागेडन मुकाबले में वेस्ली सो ने जीत दर्ज कर अतिरिक्त अंक हासिल किए और अंतिम दौर से पहले अपनी बढ़त बनाए रखी। दिन का सबसे बड़ा परिणाम भारतीय खिलाड़ियों के बीच मुकाबले में देखने को मिला। काले मोहरों से खेलते हुए प्रज्ञानानंद ने गुकेश को पराजित किया। मध्य खेल (मिडल गेम) में दबाव बनाने के बाद प्रज्ञानानंद ने शानदार तरीके से मैच अपने नाम किया और पूरे तीन अंक हासिल किए। इस जीत के बाद प्रज्ञानानंद के 15 अंक हो गए हैं और वे अब शीर्ष पर चल रहे वेस्ली सो से केवल आधा अंक पीछे हैं। दूसरी ओर, फ्रांस के अलीरजा फिरोजज़ा भी खिताब की दौड़ में बने हुए हैं। उन्होंने क्लासिकल मुकाबले में कठिन स्थिति से वापसी की और बाद में आर्मागेडन में विन्सेंट कीमर को हराकर अतिरिक्त अंक हासिल किए।

स्पिन के भरोसे टीम इंडिया को मात देगा अफगानिस्तान : कोच फिल पायबस

न्यू चंडीगढ़, 5 जून। अफगानिस्तान के मुख्य कोच रिचर्ड पायबस ने शुक्रवार को कहा कि भारत के खिलाफ शनिवार से शुरू होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच का परिणाम काफी हद तक इस पर निर्भर करेगा कि दोनों टीम के बल्लेबाज स्पिन गेंदबाजी की चुनौती का सामना कैसे करते हैं। भारत और अफगानिस्तान दूसरी बार टेस्ट क्रिकेट में एक दूसरे का सामना करेंगे। इससे पहले इन दोनों टीम के बीच 2018 में बेंगलुरु में टेस्ट मैच खेला गया था जिसे भारत ने दो दिन के अंदर जीत लिया था। मुख्य कोच रिचर्ड पायबस ने टेस्ट की पूर्व संध्या पर यहां पत्रकारों से कहा, पिच पर घास कब तक बनी रहती है और दोनों टीम के बल्लेबाज स्पिन गेंदबाजों का किस तरह से सामना करते हैं, इससे भी टेस्ट मैच का परिणाम तय होगा। अफगानिस्तान की टीम में उनके स्टार स्पिनर राशिद खान नहीं हैं, जिन्हें कार्यभार प्रबंधन के तहत विश्राम दिया गया है। यह लेग स्पिनर आईपीएल में गुजरात टाइटंस की तरफ से खेला था और उनकी टीम फाइनल तक पहुंची थी। पायबस ने कहा कि राशिद को लंबे समय से पीठ से जुड़ी समस्या रही है। उन्होंने कहा, राशिद खान को लंबे समय से पीठ की समस्या है, लेकिन अगर उनकी टेस्ट क्रिकेट में खेलने की कोई संभावना है तो मैं उनसे बात करूंगा।

लॉर्ड्स में इंग्लैंड का मास्टरस्ट्रोक, 140 पर ढेर होकर भी कीवी टीम को किया पस्त

नई दिल्ली, 5 जून। लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर इंग्लैंड और न्यूज़ीलैंड के बीच शुरू हुए पहले टेस्ट मुकाबले का पहला दिन रोमांच और उतार-चढ़ाव से भरपूर रहा है। बादलों से ढका आसमान, गेंदबाजों के लिए मददगार पिच और लगातार स्विंग व सीम मूवमेंट ने बल्लेबाजों के लिए हालात बेहद कठिन बना दिए हैं। यही वजह रही कि पहले ही दिन दोनों टीमों के कुल 16 विकेट गिर गए हैं। न्यूज़ीलैंड के कप्तान टॉम लैथम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया और उनका निर्णय पूरी तरह सही साबित हुआ है। काइल जैमीसन ने वापसी मुकाबले में शानदार गेंदबाजी करते हुए इंग्लैंड की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी है।

एशियन जूनियर स्क्वैश में राजस्थान का दमदार प्रदर्शन, खेलमंत्री ने खिलाड़ियों को दी बधाई

जयपुर, 5 जून। चीन में आयोजित एशियन जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन कर लौटे राजस्थान के युवा खिलाड़ियों को शुक्रवार को प्रदेश के खेलमंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने बधाई दी और अभिनंदन किया। एशियन चैंपियनशिप में अंडर-13 गर्ल्स वर्ग में कांस्य पदक जीतने वाली दिव्यांशी जैन और अंडर-13 बॉयज वर्ग में पांचवां स्थान हासिल करने वाले धैर्य गोगिया ने भारतीय टीम की कोच सुरभि मिश्रा के साथ खेलमंत्री से मुलाकात की। ये दोनों खिलाड़ी एसएमएस स्टेडियम स्थित राजस्थान स्क्वैश एकेडमी के प्रशिक्षु हैं।

खेलमंत्री ने दोनों खिलाड़ियों की उपलब्धियों को राजस्थान के लिए गौरवपूर्ण बताते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश के खिलाड़ी लगातार अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। उन्होंने दिव्यांशी को कांस्य पदक जीतने पर विशेष बधाई दी और धैर्य के प्रदर्शन की भी सराहना करते हुए भविष्य में और बेहतर परिणाम देने का विश्वास जताया।

मुलाकात के दौरान खिलाड़ियों ने जयपुर स्थित एसएमएस स्टेडियम परिसर में स्क्वैश के लिए अत्याधुनिक ग्लास कोर्ट स्थापित कराने की मांग रखी। इस पर खेलमंत्री ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए ग्लास कोर्ट का कार्य शीघ्र पूरा कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक सुविधाएं और अंतरराष्ट्रीय स्तर का खेल वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। खेलमंत्री ने दोनों खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी उपलब्धियां प्रदेश के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत हैं।

भारत ने पाकिस्तान को 5-3 से हराया

काकामिगाहारा (जापान), 5 जून। भारतीय अंडर-18 पुरुष हॉकी टीम ने शानदार वापसी करते हुए पाकिस्तान को रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में 5-3 से हराकर अंडर-18 पुरुष एशिया कप 2026 के फाइनल में प्रवेश कर लिया। अंतिम क्वार्टर तक 2-3 से पीछे चल रही भारतीय टीम ने जबरदस्त आक्रामक खेल दिखाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। भारत की जीत के नायक आशीष तानी पूर्ति रहे, जिन्होंने चार गोल दागकर मैच का रुख बदल दिया।

राजस्थान क्रिकेट में ऐतिहासिक पहल : पहली बार 8 जिलों में एक साथ राज्य स्तरीय सीनियर महिला चैम्पियनशिप का आयोजन : डॉ. मोहित

जयपुर, 5 जून। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादवके अनुसार राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा महिला क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने और सभी जिलों को समान अवसर प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को निभाते हुए पहली बार राज्य स्तरीय सीनियर महिला चैंपियनशिप 2026-27 का आयोजन 8 जून से राज्य के 8 जिला केंद्रों में किया जा रहा है।
संयोजक के अनुसार द्वारा पूर्व में किए गए "सभी जिलों की समान भागीदारी" के वादे को इस प्रतियोगिता के माध्यम से धरातल पर उतारा गया है। पहली बार महिला क्रिकेट प्रतियोगिता को एक ही स्थान पर सीमित न रखकर विभिन्न जिलों में आयोजित किया जा रहा है, जिससे क्रिकेट गतिविधियों का विकेंद्रीकरण होगा और स्थानीय खिलाड़ियों को अपने जिले में उच्च स्तरीय प्रतियोगिता खेलने का अवसर प्राप्त होगा।

अरिष्ट सिंघवी, सदस्य आरसीए एडहॉक के अनुसार प्रतियोगिता के लीग दौर के मुकाबले 8 - 12 जून 2026 के दौरान 8 जिला केंद्रों पर आयोजित होंगे व नॉक आउट दौर (प्री क्वाटर, क्वाटर, सेमीफाइनल व फाइनल) दिनांक 14 से 18 जून के दौरान जयपुर में आयोजित होंगे।प्रतियोगिता मेंमहिला खिलाड़ियों को मिलेगी उच्च स्तरीय सुविधाएं व खेल मैदान। प्रतियोगिता के लीग मुकाबले 8 जून से उदयपुर में व 10 जून से जयपुर, उदयपुर झुंझुनूं, अलवर, जोधपुर, भीलवाड़ा, बांसवाड़ा एवं राजसमंद में आयोजित होंगे। इस प्रतियोगिता में प्रदेश के सभी जिलों क्रिकेट संघों की टीमें भाग लेंगी। टूर्नामेंट में प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें नॉकआउट चरण के लिए क्वालीफाई करेंगी। इससे खिलाड़ियों को अधिक प्रतिस्पर्धात्मक मैच खेलने का अवसर मिलेगा और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपना प्रदर्शन दिखनेका उचित अवसर प्राप्त होगा।

धनञ्जय सिंह खींवसर, सदस्य, आरसीए एडहॉक के अनुसार राज्य में महिला क्रिकेट के विकास की दिशा में यह कदम राजस्थान क्रिकेट के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है, जिससे आने वाले वर्षों में प्रदेश में महिला क्रिकेट का आधार और अधिक मजबूत होगा। जिससे राज्य में महिला क्रिकेट को जिला स्तर तक मजबूत आधार मिलेगा।

जयपुर जिला शूटिंगबाल के शिवराज सिंह शक्तावत अध्यक्ष व संग्राम सिंह सचिव

जयपुर, 5 जून। जयपुर जिला शूटिंगबाल संघ की चुनावी साधारण सभा मे जयपुर जिला शूटिंगबाल संघ के आगामी चार वर्षो के लिये हुये चुनावो मे शिवराज सिंह शक्तावत अध्यक्ष , संग्राम सिंह सचिव व अंतर्राष्टीय खिलाडी रहे डी.एन.उपाध्याय पुनः कोषाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित किये गये।

निर्वाचन अधिकारी राजेन्द्र कुमार शर्मा ने जयपुर जिला क्रीडा परिषद के पर्यवेक्षक खेल अधिकारी मानसिंह , जिला औलम्पिक संघ के पर्यवेक्षक राहुल तंवर, राज्य शूटिंगबाल संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पर्यवेक्षक के. आर. खान के पर्यवेक्षण मे जयपुर जिला शूटिंगबाल संघ की निर्विरोध निर्वाचित कार्यकारिणी की आज घोषणा की जिसमे अध्यक्ष शिवराज सिंह शक्तावत उपाध्यक्षः इंदुराज शर्मा, आशा उपाध्याय, हरिनारायण मीणा, कमलेश कुमार जागीड,भूपेन्द्र त्यागी, सचिवः संग्राम सिंह, कोषाध्यक्षः डी.एन. उपाध्याय, संयुक्त सचिवः संजय शर्मा, आर.पी. शेरावत, अशोक श्रीमाल, दिलीप सिंह भाटी तथा सदस्य कार्यकारिणी मे शेख सलीम, अंजु शेरावत, गीता कंवर, फूलचंद सैनी, कमल चौधरी, रामेश्वर सैनी, जीतराम चौधरी चुने गये। राज्य संघ अध्यक्ष दयानन्द उपाध्याय जो जिला संघ जयपुर के पुनः कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुये है ने प्रेषित विज्ञप्ति मे बताया की निर्वाचित जिला संघ जयपुर की प्रथम कार्यकारिणी व साधारण सभा बैठक मे मुख्य संरक्षक : महंत कैलाश शर्मा संरक्षकः अशोक परनामी भू.पू. अध्यक्ष प्रदेश भाजपा, विमल कटियार पार्षद, रामबाबू सैनी व मिर्जा मुनव्वर बेग तथा डी के माथुर को बनाया गया चैयरमैनः ए.के.ओबराय, उप - चैयरमैन : मनजीत राय को बनाया गया। आमंत्रित सदस्य के रुप मे उपाध्यक्ष पद पर राजेन्द्र शर्मा व रैणु शक्तावत को नियुक्त किया गया।

अखिल भारतीय श्री नारायणी धाम प्रबन्ध एवं विकास महासभा समिति
मुख्यालय - नारायणी धाम, (अलवर)
क्रमांकः 24/2026 दिनांक : 03.06.2026
आम सभा सूचना
आम सैन समाज/सदस्यगणों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 25 जून 2026 को प्रातः 11 बजे से श्री नारायणी धाम (अलवर) पर आम सभा का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें संस्था के संविधान में आवश्यक संशोधन, किये गये केसों, पदयात्रा महासंगम व अन्य बिन्दुओं पर निर्णय हेतु आपकी उपस्थिति सादर प्रार्थनीय है। पंजि. सं. 34/79-80 मंत्री-हरिराम सैन

JAIPUR SMART CITY LIMITED
(Municipal Corporation Jaipur, Pt. Deen Dayal Upadhyay Bhawan,)
Lal Kothi, Tonk Road, Jaipur, CIN No.U75144RJ2016SGC049590
S. No.:- JSCL/SE/2026-27/2671 Dated :- 03/06/2026
निविदा संख्या 01/2026-27 जयपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड, जयपुर
केन्द्र एवं राज्य सरकार के सभी विभागों में सक्षम एजेंसियों/संवेदकों से मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जयपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड, जयपुर से संबंधित विकास कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की अनुमानित लागत, निविदा डाउनलोड तथा E-अपलोड करने की तारीख, निविदा शर्त आदि संपूर्ण विवरण दिनांक 04.06.2026 से राजस्थान सरकार के पोर्टल sppp.rajasthan.gov.in, https://eproc.rajasthan.gov.in/nicgep/app & jscljaipur.in पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है। स्टेट पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल का यूनिक बिड नंबर JSC2627WSOB00001, JSC2627WSOB00002, JSC2627SLOB00003 है।
राज.संवाद/सी/26/4264 अति. मुख्य कार्यकारी अधिकारी

बीकानेर नगर निगम
नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स :- 2226906, फोन :- 0151-2226902, 0151-2226905
E-mail :- nagarnigambikaner@gmail.com, Web Site :- www.bikanermc.org
Sr. NO./PM E-Bus/2026-27/ 7701 Date : 02.06.2026
E NIT No 02/2026-27
नगर निगम बीकानेर द्वारा SELECTION OF SYSTEM INTEGRATOR FOR IMPLEMENTATION OF E-TICKETING SYSTEM PROJECT ON RENTAL BASIS कार्य की निविदा हेतु अनुमानित राशि 32.00 लाख रू 02 वर्ष के लिए सक्षम/पात्र संभरणकर्ता जो कार्य करने/सामग्री संभरण करने के लिए अनुभवी हो, से निविदा पर निर्धारित प्रपत्र में ई-बोली प्रक्रिया से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा कार्य से सम्बन्धित सम्पूर्ण विवरण एवं तिथि राज्य सरकार की ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in तथा नगर निगम बीकानेर की वेबसाईट www.bikanermc.org पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है तथा निर्धारित अवधि तक ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। UBN Number : DLB2627WSOB06368
आयुक्त
राज.संवाद/सी/26/4238 नगर निगम, बीकानेर

कार्यालय नगरपालिका लूनकरनसर जिला बीकानेर
Email Id: nplunkaransar@rajasthan.gov.in
क्रमांकः-नपालू/2026-27/372 दिनांकः- 21.05.2026
ई निविदा सूचना संख्या 03/2026-27/विद्युत
नगरपालिका लूनकरनसर द्वारा विद्युत सम्बन्धित कार्य हेतु ईच्छुक/ सक्षम पात्र संभरणकर्ता जो कार्य करने / सामग्री संभरण करने के लिए अनुभवी हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-बोली प्रक्रिया से ऑनलाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है। कार्य की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्ड शर्ते इत्यादि का सम्पूर्ण विवरण राज्य सरकार की ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल eproc.rajasthan.gov.in व WWW.SPPP.rajasthan.gov.in पर देखी एवं डाउनलोड की जा सकती है। तथा निविदादाता द्वारा निर्धारित अवधि तक निविदा को ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड की जा सकती है।
निविदा की अनुमानित लागत :- 26.99 लाख रूपये
1. UBN Code :- DLB2627WSRC05515
अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद/सी/26/4214 नगर पालिका लूनकरनसर

लखपति दीदी योजना से महिलाएं आर्थिक रूप से सक्षम बन रही हैं- भजनलाल

खारी का लाम्बा गाँव में मुख्यमंत्री ने ग्राम विकास चौपाल में लाभार्थियों को चैक व स्वीकृति पत्र सौंपे

भीलवाड़ा/जयपुर, 5 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी के कल्याण एवं सशक्तिकरण की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने वर्ष 2014 के बाद इन सभी वर्गों के उत्थान के लिए महत्वपूर्ण योजनाएं चलाई हैं। मुख्यमंत्री शुक्रवार को भीलवाड़ा के खारी का लाम्बा गांव में ग्राम विकास चौपाल कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजीविका से जुड़ी महिलाओं से बात की। वे रात्रि विश्राम खारी का लाम्बा गाँव में ही करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लखपति दीदी योजना से महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त और सक्षम बन रही हैं। हमारी सरकार ने इस योजना में ऋण सीमा बढ़ाकर डेढ़ लाख रुपये एवं ब्याज घटाकर 1.5 प्रतिशत किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने लोकसभा और विधानसभाओं में महिला प्रतिनिधित्व के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम जैसा महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

इससे पहले, मुख्यमंत्री ने चौपाल में पुष्पा कंवर और अन्नू को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत चैक सौंपे। इसी प्रकार हंगामी देवी, रघुनाथ को पाइपलाइन योजना एवं हेमेन्द्र सिंह को फार्म पौण्ड योजना की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की तथा अर्चना व लीला को मिनीकिट सौंपे। वहीं, चन्ता देवी जाट को कृषक सहकारी दुर्घटना में 10 लाख रुपये, अमर सिंह को ब्याजमुक्त ऋण के तहत 1.13 लाख रुपये, उमंग सीएलएफ से जुड़ी सोनू कंवर को 20 लाख एवं बजरंग बली समूह को 4 लाख रुपये एवं राजीविका महिला स्वयं सहायता समूह को 1 करोड़ 10 लाख 74 हजार रुपये से अधिक की राशि के चैक सौंपे। उन्होंने प्रभुलाल रैगर एवं अनुराधा नायक को अक्षय पोषण योजना की किट सौंपी। इस दौरान उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, विधायक जब्बर सिंह सांखला, गोपाल लाल शर्मा, उदयलाल भडाना, अशोक कुमार कोठारी, लालाराम बैरवा, गोपीचन्द मीणा, लादु लाल पितलिया, अन्य जनप्रतिनिधिगण सहित, बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को भीलवाड़ा के खारी का लाम्बा गांव में ग्राम विकास चौपाल कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चैक सौंपे।

भारत ने गिलगिट-बाल्टिस्तान में चुनाव का विरोध किया

नई दिल्ली, 05 जून। भारत सरकार ने पाकिस्तान से 7 जून को तथाकथित 'गिलगिट-बाल्टिस्तान असेंबली' के लिए 'आम चुनाव' कराने की योजना पर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। विदेश मंत्रालय का कहना है कि चुनाव गैर-कानूनी और ज़बरदस्ती कब्ज़ा किए गए भारतीय क्षेत्र में कराये जा रहे हैं।

भारत सरकार ने अपने पुराने रुख को दोहराया है कि केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का संपूर्ण क्षेत्र भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग हैं। 1947 में इनका भारत में पूर्ण, कानूनी और अपरिवर्तनीय विलय हो चुका है। तथाकथित 'गिलगिट-बाल्टिस्तान' इसका हिस्सा है। भारत ने इस बात पर भी जोर दिया है कि पाकिस्तान के ऐसे प्रयास पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले क्षेत्रों में गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन, राजनीतिक दमन, आर्थिक शोषण और स्वतंत्रता से वंचित करने जैसे अंतर्निहित मुद्दों को छिपा नहीं सकते।

विदेश मंत्रालय के मुताबिक, पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले क्षेत्रों में किसी भी प्रकार का भौतिक परिवर्तन लाने के प्रयास स्पष्ट रूप से अस्वीकार्य हैं।

गुरमीत राम रहीम को फिर पैरोल मिली

20 साल की सज़ा के दौरान वह अब तक 16 बार पैरोल पर रिहा हो चुका है। इस बार उसे 30 दिन की पैरोल मिली है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 जून। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को एक बार फिर रोहतक की सूनरिया जेल से 30 दिनों की पैरोल मिलने के बाद रिहा किया गया है। पैरोल की मंजूरी राजय के सक्षम अधिकारी द्वारा दी गई थी। साध्वी यौन उत्पीड़न मामले में 20 साल की सजा मिलने के बाद, यह उनकी 16वीं अस्थायी रिहाई है।

स्वघोषित बाबा सुबह लगभग 6:34 बजे सूनरिया जेल से बाहर निकले, और उनके बाहर निकलने के दौरान सुरक्षा इंतजाम न्यूनतम दिखाई दिए। इस घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए उनके वकील जितेन्द्र खुराना ने कहा, "उन्हें आज पैरोल मिली है। यह राज्य के सक्षम प्राधिकारी द्वारा दी गई है। उन्हें 30 दिनों की पैरोल दी गई है।" उन्होंने आगे कहा, "पैरोल के दौरान वे अपने डेरा सच्चा सौदा, सिरसा में रहेंगे।"

■ सूत्रों के अनुसार, राम रहीम को हरियाणा गुड कंडक्ट प्रिज़नर्स (टैम्परेरी रिलीज़) एक्ट 2022 के कारण मिल रही है। यह प्रति कैलेंडर वर्ष से 10 सप्ताह की रिहाई की अनुमति देता है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, 2022 का हरियाणा गुड कंडक्ट प्रिजनर्स (अस्थायी रिहाई) एक्ट ने डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह जैसे अपराधियों के लिए पैरोल लेना आसान बना दिया है। यह अधिनियम प्रति कैलेंडर वर्ष अधिकतम 10 सप्ताह की रिहाई की अनुमति देता है, जिसे दो हिस्सों में विभाजित किया जा सकता है, पैरोल केवल डिप्टी कमिश्नर या पुलिस अधीक्षक की रिपोर्ट और जिला मजिस्ट्रेट की सिफारिश के आधार पर। इस कानून का उपयोग करते हुए, राम रहीम ने पिछले आठ वर्षों 406 दिन में जेल के बाहर बिताए हैं। यह अधिनियम सामान्यतः "हार्डकोर दोषियों", जैसे बलात्कार या हत्या के दोषियों, को नियमित पैरोल से रोकता है।

लेकिन, इसमें एक अपवाद है कि हार्डकोर दोषी उस स्थिति में पैरोल प्राप्त कर सकते हैं, जब उन्होंने कम से कम 5 साल की सजा काट ली हो, जिसमें अंडरट्रायल के 2 साल शामिल हैं। गुरमीत राम रहीम, जिन्हें 2017 में बलात्कार और 2019 तथा 2021 में दो हत्याओं का दोषी ठहराया गया था, 2017 से जेल में हैं, इसलिए वे 5 साल की सीमा को पूरा करते हैं और 2022 के कानून के तहत, उन्हें पैरोल दिया जा सकता है।

अन्नामलाई ने "वी द पीपल" आंदोलन चलाने की घोषणा की

भाजपा छोड़ने के बाद अन्नामलाई ने कहा कि यह आम नागरिकों की भागीदारी पर आधारित आंदोलन होगा

चेन्नई, 05 जून। तमिलनाडु की राजनीति में शुक्रवार को तब एक बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया, जब भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पूर्व अधिकारी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने पार्टी से इस्तीफा देने के तुरंत बाद अपनी नई राजनीतिक पार्टी और आंदोलन की घोषणा कर दी।

भाजपा से अलग होने के बाद, सोशल मीडिया पर लाइव संबोधन में अन्नामलाई ने अपने नए राजनीतिक अभियान की रूपरेखा पेश करते हुए बताया कि उनके आंदोलन का नाम "वी द पीपल" होगा। उन्होंने कहा कि यह किसी व्यक्ति, परिवार या विशेष समूह का मंच नहीं, बल्कि आम नागरिकों की भागीदारी पर आधारित जन आंदोलन होगा, जिसका उद्देश्य राजनीति को जनता के अधिक निकट लाना है।

अपने संबोधन में अन्नामलाई ने खुलासा किया कि पिछले करीब 18 महीनों से भाजपा नेतृत्व के साथ कई वैचारिक और कार्यशैली संबंधी मुद्दों पर उनके मतभेद चल रहे थे। दिसंबर 2025 में ही उन्होंने पार्टी नेतृत्व को अपने इस्तीफे की इच्छा से अवगत करा दिया था। हालांकि, पार्टी नेतृत्व के अनुरोध पर उन्होंने चुनावी जिम्मेदारियां पूरी होने तक संगठन में बने रहने का फैसला किया।

■ भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अन्नामलाई ने कहा कि गत 18 माह से उनके भाजपा नेतृत्व से कई वैचारिक और कार्यशैली संबंधी मुद्दों पर मतभेद चल रहे थे।

अन्नामलाई ने कहा कि राजनीति में उनकी सोच हमेशा सिद्धांतों और जनसेवा पर आधारित रही है। उन्होंने अपने आईपीएस कार्यकाल को याद करते हुए कहा कि कर्नाटक में पुलिस अधिकारी के रूप में सेवा के दौरान उन्होंने यह सीखा कि कोई भी पद, अधिकार या सत्ता स्थायी नहीं होती। उनके अनुसार, राजनीति को भी इसी दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए, जहां व्यक्ति नहीं, बल्कि व्यवस्था और जनता सर्वोपरि हो।

राजनीतिक सूत्रों के अनुसार, नई पार्टी सभी समुदायों, सामाजिक समूहों और अल्पसंख्यक वर्गों को साथ लेकर चलने की नीति अपनाएगी। पार्टी का फोकस समावेशी विकास, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक भागीदारी को मजबूत करने पर रहेगा। इसी कारण इसे धर्मनिरपेक्ष और व्यापक जनाधार वाली राजनीतिक पहल के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है।

राजनीतिक विश्लेषकों का भी मानना है कि अन्नामलाई का यह कदम तमिलनाडु की राजनीति में नए समीकरण पैदा कर सकता है। पूर्व आईपीएस अधिकारी के रूप में उनकी प्रशासनिक पृष्ठभूमि, युवाओं के बीच लोकप्रियता और आक्रामक राजनीतिक शैली उन्हें राज्य की राजनीति में एक प्रभावशाली खिलाड़ी बना सकती है। अब सबकी नजर इस बात पर है कि उनकी नई पार्टी आगामी चुनावों में किस प्रकार की रणनीति अपनाती है और राज्य की पारंपरिक राजनीतिक ताकतों को कितनी चुनौती दे पाती है।

ग्रेट निकोबार प्रोजैक्ट पर राहुल गांधी ने ऑनलाइन मूवमैंट शुरू किया

राहुल गांधी ने एक वीडियो जारी कर कहा कि 72 हज़ार करोड़ रु. की यह परियोजना पर्यावरण के लिए बेहद खतरनाक है

नई दिल्ली, 05 जून। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर एक बार फिर 'ग्रेट निकोबार' द्वीप का मुद्दा उठाया और एक वीडियो जारी कर सरकार पर आरोप लगाया कि 72 हजार करोड़ रुपये की इस परियोजना से पर्यावरण को नुकसान होगा।

राहुल ने आरोप लगाया कि परियोजना से 1.5 करोड़ पेड़ नष्ट होंगे, प्रवाल भित्तियों को नुकसान पहुंचेगा और समुदायों का विस्थापन होगा। इसमें आईएनएस बाज़ (संयुक्त सेवा कमान का हवाई अड्डा) जैसे वास्तविक रक्षा ढांचे के उन्नयन की उपेक्षा की जा रही है। इससे एक व्यवसायी को लाभ होगा। वह यहां होटल और कैसीनो बनाएगा।

राहुल ने एक्स पर कहा, कोई भी लाभ हमें उसे नष्ट करने से रोकता है, जिसे कभी वापस नहीं पाया जा सकता। मैं पारिस्थितिक रूप से संतुलित विकास का समर्थक हूं। ये द्वीप दुनिया के सबसे असाधारण टिकाऊ पर्यटन स्थल बन सकते हैं। यही वह भारत है, जिसके लिए संघर्ष करना चाहिए।

■ राहुल ने कहा, कोई भी लाभ हमें वह सब नष्ट करने की अनुमति नहीं देता जिसे हम पुनः प्राप्त न कर सकें।

■ राहुल ने युवा वर्ग से मूवमैंट से जुड़ने की अपील की।

उन्होंने कहा कि इस विश्व पर्यावरण दिवस पर वे हर युवा भारतीय से एक सवाल पूछना चाहते हैं कि आप किस तरह का भारत विरासत में पाना चाहते हैं? साथ ही, राहुल ने एक ऑनलाइलन कैंपेन भी शुरु किया, जिसमें वे कह रहे हैं- याचिका पर हस्ताक्षर करें।

मोदी सरकार को बताएं कि हम किसे चुनते हैं। राहुल और कांग्रेस की ओर से उनकी हाल ही की ग्रेट निकोबार द्वीप की यात्रा की तस्वीरें और वीडियो जारी किया गया है।

उल्लेखनीय है कि परियोजना के समर्थक इसे भारत की "एक्ट ईस्ट" रणनीति के लिए महत्वपूर्ण मानते हैं, जबकि आलोचक इसे पर्यावरण और जलीय जीवों के लिए खतरे के तौर पर देखते हैं।

हाई कोर्ट ने कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन पर रोक नहीं लगाई

नई दिल्ली, 05 जून। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 6 जून को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के दिल्ली में होने वाले प्रदर्शन पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। जस्टिस सौरभ बनर्जी की अध्यक्षता वाली वेकेशन पीठ ने याचिका पर जल्द सुनवाई करने से इनकार कर दिया।

■ सेव इंडिया फाउंडेशन ने 6 जून के प्रदर्शन पर रोक लगाने की याचिका लगाई थी।

सेव इंडिया फाउंडेशन नामक संगठन की ओर से दायर याचिका दायर करते हुए शुक्रवार को याचिकाकर्ता के वकील विकास शर्मा ने कॉकरोच जनता पार्टी के 6 जून को जंतर-मंतर पर होने वाले प्रस्तावित प्रदर्शन को रोकने के लिए दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की थी।

हाई कोर्ट ने जल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एसीबी कोर्ट-1 ने 29 मई को सुबोध अग्रवाल की जमानत पर सुनवाई की थी, लेकिन फैसले से पहले ही पीठासीन अधिकारी ने हाईकोर्ट प्रशासन को केस ट्रांसफर के लिए पत्र लिख दिया था। मामले में तत्कालीन मंत्री महेश जोशी, सुबोध अग्रवाल, संजय बड़ाया, दिनेश गोयल, कृष्णदीप गुप्ता, शुभांशु दीक्षित, सुशील शर्मा, विशाल सक्सेना, डी.के. गौड़, महेन्द्र प्रकाश सोनी, मुकेश पाठक और निरिल कुमार फिलहाल न्यायिक हिरासत में जेल में बंद हैं। इस प्रकरण में हाईकोर्ट ने चार आरोपियों की जमानत गत एक जून को खारिज दी थी और एक आरोपी अरुण श्रीवास्तव को मेडिकल ग्राउंड पर हाईकोर्ट से जमानत मिली है। एसीबी ने बीते दिनों पूर्व आईएएस सुबोध अग्रवाल के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया था।

चर्चित शिक्षक खान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गार्डों ने कथित रूप से पुलिस को बताया कि उन्हें गोली चलाने के लिए कहा गया था और आश्वस्त किया गया था कि आगे की स्थिति संभाल ली जाएगी। इसी बयान के आधार पर पुलिस ने खान सर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109 सहित, अन्य प्रासंगिक धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच के दौरान एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें खान सर की कोचिंग के बाहर सुरक्षा कर्मियों द्वारा हवाई फायरिंग किए जाने के संकेत मिले हैं। वीडियो और अन्य साक्ष्यों के सत्यापन के बाद पुलिस ने दोनों गार्डों की भूमिका की भी जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में हवाई फायरिंग की पुष्टि होने के बाद कानूनी कार्रवाई आगे बढ़ाई जा रही है।

इस बीच कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर पुलिस मुख्यालय और महानिरीक्षक (आईजी) कार्यालय स्तर पर उच्चस्तरीय बैठक भी आयोजित की गई। बैठक में पूरे मामले की समीक्षा की गई तथा स्थिति पर लगातार नज़र रखने का निर्णय लिया गया। पुलिस ने छात्रों और आम नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक सूचना पर ध्यान न दें और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें।

खड़गे ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शुक्रवार को बेंगलुरु स्थित विधान सौधा में एआईसीसी अध्यक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने निर्वाचन अधिकारी के समक्ष औपचारिक रूप से राज्यसभा के लिए अपना नामांकन पत्र प्रस्तुत किया। नामांकन दाखिल करने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि उनकी उम्मीदवारी को पार्टी के सभी विधायकों और नेताओं का एकजुट समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कहा कि आज मैंने अपना नामांकन दाखिल किया है। सभी विधायक और पार्टी के नेताओं ने मुझे उम्मीदवार के रूप में चुना है। मैं उनके विश्वास और समर्थन के लिए उनका आभारी हूं।

सरकारी बॉण्ड में निवेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) द्वारा सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश पर लागू तीन प्रतिबंधों, अर्थात् अल्पकालिक निवेश सीमा, एकाग्रता सीमा और प्रतिभूति-वार सीमा को हटाने का निर्णय लिया गया है। साथ ही, केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों के बकाया स्टॉक के 6 प्रतिशत और राज्य सरकार की प्रतिभूतियों (एसजीएस) के 2 प्रतिशत की समग्र मात्रात्मक निवेश सीमा को बरकरार रखा गया है। निवेश सीमाओं की उप-श्रेणियां, अर्थात् सामान्य और दीर्घकालिक, क्रमशः सरकारी प्रतिभूतियों और एसजीएस में निवेश के लिए एक ही सीमा में विलय कर दी जाएंगी।

एफ. पी. आई. को दी जा रही छूट का एक कारण यह भी बताया जा रहा है कि भारतीय रिज़र्व बैंक आमतौर पर डॉलर के मुकाबले रुपये के मूल्य में अत्यधिक उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने के लिए अपने विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग करता है, भारत से बाहर जा रहे निवेश से स्थिति और भी जटिल हो रही है।

ईरान युद्ध और उससे जुड़े आर्थिक संकटों के कारण रुपया 20 मई, 2026 को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.86 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था। कभी एशिया की अपेक्षाकृत स्थिर मुद्राओं में गिना जाने वाला रुपया इस वर्ष अब सबसे कमजोर प्रदर्शन करने वाली उभरती बाजार की मुद्राओं में से एक बन गया है। इस पर महंगे तेल, पूंजी निकासी, बढ़ते व्यापार घाटे और मजबूत अमेरिकी डॉलर का दबाव है।

फर्ज़ी पासपोर्ट मामले में गिरफ्तार हो चुका है लवकेश बजाज

नई दिल्ली, 05 जून। दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लोरिश स्टेज बीएंडबी में बुधवार सुबह लगी भीषण आग में 21 लोगों की मौत के बाद, होटल मालिक लवकेश बजाज को लेकर चौंकाने वाले खुलासे सामने आ रहे हैं। जांच में पता चला है कि जिस लवकेश बजाज को पुलिस ने अग्निकांड मामले में गिरफ्तार किया है, वह पिछले वर्ष भी बांग्लादेशी नागरिकों को फर्जी भारतीय दस्तावेज उपलब्ध कराने के मामले में गिरफ्तार हो चुका है।

■ गत वर्ष बाँग्लादेशी नागरिकों को फर्ज़ी भारतीय दस्तावेज उपलब्ध कराने के मामले में पुलिस ने पकड़ा था।

दिल्ली पुलिस के सूत्रों के अनुसार, वर्ष 2025 में पहाड़गंज थाना पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान लवकेश बजाज की भूमिका का खुलासा किया था। जांच में सामने आया था कि कुछ बांग्लादेशी नागरिक फर्जी आधार कार्ड और भारतीय पासपोर्ट के सहारे दिल्ली में रह रहे थे। पुलिस ने जांच के दौरान पाया कि इन दस्तावेजों में इस्तेमाल किए गए पते का संबंध लवकेश बजाज से था। 29 जनवरी 2025 को पुलिस को सूचना मिली थी कि पहाड़गंज के संगतराशान इलाके में एक बांग्लादेशी परिवार फर्जी दस्तावेजों के आधार पर रह रहा है। ?

प.बंगाल में भाजपा ने अपनी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अब कलकत्ता कॉरपोरेशन के नए चुनाव होने तक संस्था का कामकाज एक एडमिनिस्ट्रेटर (प्रशसक) संभालेगा।

इस बीच, जैसे-जैसे बंगाल में जीत पक्की हो रही थी, राजनीतिक संघर्ष देश की राजधानी दिल्ली की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है। दिल्ली में तृणमूल कांग्रेस के सांसद स्वयं को "वास्तविक तृणमूल" बताकर अपना अलग संसदीय समूह बनाने का दावा कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि तृणमूल कांग्रेस के 20 से 23 सांसद भाजपा के संपर्क में हैं और वे जल्द ही लोकसभा अध्यक्ष से मिलने वाले हैं।

वरिष्ठ सांसद भाजपा नेतृत्व के संपर्क में हैं और अपनी भविष्य की रणनीति पर चर्चा कर रहे हैं। लोकसभा और राज्यसभा को मिलाकर तृणमूल कांग्रेस के कुल 42 सांसद हैं। यदि लोकसभा के 28 सांसदों में से बहुमत भाजपा के साथ आ जाता है, तो महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराना भाजपा के लिए काफी आसान हो सकता है।

तृणमूल कांग्रेस के करीब 20 सांसद लोकसभा अध्यक्ष से मिलकर स्वयं को पार्टी के मुख्य संसदीय समूह के रूप में मान्यता देने की मांग करने वाले हैं।

वर्तमान में तृणमूल के लोकसभा में 28 सांसद हैं, जिनमें से 20 के एकजुट होने की खबर है। दो संभावित विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। पहला यह कि असंतुष्ट तृणमूल सांसद सीधे भाजपा में शामिल हो जाएं। ऐसी स्थिति में "एक राष्ट्र, एक चुनाव" योजना या महिला आरक्षण जैसे विधेयकों को आगे बढ़ाने में भाजपा को मदद मिल सकती है।

दूसरा विकल्प बंगाल मॉडल का है, जिसके तहत तृणमूल का यह समूह स्वतंत्र सांसदों के रूप में केन्द्र की सत्तारूढ़ पार्टी के समर्थन में भाजपा के विधेयकों के पक्ष में मतदान कर सकता है। भविष्य में क्या होगा, यह देखना बाकी है।

तृणमूल के संसदीय दल के एक वरिष्ठ सदस्य, शुभेन्दु शेखर राय ने कहा कि उन्हें विश्वास नहीं हो रहा कि पार्टी के विधायक और सांसद इतनी तेजी से पार्टी नेतृत्व से दूरी बना सकते हैं। कहा जा रहा है कि रॉय को संसद में पार्टी का नेता बताया जा सकता है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मोदी ने उत्तर बंगाल के मालदा दौरे के दौरान शुभेन्दु राय के पिता की प्रशंसा की थी। उन्होंने कहा था कि उन्होंने श्यामा प्रसाद मुखर्जी के साथ मिलकर बंगाल को भारत में बनाए रखने के लिए काम किया था, जबकि कुछ शक्तियां बंगाल को पाकिस्तान में शामिल करने की कोशिश कर रही थीं।

राजनीतिक सूत्रों के अनुसार, नया समूह संसद में पार्टी के मौजूदा नेता अभिषेक बनर्जी पर भरोसा नहीं करता। इसके बजाय, वे अपने संसदीय दल के लिए एक नए नेता का चयन करना चाहते हैं।

पार्टी के भीतर अभिषेक बनर्जी को लेकर व्यापक असंतोष बताया जा रहा है और पार्टी को लगे हालिया राजनीतिक झटकों के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। हालांकि ममता बनर्जी ने स्पष्ट रूप से अभिषेक बनर्जी की आलोचना पर रोक लगा रखी है, फिर भी कई नेता पार्टी की विफलताओं का ठीकरा उन्हीं के सिर फोड़ रहे हैं।

सरकार बनाने के साथ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सात बार सांसद रह चुके हैं। वर्तमान में वे देवनहल्ली विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। वे सिद्धारमैया मंत्रिमंडल में मंत्री भी रह चुके हैं।

सूत्रों के अनुसार, ऊर्जा मंत्रालय संभाल रहे वरिष्ठ नेता के.जे. जॉर्ज इस बात से नाराज़ हैं कि उनके विभाग में अधिकारियों के तबादले उनकी सहमति के बिना किए जा रहे हैं। नई सरकार में सार्वजनिक निर्माण विभाग का प्रभार बरकरार रखने वाले मंत्री सतीश जारकीहोली ने कहा है कि वे कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद की भी इच्छा रखते थे और इसके लिए उन्होंने पार्टी नेतृत्व से अनुरोध भी किया था। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि वे पार्टी नेतृत्व के निर्णय का सम्मान करेंगे।

शुक्रवार सुबह वरिष्ठ नेता रामलिंगा रेड्डी ने विभागों के बंटवारे से नाराज़ होकर मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। रेड्डी का दावा है कि मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने उन्हें बेंगलुरु विकास विभाग देने का वादा किया था, लेकिन उन्हें सिंचाई विभाग आवंटित कर दिया गया। इस मुद्दे पर अपना गुस्सा जाहिर करते हुए रेड्डी ने घोषणा की कि अब वे मंत्रिमंडल में कोई भी पद स्वीकार नहीं करेंगे और केवल विधायक के रूप में काम करेंगे।

रेड्डी के इस्तीफे पर प्रतिक्रिया देते हुए डीके शिवकुमार ने उन्हें अपना "सबसे करीबी मित्र" बताया और कहा कि वे इस मामले का समाधान निकालेंगे।

रेड्डी के इस्तीफे के बाद, कांग्रेस के कई पदाधिकारियों ने भी अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। रामलिंगा रेड्डी बेंगलुरु में कांग्रेस का एक प्रमुख चेहरा हैं। रेड्डी बीटीएम लेआउट विधानसभा क्षेत्र से आठ बार विधायक चुने जा चुके हैं। इससे पहले वे, कर्नाटक सरकार में परिवहन मंत्री, तथा गृह मंत्री के रूप में भी कार्य कर चुके हैं।

इन दो वरिष्ठ नेताओं के अलावा, वरिष्ठ नेता दिनेश गुंडू राव भी मंत्रिमंडल गठन के पहले चरण में नज़रअंदाज़ किए जाने से नाराज़ दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि उन्होंने किसी से कुछ नहीं मांगा है, तथा उन्हें मंत्री क्यों नहीं बनाया गया, यह प्रश्न वे (पत्रकार) पार्टी से करें।

क्या संवर्धित यूरेनियम को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बदलने वाले रुख के अनुसार ट्रंप ने कहा कि संवर्धित यूरेनियम का मुद्दा अब "दफन" हो चुका है।

वाइट हाउस के ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें अमेरिकी सेना द्वारा इस मामले में कार्रवाई करने का विचार पसंद नहीं है। ट्रंप की यह नई टिप्पणी उनके पहले के रुख से कुछ अलग है। इससे पहले वे बार-बार कहते रहे थे कि ईरान को अपने उच्च स्तर के संवर्धित यूरेनियम के भंडार को रखने की अनुमति नहीं दी जाएगी और इसे हटाना या नष्ट करना अमेरिका-ईरान शांति वार्ता की प्रमुख शर्त थी।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि यदि दोनों देशों के बीच समझौता हो जाता है, तो ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई से मिलकर वो सम्मानित महसूस करेंगे।

ईरानी नेता के साथ संभावित बैठक के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा, "मैं मिलना नहीं चाहता, लेकिन अगर मुलाकात होती है तो उनके साथ मिलना मेरे लिए सम्मान की बात होगी।" मोजतबा खामेनेई के पिता और पूर्व सर्वोच्च नेता अली खामेनेई 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका-इज़राइल युद्ध की शुरुआत में मारे गए थे। ट्रंप ने आगे कहा, "मैं देखना चाहूंगा कि क्या हम कोई समझौता कर पाते हैं। अगर समझौता हो जाता है, तो यह संभव है कि मैं उनसे मिलूं।" 54 वर्षीय इस्लामी धर्मगुरु मोजतबा खामेनेई को उनके पिता की मृत्यु के बाद ईरान का सर्वोच्च नेता नियुक्त किया गया था।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिकी और इज़रायली बलों द्वारा मोजतबा खामनेई के परिवार के कई सदस्यों को निशाना बनाए जाने के बावजूद, उन्हें (ट्रंप को) उम्मीद है कि खामेनेई "प्रोफैशनल रूख" अपनाएंगे।

ट्रंप ने कहा, "हमने उनके पिता, उनकी पत्नी और उनके बेटे को मार दिया, इसलिए शायद मैं उनका पसंदीदा व्यक्ति नहीं हूं... लेकिन कुछ हलकों में उनकी काफी अच्छी प्रतिष्ठा है।"

जब उनसे पूछा गया कि ईरानी नेता के साथ उनकी संभावित मुलाकात कहां हो सकती है, तो ट्रंप ने कहा, "मैंने वास्तव में इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं सुना है। मैंने यह सुझाव नहीं दिया, लेकिन कुछ लोगों ने इसका सुझाव दिया है।"

ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान से संवर्धित यूरेनियम (एनरिच्ड यूरेनियम) प्राप्त करने के लिए अमेरिका को किसी समझौते की आवश्यकता नहीं है।

उन्होंने पत्रकारों से कहा, "हम इसे अभी भी हासिल कर सकते हैं। मुझे नहीं लगता कि अगर हम चाहें तो वे हमें रोक सकते हैं, लेकिन इसकी कोई जरूरत नहीं है। यह अब दफन हो चुका है।"

साइबर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तक जुडे हो सकते हैं। एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि साइबर अपराधियों तक सिम कार्ड पहुंचाने वाले गिरोह का संचालन किस स्तर पर किया जा रहा था और इससे अर्जित धनराशि को किस प्रकार ठिकाने लगाया गया।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908